शुभ लाभ DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

महादयी परियोजना पर सिद्धरामैया का गोवा के सीएम पर तीखा हमला @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शुक्रवार, 25 जुलाई, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु.| वर्ष-7 | अंक-204

सत्ता दंभ की लाइलाज बीमारी से ग्रस्त है भाजपा का शीर्ष नेतृत्व

चारणगान के आगे स्वाभिमान कुर्बान

भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेता सत्ता दंभ की लाइलाज बीमारी से ग्रस्त हो चुके हैं और राग-दरबारियों की लंबी कतार रोगाणुओं की तरह संगठन को खाने में लगी है। सत्ता दंभ में दमदमाया सत्ता शीर्ष राग-दरबारियों की चुगली पर उपराष्ट्रपति तक को अपमानित करने से बाज नहीं आया तो हैदराबाद के गोशामहल विधानसभा सीट के इस्तीफाशुदा भाजपा विधायक टी. राजा सिंह किस खेत की मूली हैं! क्षेत्रीय स्तर पर जी किशन रेड्डी जैसे राग-दरबारी की चुगली पर भाजपा का दंभी केंद्रीय नेतृत्व टी राजा सिंह पर कुल्हाड़ी चलाने से नहीं चूका। राष्ट्रीय स्तर पर जेपी नड्डा जैसे रागदरबारियों की चुगली पर भाजपा के दंभी केंद्रीय नेतृत्व ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के साथ ऐसा ही बेजा सलूक किया। शीर्ष नेतृत्व के इन दोनों दंभ-आखेटों में एक समानता है। जगदीप धनखड़ और टी राजा सिंह स्वाभिमानी, बेबाक और संगठन एवं सिद्धांतों के प्रति समर्पित व्यक्तित्व हैं। यानि, भाजपा नेतृत्व को स्वाभिमानी, बेबाक और संगठन एवं सिद्धांतों के प्रति

भाजपा को नहीं चाहिए टी. राजा सिंह जैसे प्रतिबद्ध नेता

समर्पित व्यक्तित्वों की कोई जरूरत नहीं है। उन्हें केवल एक-दो नेतृत्वकारी चेहरों के प्रति वफादार लोगों की जरूरत है।

शुभ-लाभ की यह समीक्षा अभी तेलंगाना को लेकर केंद्रित है। तेलंगाना में भाजपा के मजबूत होने की पूरी संभावना थी। लेकिन चुगलखोरी और चाटुकारिता ने तेलंगाना में भाजपा की जड़ नहीं जमने दी। जिन नेताओं की वजह से प्रदेश में पार्टी मजबूत होने की तरफ बढ़ रही थी, उन नेताओं को

शुभ-लाभ समीक्षा

भाजपा नेतृत्व ने हाशिए पर धकेल दिया या उन्हें बाहर का रास्ता दिखा दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हों या केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, दोनों तेलंगाना आते हैं, भाषण देते हैं, चाटुकारों की सुनते हैं और चले जाते हैं। क्रमशः भारतीय जनता पार्टी तेलंगाना में कमजोर होती चली गई। मंगलहाट से तेलुगु देशम पार्टी के पार्षद के रूप में राजनीतिक यात्रा शुरु करने वाले टी राजा

तेलंगाना में पार्टी की साख धूल में मिला रहे राग-दरबारी

सिंह ने भाजपा प्रत्याशी के तौर पर 2014 में हैदराबाद के गोशामहल से जीत दर्ज की। देखते ही देखते टी राजा सिंह तेलंगाना में हिंदू समुदाय के प्रतिनिधि नेता के रूप में उभर कर सामने आ गए। उनकी यह छवि तेलंगाना के भाजपा नेताओं की आंख में किरकिरी बन कर चुभने लगी, जो केवल चाटुकारिता और चुगलखोरी के बूते राजनीति में ऊपर उठने की जुगाड़ में लगे थे। उन्हें यह समझ में आने लगा कि राजा सिंह अपने प्रभाव और भारी जनसमर्थन से पार्टी के लिए ऐसेट बनते जा रहे हैं। बस, प्रदेश के भाजपा नेता राजा सिंह के पर काटने के कुचक्र में लग गए। इन नेताओं में किशन रेड्डी प्रमुख हैं। भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व ने भी तेलंगाना में प्रखर हिंदुत्व और राष्ट्रवाद की भावना जाग्रत करने में लगे टी राजा सिंह का साथ नहीं दिया और हिंदू देवी-देवताओं पर फूहड़ टिप्पणी करने वाले टुच्चे हास्य कलाकार मुनव्वर फारूकी के मसले पर बयान देने के कारण पार्टी नेतृत्व ने टी राजा सिंह को निलंबित कर दिया। हिंदुओं के हित की राजनीतिक रोटी सेंकने वाली भाजपा हमेशा हिंदुओं के स्वाभिमान पर संकट के समय नपुंसकवादी रवैया अख्तियार करती रही है, चाहे वह देवी-देवताओं को खुली गालियां देने वाले कट्टरपंथियों के खिलाफ बेबाकी से बोलने वाली नूपुर शर्मा को पार्टी से निष्कासित करने ▶10 पर

सुप्रीम कोर्ट को न्याय-मित्र ने दी 'अहम' सलाह

सेक्स की उम्र 16 साल की जाए

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)।

लोकतंत्र को समझने और वोट डालने की उम्र भले ही 18 वर्ष तय हो, लेकिन सेक्स को समझने और यौन संबंधों में उतरने की उम्र 16 साल होनी चाहिए। न्याय मित्र (एमिकस क्यूरी) की तरफ से सुप्रीम कोर्ट को यह सलाह दी गई है। यानी, मतदान की शुरुआत करने के दो साल पहले ही सेक्स की शुरुआत वैधानिक तौर पर की जा सकती है, ताकि ऐसा करने वाले पॉक्सो जैसे कानून से बचे रह सकें। ऐसा ही सुझाव एमिकस क्यूरी ने दिया है।

वरिष्ठ वकील एवं न्याय मित्र (एमिकस क्यूरी) इंदिरा जयसिंह ने सुप्रीम कोर्ट से अपील की है कि सहमति से यौन संबंध बनाने की कानूनी उम्र 18 से घटाकर 16 साल की जाए, ताकि किशोरों के बीच आपसी सहमति से बने संबंधों को अपराध

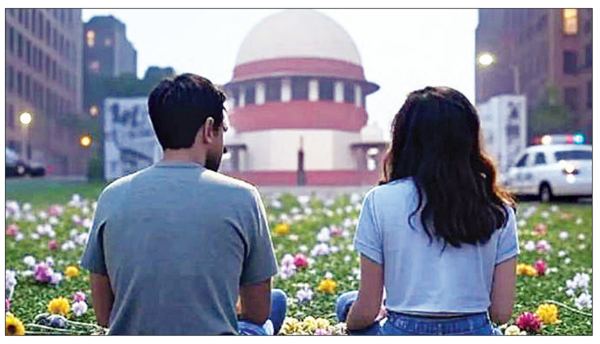

वोट डालने की उम्र भले ही 18 साल रहे

न माना जाए। उन्होंने कहा कि वर्तमान कानून किशोरों की निजता के अधिकारों का उल्लंघन करता है और सामाजिक-सांस्कृतिक दबावों के कारण उनके खिलाफ मुकदमे दर्ज होते हैं। जयसिंह ने अदालत से अपील की कि 16-18 साल के किशोरों के बीच बने सहमति वाले यौन संबंधों को पॉक्सो और दुष्कर्म के कानूनों से बाहर रखा जाए। इंदिरा जयसिंह सुप्रीम कोर्ट में चल रहे निपुण सक्सेना बनाम भारत सरकार मामले में कोर्ट की सहायता कर रही हैं। उन्होंने अपनी दलील में कहा है कि 16 से 18 साल के किशोरों के बीच आपसी सहमति से बने यौन संबंधों को आपराधिक बनाना गलत है। यह प्रावधान पॉक्सो कानून 2012 और भारतीय दंड संहिता (आपीसी) की धारा 375 के तहत आता है।

जयसिंह ने दलील दी कि वर्तमान कानून किशोरों के बीच सहमति से बने रोमांटिक संबंधों को भी अपराध मानता है और यह उनके संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि यह कानून सहमति वाले संबंधों को जबरदस्ती या शोषण जैसा मानता है, जबकि किशोरों में समझदारी और निर्णय लेने की क्षमता होती है। ▶10 पर

राष्ट्रीय चुनाव आयोग ने विपक्षी नेताओं से पूछा सवाल

क्या फर्जी वोटरों को सूची में रहने देना चाहिए?

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)।

बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण मामले पर विपक्षी पार्टियों के विरोध के बीच चुनाव आयोग ने विपक्ष से पूछा है कि क्या मतदाता सूची में सुधार नहीं किया जाना चाहिए? क्या लोकतंत्र का आधार मजबूत करने के लिए निष्पक्ष चुनाव की प्रक्रिया का पालन नहीं किया जाना चाहिए? उल्लेखनीय है कि मतदाता सूची के संशोधन से कांग्रेस नेता राहुल गांधी समेत तमाम तुष्टिकरणवादी विपक्षी नेता बौखलाए हुए हैं, जिन्हें बांग्लादेशियों और रोहिंग्या घुसपैठियों के मतदाता सूची में शामिल रहने से कोई एतराज नहीं है।

चुनाव आयोग ने बिहार मतदाता सूची पुनरीक्षण मामले पर विपक्ष से सवाल किया है कि क्या चुनाव आयोग को फर्जी मतदाताओं को भी मतदाता सूची में शामिल

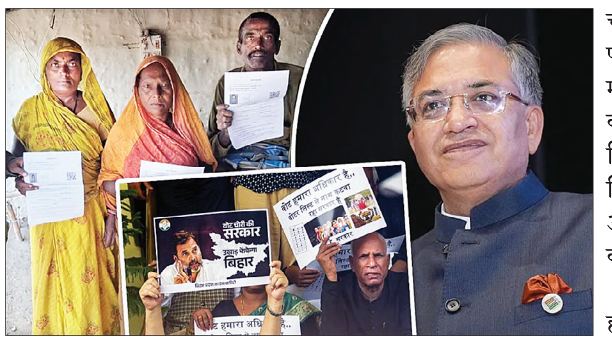

क्या मतदाता सूची में सुधार नहीं किया जाए?

कर लेना चाहिए? चुनाव आयोग ने बिहार मतदाता सूची पुनरीक्षण मामले पर हो रही आलोचना को लेकर कहा कि भारत का संविधान, भारतीय लोकतंत्र की मां है। तो क्या विरोध से डरकर चुनाव आयोग को कुछ लोगों के दबाव में भ्रमित हो जाना चाहिए और उन लोगों का रास्ता साफ कर देना चाहिए, जो मृत मतदाताओं के नाम पर फर्जी मतदान करते हैं? जो मतदाता स्थायी तौर पर पलायन कर गए हैं, जो मतदाता फर्जी या विदेशी हैं, क्या उन्हें संविधान के खिलाफ जाकर, पहले बिहार में और फिर पूरे देश में मतदान करने दें?

चुनाव आयोग ने पूछा कि क्या हमें निष्पक्ष प्रक्रिया के जरिए मतदाता सूची को तैयार नहीं करना चाहिए? मतदाता सूची ही निष्पक्ष चुनाव और मजबूत लोकतंत्र का आधार होती है। इन सभी सवालों पर हम सभी भारतीयों को गंभीरता से और राजनीतिक वैचारिकता से परे जाकर विचार करना चाहिए। इन सभी मुद्दों पर अब गंभीरता से विचार करने का सही समय आ गया है। भारत निर्वाचन आयोग ने बताया है कि बिहार में मतदाता सूची संबंधी आदेश के पैरा 7(5) के तहत पृष्ठ 3 पर कहा गया है कि ▶10 पर

धनखड़ की सम्मानजनक विदाई का समारोह हो : कांग्रेस

...तो धनखड़ की विदाई का समारोह क्यों नहीं?

फिर रिटायर होने वाले अन्य सदस्यों की विदाई क्यों?

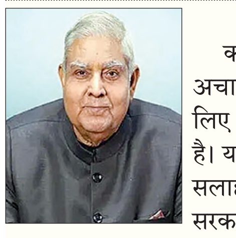

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)।

कांग्रेस ने पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के अचानक इस्तीफे पर सवाल उठाते हुए उनके लिए सम्मानजनक विदाई समारोह की मांग की है। यह मांग कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने व्यापार सलाहकार समिति की बैठक में उठाई, लेकिन सरकार और अन्य विपक्षी नेताओं ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। कांग्रेस का आरोप है कि जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ विपक्षी नोटिस स्वीकार करने के चलते धनखड़ पर इस्तीफे का दबाव डाला गया। कांग्रेस पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के अचानक इस्तीफे को लेकर लगातार सवाल उठा रही है। विपक्षी पार्टी ने अब उनके लिए एक विदाई समारोह की मांग की है। हालांकि, सरकार की ओर से इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई है। ▶10 पर

भारत आए इजराइल के रक्षा प्रमुख मेजर जनरल आमिर बारम

भारत-इजराइल के बीच और मजबूत हुई रक्षा साझेदारी

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)।

भारत और इजराइल के बीच रक्षा सहयोग को और गहराने के लिए बुधवार को नई दिल्ली में अहम द्विपक्षीय बैठक हुई। भारत के रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह और इजराइल के रक्षा मंत्रालय के महानिदेशक मेजर जनरल आमिर बारम ने इस बैठक में हिस्सा लिया। दोनों देशों ने रक्षा क्षेत्र में दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ मिलकर काम करने का संकल्प लिया और दीर्घकालिक रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने पर सहमति जताई। बैठक में पहलगाम और सात अक्टूबर के आतंकी हमलों की कड़ी निंदा की गई। भारत ने आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति दोहराई। बैठक के दौरान

थलसेना अध्यक्ष से भी मिले इजराइली रक्षा प्रमुख

दोनों पक्षों ने रक्षा सहयोग को एक संस्थागत ढांचे में बदलने की जरूरत को समझा। आधिकारिक बयान के अनुसार, भारत और इजराइल ने भविष्य में रक्षा क्षेत्र में तकनीकी, रणनीतिक और औद्योगिक साझेदारी को और मजबूती देने के इरादे से एक दीर्घकालिक ढांचा तैयार करने की दिशा में काम करने का फैसला किया है।

इजराइल के रक्षा प्रमुख आमिर बारम ने 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा की। इस हमले में एक विदेशी नागरिक समेत 26 लोगों की जान गई थी। उन्होंने भारत की आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई को पूरा समर्थन देने की बात कही। ▶10 पर

विदेश राज्य मंत्री ने राज्यसभा में कहा

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमले चिंताजनक

दुनियाभर में बेनकाब हो गया है पाकिस्तान

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)।

विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने कहा कि भारत सरकार बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमलों पर लगातार नजर रख रही है और उनका रिकॉर्ड रख रही है। इसमें लोगों, उनके घरों, दुकानों और धार्मिक स्थलों पर हुए हमले शामिल हैं। भारत ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और उनकी सुरक्षा की चिंता को हर जरूरी मंच पर उठाया है। उन्होंने कहा, भारत सरकार को उम्मीद है कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार इन घटनाओं की गहन जांच करेगी और हत्या, आगजनी और हिंसा में शामिल सभी दोषियों को न्याय के कटघरे में लाएगी। बांग्लादेश के सभी नागरिकों के जीवन और स्वतंत्रता की रक्षा की प्राथमिक जिम्मेदारी बांग्लादेश सरकार की ही है, जिनमें अल्पसंख्यक भी शामिल हैं। विदेश राज्य मंत्री ने कहा कि भारत ने पाकिस्तान से ▶10 पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 1,02,160/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 1,18,320/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 27°

न्यूनतम : 21°

हत्या के अभियुक्तों को जमानत देने पर सुप्रीम कोर्ट नाराज

अपनी शक्तियों का गलत इस्तेमाल न करें अदालतें

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)।

रेणुका स्वामी मर्डर केस में फिल्म अभिनेता दर्शन को कर्नाटक हाईकोर्ट द्वारा जमानत दिए जाने पर सुप्रीम कोर्ट सख्त नाराज है। सुप्रीम कोर्ट ने आरोपियों को जमानत देने के हाईकोर्ट के फैसले पर नाराजगी जताते हुए हिदायत दी कि हाईकोर्ट या अन्य अदालतें अपनी शक्तियों का नाजायज इस्तेमाल न करें। हत्या के अभियुक्त फिल्म अभिनेता की जमानत रद्द करने की कर्नाटक सरकार की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा है।

सुप्रीम कोर्ट ने आज गुरुवार को रेणुका स्वामी मर्डर केस में कन्नड़ एक्टर दर्शन थूगुदीप और छह अन्य को जमानत देने के कर्नाटक उच्च न्यायालय के फैसले पर नाराजगी जताई है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह विवेकाधीन शक्ति का गलत इस्तेमाल है। रेणुका स्वामी हत्याकांड मामले में अभिनेता दर्शन की जमानत रद्द करने की कर्नाटक सरकार की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा है।

सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति जेबी

अभिनेता दर्शन समेत 7 अभियुक्तों को हाईकोर्ट ने दी थी बेल

पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने अभिनेता और अन्य आरोपियों को जमानत देने के उच्च न्यायालय के 13 दिसंबर, 2024 के आदेश के खिलाफ कर्नाटक सरकार की अपील पर फैसला सुरक्षित रख लिया। शीर्ष अदालत ने राज्य सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा और मामले में आरोपियों का प्रतिनिधित्व कर रहे सिद्धार्थ दवे और अन्य की दलीलें सुनीं। अदालत ने राज्य और कुछ अन्य लोगों द्वारा दायर लिखित नोट को रिकॉर्ड में ले लिया और अन्य आरोपियों के वकील से एक सप्ताह के भीतर संक्षिप्त नोट दाखिल करने को कहा। राहत दिए जाने पर सवाल उठाते हुए न्यायमूर्ति पारदीवाला ने बचाव पक्ष के वकील से पूछा, क्या आपको नहीं लगता कि उच्च न्यायालय ने जमानत याचिकाओं पर फैसला सुनाते हुए सात आरोपियों को बरी करने का आदेश दिया है? न्यायाधीश ने कहा, चिंता की बात यह है कि जिस तरह से उच्च न्यायालय ने जमानत आदेश दिया, क्या उच्च न्यायालय हर जमानत मामले में एक ही तरह का आदेश देता है?

पीठ ने दो चश्मदीद गवाहों, किरण और पुनीत के बयानों से उच्च न्यायालय के निपटने के तरीके पर भी सवाल उठाया और उन्हें अविश्वसनीय गवाह बताया। ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ DAILY

फिर मिलने के वादे के साथ दी इनर स्टोरी का समापन

तीन दिन में 100 करोड़ का व्यवसाय

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन (किया) के तत्वावधान में पैलेस मैदान के गायत्री विहार में आयोजित तीन दिवसीय वार्षिक मेला 'दी इनर स्टोरी' का गुरुवार को रंगारंग समापन हुआ। इस अवसर पर व्यापारियों ने अगले वर्ष नए अंदाज में नए जोश के साथ मिलने का वादा कर विदाई ली। तीन दिवसीय मेले के दौरान प्रदेश के 6 हजार से अधिक व्यापारियों ने नए अनुबंध किए और लोगों ने खरीदारी की। मेले के अंतिम दिन सौ करोड़ रुपए से अधिक के व्यापार अनुबंध किए गए। एसोसिएशन के अध्यक्ष दिलीप जैन ने बताया कि व्यापार अनुबंध की दृष्टि से मेक इन इंडिया पर आधारित मेले में सौ करोड़ रुपए से अधिक के व्यापार अनुबंध किए गए हैं। गत वर्ष ये आंकड़ा करीब 90 करोड़ रुपए का था। उन्होंने बताया कि आगामी सीजन के दृष्टिगत माल की बुकिंग की गई है। उन्होंने बताया कि आयोजन को सफल बनाने के लिए किया की पूरी टीम गत एक माह से रात दिन लगी हुई थी। यह उसी का सकारात्मक परिणाम है कि व्यापार अनुबंध सौ करोड़ को पार कर सका है। उन्होंने बताया कि उनका लक्ष्य पांच हजार व्यापारियों को मेले तक लाने का था। यह लक्ष्य किया ने दो दिन में ही पूर्ण कर लिया। बुधवार को सभी प्रतिभागियों का स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया था। इस दौरान व्यापारियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि यह मेला उनके लिए सुखद रहा है। इस बार गत वर्षों की तुलना में अधिक व्यापार हुआ है। व्यापारियों ने अगले मेले के लिए अभी से अपनी सहमति जता दी है। एसोसिएशन के उपाध्यक्ष अश्विन सेमलानी ने कहा कि किया का यह मेला पूरी तरह मेक इन इंडिया की थीम पर आधारित था। मेला 22 जुलाई को शुरू हुआ था। राज्य के कपड़ा मंत्री शिवानंद पाटिल ने मेले का उद्घाटन किया था। इस मेले में कुल 70 स्टॉल लगाई गई थी। उन्होंने बताया कि जनता का अपार समर्थन मिल रहा है। इस मेले की खासियत यह रही कि जितने भी उत्पाद प्रदर्शित किए गए वे सभी भारतीय कंपनियों के थे। समापन समारोह में सभी कमेटी के सदस्यों का सम्मान किया गया। टेसुति इटली के संस्थापक और डायरेक्टर रमेश कोठारी भी मौजूद रहे। इस मौके पर सचिव रविन्द्र बंबोली, कोषाध्यक्ष प्रकाश एच जैन, संयुक्त सचिव शैंकी एम जैन, जिनेन्द्र कुमार, संयुक्त कोषाध्यक्ष विनोद चौहान के अलावा प्रदर्शनी समन्वयक महेन्द्र जैन, प्रदर्शनी कमेटी राजेश चोपड़ा, मनीष ए. जैन, मधुराम खादव, गौरव शर्मा, महीपाल टी. जैन, मूल सिंह राजपुरोहित समेत अन्य सदस्य मौजूद थे।

व्यापारियों ने सीएम से मुलाकात कर नोटिस पर की चर्चा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। चैम्बर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष बालकृष्णा, डायरेक्टर पीएच राजपुरोहित, कर्नाटक होजरी एंड गारमेंट्स एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष सज्जन राज मेहता ने सीएम के कृष्णा आवास पर आयोजित एक सभा में राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, राजस्व मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा, वित्त सचिव, मुख्य सचिव, जीएसटी आयुक्त विपुल बंसल के साथ मुलाकात कर विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। छोटे व्यापारियों ने सरकार पर दोषारोपण किया हैं कि हमें कानून की जानकारी नहीं थी या सरकार ने सूचित नहीं किया। पहले सरकारी नोटिस का किसी डीलर ने ना तो प्रत्युत्तर दिया और ना ही रजिस्ट्रेशन कराया। सरकारी अनुमान के अनुसार यूपीआई का इतना लेनदेन हैं तो नकदी कितना होगा? कंपोजिशन स्कीम का भी किसी ने फायदा नहीं उठाया जो अभी करीब 1 डेढ़ लाख डीलर उठा रहे हैं। सरकारी चूक इतनी ही हुई कि कर या पेनाल्टी का नोटिस 2 साल पहले भेज देती। सज्जन राज मेहता ने बताया कि सामूहिक निरीक्षण या सामूहिक नोटिस पर आप लगाम लगाएं। खैर बैठक में मुख्यमंत्री का रुख लचीलापन और सकारात्मक था, इसलिए अब इस विषय पर आंदोलन नहीं होगा। लेकिन भविष्य में सभी को ज्यादा सतर्क होने की जरुरत है। पहाड़ सिंह राजपुरोहित ने बताया कि हमारी मांगों को सरकार ने गंभीरता से सुना और अन्य उपस्थित 10 संस्थाओं के अध्यक्ष से भी चर्चा के बाद मुख्यमंत्री ने बताया कि 40 लाख से ऊपर वालों को और करीब 5 करोड़ तक के टर्नओवर वालों को नोटिस गया हैं। अब जो व्यापारी जीएसटी एक्ट में रजिस्ट्रेशन ले लेंगे उन्हें विशेष रियायत उपलब्ध होगी और कर रहित सामग्री विक्रेता को मुक्त किया जाएगा। सभी ने हर्ष ध्वनि से आभार व्यक्त किया और बेकरी एसोसिएशन के प्रकाश शेट्टी ने आंदोलन वापस लेने का आश्वासन दिया।

अन्तरिक्ष पार्श्वनाथ तीर्थ में जिनालय दादावाड़ी, धर्मशाला संकुल हेतु भूमि क्रय

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। खरतर गच्छाधिपति आचार्य भगवंत श्री जिन मणिप्रभ सुरीश्वर जी की प्रेरणा से श्री जिनदत्त कुशल सूरी खरतरगच्छ पेढ़ी द्वारा अन्तरिक्ष पार्श्वनाथ तीर्थ में बनने जा रहे जिनालय, दादावाड़ी और भोजनशाला संकुल हेतु भूमि का क्रय सम्पन्न हुआ। ट्रस्ट के बेंगलूरु निवासी कुशलराज गुलेच्छा ने कहा कि तीर्थ स्थल पर बन रहे जिनालय दादावाड़ी हेतु पूरे देशभर से नवीन ट्रस्टी लिए गए हैं एवं और भी ट्रस्टी बनाए जा रहे हैं, जो कि भूमि दानदाता और वंशानुगत ट्रस्टी होंगें। ट्रस्ट के प्रदीप श्रीश्रीमाल ने बताया कि करीब 80,000 फीट का विशाल भूखंड का क्रय किया जा चुका है और रजिस्ट्रेशन करवाया गया है एवं खनन मुहूर्त और शिलान्यास गच्छाधिपति जी द्वारा शीघ्र ही होगा। ट्रस्ट के प्रवक्ता ललित डाकलिया ने जानकारी देते हुए बताया कि मुख्य अन्तरिक्ष पार्श्वनाथ मन्दिर से 300 मीटर की दूरी पर तीन साईड रोड पर स्थित भूखंड पर जिनालय, दादावाड़ी, उपाश्रय के साथ यहां 100 रूमों की आधुनिक सुविधायुक्त धर्मशाला बनाई जाएगी तथा और योजनाओं की गुरुदेव से चर्चा करके घोषणा की जाएगी। इस अवसर पर कुशलराज गुलेच्छा, प्रदीप श्रीश्रीमाल, दीपचंद बाफना, बाबूलाल लुनिया आदि ट्रस्टीजन उपस्थित थे।

अरसीकेरे में शांतिसूरिजी गुरुभगवंत की स्थायी स्मृति 22 फरवरी 2026 को होगी ऐतिहासिक प्रतिष्ठा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री नाकोड़ा पार्श्वनाथ जैन मंदिर, राजाजीनगर संघ का खिवेंसरा भवन में चातुर्मासार्थ विराजमान आचार्यदेव श्री मद विजय देवेंद्रसागरसुरीश्वरजी ने प्रवचन सभा में श्री दक्षिण शांतिसूरि धाम तीर्थ, अरसीकेरे की प्रतिष्ठा महोत्सव तिथि की घोषणा करते हुए 22 फरवरी 2026 का शुभ मुहूर्त प्रदान किया।

आचार्य श्री देवेंद्रसागरजी ने कहा कि विजयशांति गुरुदेव ने अपने जीवन में अनेक कठिन व्रत, उपवास और नियमों का पालन कर अनगिनत साधकों को संयम की राह दिखाई। अनेक आगम एवं प्राकृत ग्रंथों के गहन अध्ययन द्वारा उन्होंने जैन दर्शन को अत्यंत सरल, ग्राह्य और प्रभावशाली रूप में जनमानस के समक्ष प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि यह प्रतिष्ठा केवल एक आयोजन भर न होकर, आने वाले समय में यह तीर्थ श्री विजयशांतिसूरिजी गुरुदेव की कीर्ति एवं जिनशासन की स्थायी प्रभावना का प्रेरणास्रोत बनेगा।

दक्षिण नाकोड़ा तीर्थ के अध्यक्ष अशोककुमार सुराना ने आचार्य श्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अरसीकेरे के समीप एक गुरु मंदिर का निर्माण जो आज पूरे भारतवर्ष में दक्षिण शांतिसूरि धाम तीर्थ के नाम से सुविख्यात है जहां श्रद्धालुओं को अपने आराध्य गुरुदेव के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त होगा, जिससे उनकी आध्यात्मिक प्यास तृप्त होगी। योगिराज श्री विजयशांतिसूरि ट्रस्ट के चेयरमैन ताराचंद राठौड़ ने अंतर्राष्ट्रीय विधिकारक मनोजकुमार बाबुमल हरण के मार्गदर्शन में होने वाले इस प्रतिष्ठा महोत्सव में सभी श्रद्धालुओं को सपरिवार सम्मिलित होने का आमंत्रण दिया। अध्यक्ष सुरेशकुमार वेदमुथा ने कहा कि शांतिसूरिजी गुरुदेव ने जिनशासन को और अधिक समृद्ध, सशक्त और सक्रिय रूप प्रदान किया।

महासचिव डॉ. विजयकुमार सुराना ने जानकारी दी कि प्रतिष्ठा निमित्त चढ़ावे आगामी 10 अगस्त 2025 को संपन्न होंगे। बेंगलूरु होलसेल क्लॉथ मर्चेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं नेशनल ट्रेडर्स वेलफेर बोर्ड भारत सरकार के बोर्ड सदस्य प्रकाशचंद पिरगल ने कहा कि गुरु मंदिर का निर्माण श्रद्धालुओं को अपनी श्रद्धा और भक्ति को समर्पित करने का एक उत्कृष्ट माध्यम प्रदान करेगा। सुर सम्राट दिलखुश बाफणा ने मुहूर्त संबंधी गीत के माध्यम से विनंती की। सभा में ट्रस्टी मोहनलाल बलदोटा, दुर्लभचंद खांटेड, दानमल नाहर, जितेंद्र राठोड, विनोद मुणोत, चेतन झारमुथा, महाबीर चुत्तर, चंपालाल कलापुरा, पुष्पदेवी गुलेच्छा, मनोहरलाल सुराना, महावीरचंद चोरडिया, लुणचंद छाजेड ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

इस अवसर पर जीतो के पूर्व अध्यक्ष श्रीपाल खिवेंसरा, युवक महासंघ के अध्यक्ष मनोज बाफणा, ओसवाल परिषद के महासचिव पृथ्वीराज मेहता, नरेंद्र मेहता, नगराज मेहता, गौतमचंद आच्छा, कांतिलाल ओस्तवाल, सुरेश श्रीमाल, जयंत मुणोत, उदय सिंघवी, देवेन्द्र सांड, पुनीत हीरावत, धर्मान परमार, पंकज श्रीमाल, जयंतीलाल बोहरा भी उपस्थित रहकर ऐतिहासिक प्रतिष्ठा मुहूर्त स्वीकार के साक्षी बने।

शाश्वत सुख का राजपथ है लोगस्स : साध्वी पुण्ययश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशिष्या साध्वी श्री पुण्ययशा जी के पावन सान्निध्य में लोगस्स कल्प सप्ताह के अन्तर्गत गुरुवार को सजोड़े लोगस्स कल्प अनुष्ठान का विशेष प्रयोग कराया गया। साध्वी ने कहा लोगस्स चतुर्विंशति स्तव में जीवन निर्माण, विकास तथा लक्ष्य प्राप्ति हेतु आत्मकर्तृत्ववाद का समज्जन किया है। सीमित शब्दों में असीमित व्यक्तित्वों की गौरवगाथा के अमित हस्ताक्षर व मंत्राक्षर इस स्तुति में विद्यमान है। सचमुच लोगस्स शाश्वत सुख का राजपथ है। इस स्तवन से समाधि का द्वार खुलता है, प्रज्ञा अनावृत्त होती है, सूक्ष्म शक्तियों की जागृति के साथ साथ ज्ञान आनंद व तेजस शक्ति प्रकट होती है। ज्ञान–आनंद व तेज ये तीनों महाशक्तियाँ हमारे अपने भीतर ही है और तीनों का स्रोत एक आत्मा है। तेरापंथी सभाध्यक्ष राकेश छाजेड़ ने सभी का स्वागत करते हुए साध्वीजी के प्रति अनंत कृतज्ञता जताई। गुरुकृपा एवं साध्वी की प्रेरणा की निष्पत्ति रही कि 113 जोड़ों सहित लगभग 300 लोगों की उपस्थिति एवं श्रद्धासिक्त भक्तिमय पवित्र वातावरण निर्मित हुआ। लोगस्स के प्रत्येक पद के साथ मंत्र गर्भित बीजाक्षरों के साथ जप एवं ध्यान का प्रयोग करवाया गया एवं सभी से प्रतिदिन विभिन्न दिशाओं में सस्वर पाठ करने की प्रेरणा दी। अनुष्ठान की संपन्नता पर परिषद मंत्रमुग्ध एवं आत्मविभोर नजर आई। हनुमन्तनगर से श्रावकों ने अच्छी संख्या में उपस्थिति दर्ज कराई। सभा, तेयुप एवं महिला मंडल ने आयोजन की संयोजना में श्रम नियोजित किया।

श्रीफल अनुष्ठान जीवन में सकारात्मकता और खुशहाली लाने में करता है मदद: साध्वी

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने पुष्य नक्षत्र के बारे में कहा कि पुष्य नक्षत्र, जिसे नक्षत्रों का राजा भी कहा जाता है, 27 नक्षत्रों में से एक है जो बहुत शुभ माना जाता है। यह नक्षत्र धन, समृद्धि और स्थिरता का प्रतीक है।

बहुत वर्षो के पश्चात ऐसा प्रभावशाली योग आया है। ज्योतिषशास्त्र में पुष्य नक्षत्र को बहुत ही शुभ माना गया है। सत्ताइस नक्षत्रों में आठवां नक्षत्र पुष्य है। सभी नक्षत्रों में इस नक्षत्र को सबसे अच्छा माना जाता है। पुष्य का अर्थ है पोषण करने वाला। सुख, शांति, समृद्धि, और सकारात्मक ऊर्जा से भरे इस अनुष्ठान में शामिल होने का सभी को आमंत्रण है। श्रीफल अनुष्ठान ये एक विशेष अवसर है जो आपको जीवन में सकारात्मकता और खुशहाली लाने में मदद करेगा। इस अनुष्ठान में शामिल होकर, आप अपने जीवन में सुख, शांति, और समृद्धि की प्राप्ति कर सकते हैं। यह अनुष्ठान आपको सकारात्मक ऊर्जा से भर देगा और आपके जीवन को एक नए दिशा में ले जाएगा। साध्वी शीतल गुणा ने कहा कि पूजा–पाठ करने से भक्ति का निर्माण हो सकता है और वह भक्ति, यदि सच्ची हो, तो शक्ति का सृजन कर सकती है जो अंततः हमें मुक्ति की ओर ले जा सकती है। लेकिन कर्म तो कर्म है। अच्छा कर्म या बुरा कर्म, हमारा कर्म ही है। यदि आपने बुरे कर्म किए हैं, तो बुरे कर्मों को निष्प्रभावी करने का एकमात्र उपाय है अच्छे कर्म किजिए और अच्छे कर्म करने का एक मार्ग है भक्ति। यदि हममें भक्ति है, तो हम भक्ति योग की अपनी यात्रा शुरू करते हैं। भक्ति योग, भक्ति और समर्पण के माध्यम से परमपिता परमेश्वर के साथ एकाकार होना है। यदि हम भक्ति में बढ़ते हैं, तो हमें ज्ञान प्राप्त होगा। जब हमें ज्ञान प्राप्त होगा, तो हम सभी कर्मों से मुक्त हो जाएँगे। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ अध्यक्ष पूनमचंद सोलंकी ने कहा साध्वीवृंद की निश्रा में अनेकविध कार्यक्रम आयोजित हो रहे है। इसी के अंतर्गत शुक्रवार को सुबह श्रीफल अनुष्ठान होगा। बियासणा के लाभार्थी संघवी सुरेश कुमार, महावीर कुमार, अनिल कुमार, भावना, मधु, पिंकी, स्वाती, सीमा, योगेश, भावेश, हर्ष, पक्षाल, दक्ष, निशा, झरणा, दिशिता, घेवरचंद बालगोत्र परिवार का बहुमान किया गया। पार्श्वनाथ भगवान की आरती एवं मंगल दिपक का लाभ भंवरलाल पेराजमाल परिवार, गुरुदेव की आरती का लाभ पारसमल मांगीलाल परिवार ने लिया।

जिसका जैसा पुण्य वैसा मिलता है सत्कार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। चिकपेट श्रीसंघ में विराजित पूज्य मुनिराज श्री आर्यशेखरविजयजी ने कहा कि महासति अंजना पर कलंक लगा तो महल छोड़कर जंगल जाना पड़ा। एक गुफा में मुनिवर के दर्शन हुए।

अंजना की सहेली ज्ञानी भगवंत को पूछती है मेरी सहेली को ऐसा दुख क्यों आया। कनकपुर नाम के नगर में कनकरथ राजा को दो रानी थी। लक्ष्मीवती और कनकावती परंतु दोनों में बड़ा अंतर था। कनकावती ईर्ष्यालु थी लक्ष्मीवती की भक्ति से जलती थी। उसने भगवान की प्रतिमा को कचरे के ढेर में डाला। ऐसा करते एक साध्वीजी ने देख लिया तो समझाया तब कनकावती को अपनी भूल का पछतावा हुआ। जिसके बाद वह भी लक्ष्मीवती के साथ भक्ति करने लगी। वह कर्म का उदय अभी आया है वह कनकावती यही अंजना है। शिलवती नारी की देव भी रक्षा करता है।

बुढ़ापा और मृत्यु यह निश्चित है और इनसे कोई बचाने वाला है तो वह शील है। कर्म सत्ता कहती है जिसका जैसा पुण्य वैसा सत्कार मिलता है।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दीर्घायु इंस्टीट्यूशन ऑफ योग द्वारा गंगौंडनहल्ली स्थित कनक भवन में राज्य स्तरीय योग स्पर्धा का आयोजन किया गया। जिसमें 600 से भी ज्यादा विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

धर्म दान पुण्य में अग्रसर व्यक्ति को जागते रहना चाहिए

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। यलहंका में विराजित गुरुदेव श्री ज्ञान मुनि जी ने फरमाया कि प्रभु महावीर की वाणी को आगम के रूप में लिखा गया था और हमारे गुरु भगवंतों ने थोकड़ों के रूप में उनका निचोड़ हमें दिया है। इन थोकड़ों को सम्यक्त्व के 67 बोल कहते हैं, यह थोकड़े होते बहुत छोटे हैं परंतु उनमें ज्ञान का रस बहुत ही ज्यादा होता है। बड़े बुजुर्ग कह गए हैं अगर कोई ज्ञानी मिले तो उनसे चर्चा करें, संवाद करें विवाद नहीं। संवाद करने से ज्ञान बढ़ता है लेकिन विवाद करने से सिर्फ अपवाद होता है। जो ज्ञानी सम्यक्त्वी है उनसे आलाप, संलाप, दान, मान, वंदना और गुणगान इन 6 बातों को अर्पण करें। भगवान महावीर के समयकत्वधारी और 12 व्रतधारी 318000 श्राविकाएं, 159000 श्रावक, 36000 साध्वीजी और 14000 संत थे। श्राविका श्री जयंती बाई ने भगवान महावीर से पूछा था कि इंसान का सोना अच्छा है या जागना? जिस पर प्रभु महावीर ने कहा कि जो पाप करता हैं, हिंसा कृत्य करता हैं उन्हें सोते रहना चाहिए, और जो धर्म दान पुण्य में अग्रसर हैं उसे जागते रहना चाहिए। गुरु भगवंत फरमाते हैं कि दुख में मित्रों के साथ आगे रहना चाहिए और सुख में सबसे पीछे रहना चाहिए। सभा में अध्यक्ष प्रकाशचंद कोठारी ने सभी का स्वागत किया एवं महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने सभा का संचालन करते हुए बताया कि आगामी रविवार को आचार्य हस्तीमल जी के गुरु आचार्य श्री शोभाचंद जी की पुण्यतिथि और श्रमण संघ के द्वितीय पट्टधर महायोगी आचार्य श्री आनंद ऋषि जी का जन्म दिवस को मनाया जाएगा।

महादयी परियोजना पर सिद्धरामैया का गोवा के सीएम पर तीखा हमला

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने महादयी नदी जल परियोजना को लेकर गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत और केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने महादयी परियोजना पर गोवा सीएम की टिप्पणी को कर्नाटक की जनता का अपमान बताया और केंद्र की चुप्पी को 'बैकडोर साजिश, मौन और विश्वासघात' कहा। यह विवाद उस वक्त और बढ़ गया जब गोवा विधानसभा में सावंत ने कहा कि केंद्र सरकार इस परियोजना को किसी भी हालत में मंजूरी नहीं देगी। सिद्धरामैया ने जोर देकर कहा कि महादयी प्रोजेक्ट कोई विलासिता नहीं, बल्कि उत्तर कर्नाटक के लोगों की पीने के पानी की जरूरत है। उन्होंने बताया

कि इस परियोजना से बेलगावी, धारवाड़, गदग, बागलकोट और आसपास के इलाकों के 40 लाख से ज्यादा लोगों को फायदा होगा। उन्होंने कहा कि यह किसी तरह की सौदेबाजी का मसला नहीं है, बल्कि राज्य की हकदारी है। मुख्यमंत्री ने याद दिलाया कि साल 2018 में महादयी जल विवाद ट्राइब्यूनल ने कर्नाटक को 13.42 टीएमसी पानी देने का आदेश दिया था। बावजूद इसके, उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार गोवा की बीजेपी सरकार के साथ मिलकर इस परियोजना को रोक रही है। उन्होंने पूछा कि अगर कोई आपत्ति है, तो उसे आधिकारिक रूप से क्यों नहीं बताया गया। सिद्धरामैया ने भाजपा और जेडीएस के कर्नाटक नेताओं पर भी निशाना साधा और कहा कि इनकी चुप्पी आने वाली पीढ़ियां याद रखेंगी। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या यह सब कर्नाटक द्वारा भाजपा के सामने न झुकने की सजा है। गोवा सरकार की आपत्ति यह है कि परियोजना में शामिल 10.6 हेक्टेयर वन भूमि काली और सह्याद्रि टाइगर रिजर्व क्षेत्र में आती है। हालांकि जनवरी 2024 में नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी (एनटीसीए) ने इस भूमि के उपयोग की सिफारिश की थी। फिर भी, गोवा सरकार लगातार इसका विरोध करती रही है। मंत्री एच. के. पाटिल ने महादयी जल परियोजना को लेकर गोवा के मुख्यमंत्री के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि भारत सरकार ने कर्नाटक को महादयी परियोजना को आगे बढ़ाने की अनुमति नहीं दी। उन्होंने कहा कि यह हमारा संवैधानिक अधिकार है और इस पर कोई भी रोक नाजायज है। पाटिल ने केंद्र सरकार से अपील की कि वह कर्नाटक के साथ अन्याय करना बंद करे। उन्होंने यह भी कहा कि अगर गोवा के मुख्यमंत्री का बयान सही है, तो यह कर्नाटक के हितों के खिलाफ है और केंद्र को इसे गंभीरता से नहीं लेना चाहिए। कर्नाटक सरकार ने साफ कर दिया है कि वह इस परियोजना को लेकर पीछे नहीं हटेगी। मुख्यमंत्री ने एलान किया कि राज्य अपने अधिकार के लिए कानूनी, राजनीतिक और नैतिक लड़ाई लड़ेगा। उधर, कर्नाटक के कानून मंत्री एचके पाटिल ने भी केंद्र से जल्द मंजूरी देने की मांग करते हुए गोवा सीएम की टिप्पणी को 'झटका' बताया।

बेंगलूरु हवाई अड्डे पर रामेश्वरम कैफे के नाश्ते में मिला कीड़ा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
शहर के केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर स्थित लोकप्रिय रामेश्वरम कैफे के आउटलेट पर गुरुवार सुबह एक ग्राहक को परोसे गए व्यंजन में एक कीड़ा पाया गया। ग्राहक के अनुसार, उसने नाश्ते में जो पोंगल ऑर्डर किया था, उसमें एक कीड़ा पाया गया। उस व्यक्ति ने आरोप लगाया कि शिकायत करने के बाद कैफे के कर्मचारियों ने शुरुआत में इस घटना को छिपाने की कोशिश की। उसने कहा कि जब उन्होंने खाने में कीड़े और कर्मचारी की प्रतिक्रिया का वीडियो बनाना शुरू किया, तभी उन्होंने माफी माँगनी शुरू की। बाद में कर्मचारियों ने ग्राहक को उस व्यंजन के पूरे 300 रुपये वापस कर दिए। घटना के वीडियो में ग्राहक पोंगल के एक चम्मच में कीड़े को दिखा रहा है और कैमरे को रेस्टोरेंट में घुमा रहा है। वह एक अन्य ग्राहक के साथ इंस्टाग्राम के जरिए कैफे मालिक

से शिकायत दर्ज कराने की संभावना पर चर्चा करता है। उसे यह पूछते हुए सुना जा सकता है कि क्या किसी कर्मचारी ने अनुचित तरीके से बात की थी। इस रिपोर्ट को लिखे जाने तक कैफे की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की गई। रामेश्वरम कैफे बेंगलूरु स्थित एक बैंड है जो रेस्टोरेंट की एक श्रृंखला का मालिक है। यह स्थानीय लोगों और पर्यटकों के बीच लोकप्रिय है। पिछले साल मई में, हैदराबाद में इसके आउटलेट्स पर तेलंगाना खाद्य सुरक्षा विभाग ने कई एक्सपायरी डेट और गलत लेबल वाले खाद्य पदार्थ जब्त किए थे, जिसके बाद उनकी जाँच की गई। इसमें 100 किलो उड़द दाल शामिल थी जिसकी एक्सपायरी डेट मार्च 2024 थी, साथ ही 10 किलो एक्सपायरी डेट का दही और आठ लीटर एक्सपायरी डेट का दूध भी शामिल था।

धर्मस्थल सामूहिक कब्र मामले की जांच से हटीं आईपीएस सौम्या लता

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
धर्मस्थल सामूहिक कब्र मामले की जांच के लिए बनी विशेष जांच टीम से आईपीएस अधिकारी सौम्या लता हट गई हैं। जब इसे लेकर राज्य के गृहमंत्री जी परमेश्वर से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि 'उन्हें आईपीएस सौम्या लता के एसआईटी से हटने की आधिकारिक जानकारी नहीं मिली है, लेकिन गैर-आधिकारिक सूत्रों से इस बारे में पता चला है कि उन्होंने जांच टीम से हटने के लिए पत्र लिखा है। उन्होंने निजी कारणों का हवाला देकर जांच टीम से हटने की बात कही है। जल्द ही उनकी जगह किसी अन्य अधिकारी को शामिल किया जाएगा। धर्मस्थल में सामूहिक कब्र के मामले का उस वक्त

खुलासा हुआ, जब हाल ही में पुलिस को एक व्यक्ति ने पत्र लिखा। पत्र में दावा किया गया कि कई शव दबाव बनाकर धर्मस्थल में गोपनीय रूप से दफनाए हैं। यह व्यक्ति बेल्टांगड़ी कोर्ट के सामने पेश हुआ और मजिस्ट्रेट के सामने गवाही दी, जिसमें उसने कहा कि वह धर्मस्थल और आसपास कई शव दफनाने में शामिल था। धर्मस्थल दक्षिण कन्नड़ जिले में है। यह एक प्रमुख तीर्थ स्थल है जहां भगवान मंजुनाथ की पूजा होती है। कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने शनिवार को कहा था कि प्राथमिक जांच शुरू हो चुकी है और अगर जरूरत पड़ी तो सरकार एसआईटी बनाने का फैसला करेगी। परमेश्वर ने कहा कि स्थानीय पुलिस पूर्व सफाई कर्मचारी के बयान के आधार पर प्रारंभिक जांच कर रही है, जिसने क्षेत्र में सैकड़ों शव दफनाने का दावा किया है। अगर और जांच की जरूरत होगी, तो सरकार फैसला करेगी। जब प्राथमिक जांच जारी है, तो एसआईटी की मांग क्यों? पुलिस विभाग का काम क्या है?

स्मार्ट मीटर घोटाला मामला

मंत्री जॉर्ज को बर्खास्त किया जाना चाहिए: डॉ. अश्वथ नारायण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
पूर्व उपमुख्यमंत्री और विधायक डॉ. सी.एन. अश्वथ नारायण ने गुरुवार को कहा कि स्मार्ट मीटर घोटाले के मद्देनजर, मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को ऊर्जा मंत्री के.जे. जॉर्ज को बर्खास्त करना चाहिए और उनका इस्तीफा मांगा जाना चाहिए। भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में एक संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने कहा कि यह भ्रष्टाचार कांड सिद्धरामैया के मुकुट में एक और पंख है। उन्होंने सवाल किया कि इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री की क्या प्रतिक्रिया है। 15 हजार करोड़ कोई छोटी रकम नहीं है। इसके पीछे कोई द्वेष या दुश्मनी नहीं है। यह काम जनता के हितों की रक्षा और पार्टी को

सम्मान दिलाने के लिए किया गया था। हमने सदन में भी ध्यानाकर्षण प्रश्न के माध्यम से यह मुद्दा उठाया था। हालाँकि, उन्होंने आलोचना की कि उन्होंने उचित उत्तर नहीं दिया। उन्होंने इस तथ्य की ओर ध्यान आकर्षित किया कि ठेका एक अयोग्य ठेकेदार को दिया गया था, एक ब्लैकलिस्टेड कंपनी के साथ समझौता किया गया था। देश में सबसे ज्यादा कीमत वसूली जा रही थी, और यह अनिवार्य बना दिया गया था, जबकि यह अनिवार्य नहीं था। सभी उल्लंघनों की जानकारी होने के बावजूद, उन्होंने स्वार्थी होकर एटीएम सरकार की तरह दिनदहाड़े लूट की। हमने अप्रैल में ही लोकायुक्त पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। फिर हमने पुनः अपील दायर की। देरी के कारण, हमने निर्वाचित प्रतिनिधियों के आपराधिक न्यायालय में एक आवेदन दायर किया। क्या सरकार के पास आँखें, कान और दिमाग हैं? उन्होंने सवाल उठाया कि क्या किसी ने इस बारे में बात की है। हमने राज्यपाल के पास भी एक आवेदन दायर किया। हमें पुनः अपील के बारे में सलाह मिली। तदनुसार, हमने मामला दर्ज कर लिया है।

उन्होंने कहा कि हमने भ्रष्टाचार नियंत्रण अधिनियम के तहत जाँच की अनुमति मांगी है। हमें एक निजी शिकायत (पीसीआर) दर्ज करने की सहमति मिल गई है। हमें बुधवार शाम इसके लिए मौखिक आदेश मिला। उन्होंने कहा कि उन्होंने लोकायुक्त को सूचित करने का भी निर्देश दिया है और कहा है कि मौजूदा अनुबंध रद्द कर दिया जाना चाहिए। यह सत्ता का दुरुपयोग है।

उन्होंने के.जे. जॉर्ज से इस्तीफा देने की माँग की। सिद्धरामैया, आप कहाँ हैं? आपका क्या रुख है? क्या स्पष्टीकरण है? आप और आपकी सरकार पर कई आरोप हैं। उन्होंने जॉर्ज से पूछा, क्या आप पीसीआर दर्ज होने की जानकारी होने के बाद भी इस्तीफा देंगे? उन्होंने मांग की कि जो लोग न्याय के आगे झुकने की बात कहते हैं, उन्हें तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए। उन्होंने इस सवाल के जवाब में कहा कि वह सदन में भी इस मुद्दे पर लड़ने के लिए विपक्षी नेताओं से विचार-विमर्श करेंगे।

हाथी के हमले से महिला की मौत

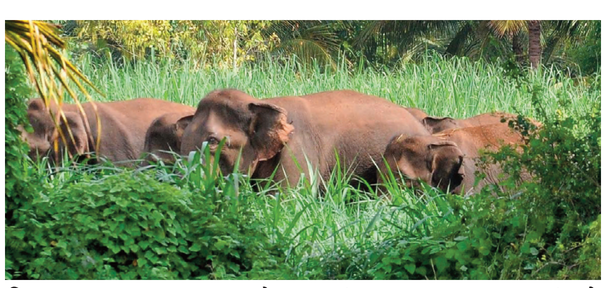

चिक्कमगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जिले के एन.आर. पुरा तालुक में बालेहोन्नूर के निकट बन्नूर में बुधवार की रात एक जंगली हाथी के हमले में एक महिला की मौत हो गई। मृतक अनीता (25) दा-वणगेरे जिले के होन्नाली की मूल निवासी थी। वह बालेहोन्नूर के निकट बन्नूर स्थित एक कॉफी एस्टेट में काम करने चिक्कमगलूरु जिले में आई थी।

जब वह एस्टेट में स्थित मजदूरों की बस्ती की ओर जा रही थी, तभी उसका सामना हाथी से हुआ। हाथी के हमले में अनीता गंभीर रूप से घायल हो गई। शिवमोग्गा के एक अस्पताल ले जाते समय रास्ते में उसकी मौत हो गई। बालेहोन्नूर और आसपास के गाँवों के निवासी हाथियों के हमलों से हुई मौतों की निंदा करते हुए विरोध प्रदर्शन के लिए एकत्रित हो गए। पिछले छह महीनों में इस तालुक में हाथियों के हमलों में चार लोगों की मौत हो चुकी है।

गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत द्वारा विधानसभा में दिया गया बयान निंदनीय: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा कि गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत अपना मानसिक संतुलन खो चुके हैं और कर्नाटक सरकार महादयी नदी पर कलसा बंदूरी बांध का निर्माण कार्य शुरू करेगी। यहां विधान सौधा के निकट पत्रकारों से बात करते हुए, उन्होंने कहा कि राज्य के 28 लोकसभा सदस्यों और 12 राज्यसभा सदस्यों का चुप रहना गलत है और उन्होंने मांग की कि वे महादयी मुद्दे पर संसद में अपनी आवाज उठाएँ। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत द्वारा विधानसभा में दिया गया बयान निंदनीय है। उन्होंने अपना मानसिक संतुलन खो दिया है। उन्होंने यह कहते हुए अपना गुस्सा जाहिर किया कि

उन्हें संघीय व्यवस्था की जानकारी नहीं है। महादयी नदी के पानी का वितरण न्यायाधिकरण में पहले ही हो चुका है और फैसला भी आ चुका है। तदनुसार, कलसा बंदूरी नाला बांध के निर्माण के लिए निविदाएँ आमंत्रित की गई हैं। पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई और केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने केंद्र सरकार द्वारा अनुमति दिए जाने पर खुशी जताई थी। केवल वन विभाग की अनुमति बाकी थी। उन्होंने कहा कि उन्होंने किसी को भी कहीं भी काम न करने के लिए नहीं कहा था। गोवा सरकार द्वारा कर्नाटक को दिया गया नोटिस अवैध है। एक राज्य को दूसरे राज्य को नोटिस देने का अधिकार नहीं है। हालाँकि, गोवा सरकार ने अहंकार दिखाया है। इस पर सवाल उठाते हुए, हम सर्वोच्च न्यायालय में दायर याचिका वापस लेंगे। हम कलसा बंदूरी नाला बाँध का निर्माण कार्य शुरू करेंगे। यह देश के सांसदों के स्वाभिमान का सवाल है। अब तक चुप रहना गलत है। हमें देश के लिए एकजुट होकर लड़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम एक सांसद की सीट के लिए कर्नाटक को नहीं बेच सकते। मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय वन मंत्री भूपेंद्र यादव से मिलने का समय माँगूँगा। उन्होंने कहा कि अगर समय मिला तो वह राज्य के सभी सांसदों को साथ लेकर दबाव बनाने की कोशिश करेंगे। उन्हें विश्वास है कि सभी सांसद उनके साथ आएँगे। केंद्रीय मंत्री संतुलित हैं। मैं भूपेंद्र यादव से पाँच-छह बार मिल चुका हूँ। वह राजनीति नहीं करते। उन्होंने कहा है कि विकास कार्य होने चाहिए। उन्हें समस्या का एहसास है। केंद्र सरकार के वन और जल संसाधन विभाग, दोनों के लिए जिम्मेदार मंत्री राजनीति नहीं कर रहे हैं।

गोवा के राजनेता राजनीति कर रहे हैं। हम काम शुरू करेंगे। देखते हैं वे इसे कैसे रोकते हैं। हम अपनी जमीन पर काम करेंगे। उन्हें इसे रोकने का कोई अधिकार नहीं है।

गोवा में लॉरी ड्राइवर पर हमला

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। गोवा में एक कन्नड़ ट्रक चालक पर बदमाशों के एक गिरोह ने हमला किया। हमला करने वाला व्यक्ति विजयपुरा जिले के कलाकेरी गाँव का निवासी अनिल राठौड़ है। लॉरी चालक अनिल राठौड़ महाराष्ट्र से गोवा पत्थर ले जा रहा था। इसी दौरान गोवा के प्रेदना के पास एक कार और जीप में सवार बदमाशों के एक गिरोह ने ट्रक को रोक लिया और गुंडागर्दी की। लॉरी चालक अनिल राठौड़ ने इस घटना का अपने मोबाइल फोन पर वीडियो बना लिया। बाद में, उन्होंने पेद्दे पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई, जिसमें आर-ोप लगाया गया कि अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। गोवा में कन्नड़ लोगों पर लगातार हमले और अत्याचार हो रहे हैं। ऐसी अफवाहें फैली हैं कि कन्नड़ लोगों को निशाना बनाया जा रहा है। इस बीच, गोवा मापला ट्रक ओनर्स एसोसिएशन के नेताओं समीर शेट्टर और सुरेश पट्टीगेरी ने इस घटना की निंदा की है।

सुरजेवाला ने कर्नाटक के प्रति व्यक्ति आय में सर्वोच्च स्थान पाने का श्रेय गारंटी योजनाओं को दिया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक के प्रभारी अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव रणदीप सुरजेवाला ने व्यापक विकास, विशेष रूप से गारंटी योजनाओं के कार्यान्वयन के परिणामस्वरूप कर्नाटक को देश में सबसे अधिक प्रति व्यक्ति आय वाला राज्य बताया। सुरजेवाला ने एक विज्ञप्ति में कहा कर्नाटक ने आर्थिक प्रगति में एक नया मील का पत्थर स्थापित किया है। वित्त मंत्रालय के हालिया आंकड़ों के अनुसार, राज्य की प्रति व्यक्ति आय 2014-15 में 1,05,697 से

बढ़कर 2024-25 में 2,04,605 हो गई है - जो 93.6 प्रतिशत की वृद्धि है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक का प्रदर्शन राष्ट्रीय औसत 57.6 प्रतिशत की वृद्धि दर से कहीं अधिक है और इसे हमारी गारंटी योजनाओं की विपक्ष की आल-ोचना का करारा जवाब कहा। उन्होंने कहा गृह लक्ष्मी सहित, पाँच गारंटी योजनाओं - शक्ति, अन्न भाग्य, युवा निधि और गृह ज्योति - के तहत अब तक कुल मिलाकर 93,000 करोड़ सीधे लाभार्थियों के खातों में हस्तांतरित किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि और योजनाओं का सकारात्मक प्रभाव स्पष्ट संकेत हैं कि कर्नाटक न केवल आर्थिक रूप से मजबूत हो रहा है, बल्कि सामाजिक न्याय और समानता भी प्राप्त कर रहा है। उन्होंने कहा 2023 से लागू की जा रही गारंटी योजनाएँ वोट बैंक की राजनीति के लिए नहीं शुरू की गई थीं।

इन्हें कर्नाटक के सभी गरीब लोगों के लिए - जाति, वर्ग या लिंग की परवाह किए बिना - बिना किसी भेदभाव के लागू किया गया था। परिणामस्वरूप, कई लोग अपने जीवन का पुनर्निर्माण करने में सक्षम हुए हैं। उन्होंने कहा कि कई लाभार्थी बचाई गई राशि को स्वरोजगार में लगा रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा कि कर्नाटक की उल्लेखनीय आर्थिक वृद्धि सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) और जैव प्रौद्योगिकी (बीटी) क्षेत्रों द्वारा भी संचालित है। विनिर्माण, कृषि और सेवा क्षेत्रों में स्थिर वृद्धि ने भी प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि को बढ़ावा दिया है। मंत्री शरण प्रकाश पाटिल और कांग्रेस एमएलसी दिनेश गुलिगौड़ा ने भी अलग-अलग विज्ञप्तियों में राज्य द्वारा एक नया आर्थिक मील का पत्थर हासिल करने का श्रेय गारंटी योजनाओं को दिया।

समर्थन मूल्य पर आम खरीद की सीमा 200 क्विंटल तक बढ़ाई गई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कीमतों में गिरावट से जूझ रहे राज्य के आम उत्पादकों द्वारा मदद की गुहार लगाने के बाद सरकार ने पिछले आदेश में संशोधन करते हुए 40 क्विंटल प्रति एकड़ और अधिकतम 200 क्विंटल प्रति 5 एकड़ के समर्थन मूल्य पर आम खरीदने का आदेश जारी किया है। यह आदेश उक्त योजना के तहत पहले से पंजीकृत किसानों पर भी लागू होगा। राज्य और केंद्र सरकार ने 25-06-2025 को 2 रुपये प्रति किलो के समर्थन मूल्य पर कुल 4 रुपये में आम खरीदने का आदेश जारी

किया था। इस आदेश के अनुसार, यह सीमा 20 क्विंटल प्रति एकड़ और अधिकतम 100 क्विंटल प्रति 5 एकड़ थी, लेकिन अब संशोधन आदेश में यह सीमा बढ़ाकर 200 क्विंटल कर दी गई है। कृषि मंत्री एन. चालुवरायस्वामी ने केंद्र को पत्र लिखकर खरीद सीमा बढ़ाने का अनुरोध किया है और खरीद केंद्रों पर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश जारी किए हैं।

बेंगलूरु में डिजिटल गिरफ्तारी घोटाले में 78 वर्षीय व्यक्ति को 83 लाख का चूना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुंबई क्राइम ब्रांच के अधिकारी बनकर चार लोगों के एक गिरोह ने एक 78 वर्षीय व्यक्ति को दो महीने (21 मई से 10 जुलाई) तक डिजिटल रूप से गिरफ्तार किया और बैंक धोखाधड़ी के मामले में फंसाने की धमकी देकर उसकी जीवन भर की जमा-पूंजी 83.2 लाख लूट ली। थिप्पासंद्रा एचएएल तृतीय चरण निवासी पीड़ित ने जालसाजों को पैसे देने के लिए अपने दोस्तों से पैसे उधार भी लिए। जालसाजों ने उसे और उसके बेटे को पैसे न देने पर गिरफ्तार करने की धमकी दी। यह धोखाधड़ी तब सामने आई जब पीड़ित बेलगावी स्थित अपने पैतृक स्थान गया और अपने बेटे को पूरी घटना बताई। बेटे ने उसे सोमवार को पूर्वी संभाग साइबर अपराध पुलिस में औपचारिक शिकायत दर्ज कराने से पहले 1930 (साइबर अपराध हेल्पलाइन) पर घटना की सूचना देने की सलाह दी। पीड़ित ने अपनी शिकायत में कहा कि यह

घटना 21 मई को शुरू हुई, जब उसे एक अनजान नंबर से फोन आया। फोन करने वाले ने खुद को मुंबई साइबर क्राइम ब्रांच से ज्योति विश्वनाथ बताया और पीड़ित को बताया कि वह एक बैंक धोखाधड़ी मामले में शामिल है और उसके बैंक खाते (एसबीआई पासबुक) का विवरण एक ऐसे व्यक्ति से मिला है जिसने यह अपराध किया है। पीड़ित को कथित तौर पर बताया गया कि वह भी बैंक धोखाधड़ी मामले के आरोपियों में से एक है और इसलिए उसे गिरफ्तार किया जाएगा। शिकायत में कहा गया है कि फोन करने वाले ने पीड़ित को यह भी बताया कि धोखाधड़ी मामले के मुख्य आरोपी ने मुंबई में उसके नाम से एक सिम कार्ड खरीदा है, जिससे उसकी संलिप्तता की पुष्टि होती है। आरोपी ने कथित तौर पर पीड़ित को कई बार फोन किया और सत्यापन के लिए अपने बैंक खाते का एक्सेस न देने पर उसे गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। शिकायतकर्ता ने आगे कहा कि एक अन्य व्यक्ति ने भी खुद को सरकारी वकील बताकर फोन किया और कार्यवाही में मदद की पेशकश की और उसे पैसे देने के लिए मजबूर किया। कथित तौर पर पीड़ित को यह भी बताया गया कि व्हाट्सऐप वीडियो कॉल के जरिए उस पर नजर रखी जा रही है और उसे इस बारे में किसी से संपर्क नहीं करना चाहिए। पीड़ित ने उनके निर्देशों का पालन किया, जब आरोपियों ने उसे कथित तौर पर आश्वासन दिया कि मामला बंद होने के बाद पैसे उसके खाते में वापस भेज दिए जाएँगे और कहा कि मामले से नाम हटने के बाद वह नजदीकी पुलिस स्टेशन से पुष्टि पत्र ले सकता है। दो महीने इंतजार करने के बाद भी, पीड़ित को कोई पैसा नहीं मिला और उसने अपने पैतृक घर एक पारिवारिक समारोह में शामिल होने का मन बनाया, जहाँ उसके बेटे ने उसे पुलिस से संपर्क करने और ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराने की सलाह दी। पुलिस कॉल रिकॉर्ड और ऑनलाइन लेन-देन की जानकारी के जरिए आरोपी का पता लगाने की कोशिश कर रही है। पुलिस ने कहा है कि 'डिजिटल गिरफ्तारी' जैसी कोई चीज नहीं होती और लोगों को ऐसे मामलों के बहाने की गई फिरौती की कॉल पर ध्यान नहीं देना चाहिए। इसी तरह के एक मामले में, कोरमंगला निवासी 74 वर्षीय महिला को 24 जून को ठगों ने डिजिटल गिरफ्तारी की धमकी दी और 77.8 लाख ट्रांसफर करने के लिए मजबूर किया।

पीड़िता ने सेंट्रल डिवीजन साइबर क्राइम पुलिस को बताया कि आरोपियों ने खुद को मुंबई पुलिस बताकर उसे बताया कि किसी ने उसके आधार कार्ड का इस्तेमाल 4 करोड़ की बैंक धोखाधड़ी में किया है और उसे गिरफ्तार करने की धमकी दी। उन्होंने उससे जबरन उसके बैंक खाते की जानकारी साझा करने और उसकी सारी बचत ट्रांसफर करने का दबाव डाला, और जांच के बाद उसे वापस करने का वादा किया। आरोपियों ने उसे यह बात किसी को न बताने की धमकी भी दी और मामले में उसकी मदद करने का वादा किया।

फैशन डिजाइनिंग और सिलाई प्रशिक्षण से सजेगा बेटियों का भविष्य

आचार्य पाठशाला को 10 सिलाई मशीनें भेंट

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

छात्राओं को आत्मनिर्भर बनाना और उन्हें कौशल प्रशिक्षण देकर शिक्षा के साथ कमाई करने की दिशा में प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से श्री मातृछाया जैन महिला संगठन ने एनआर कॉलोनी स्थित आचार्य पाठशाला एजुकेशनल ट्रस्ट को 10 सिलाई मशीनें भेंट की। कार्यक्रम का शुभारंभ नवकार महामंत्र के मंगलाचरण से हुआ। अध्यक्ष ललिता नागोरी ने कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि हम उन बेटियों के जीवन में कुछ सकारात्मक बदलाव ला सकें, जो शिक्षा के साथ-साथ सिलाई जैसे कौशल से अपने परिवार को आर्थिक सहयोग दे सकती हैं। मार्गदर्शिका त्रिशला कोठारी ने कहा कि आत्मनिर्भरता ही सशक्तिकरण की पहली सीढ़ी है। हम चाहते हैं कि ये छात्राएं केवल शिक्षा में ही नहीं, बल्कि कौशल में भी अग्रणी बनें। यह प्रयास केवल एक शुरुआत है, भविष्य में हम और भी संस्थाओं से जुड़कर अधिकाधिक छात्राओं को प्रशिक्षित करने का प्रयास करेंगे।

मुख्य अतिथियों ललिता सिंघवी, लता बोहरा, संगीता सेठिया ने विचार प्रकट करते हुए कहा कि 'मातृछाया' का यह योगदान न केवल बेटियों के लिए, बल्कि पूरे समाज के लिए प्रेरणादायी है। आत्मनिर्भर बेटियाँ समाज का भविष्य बदल सकती हैं। सिलाई मशीन केवल एक उपकरण नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता का साधन है। आचार्य पाठशाला एजुकेशनल ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. विष्णुभरत एवं सचिव ए प्रकाश ने 'मातृछाया' को धन्यवाद देते हुए कहा कि यह योगदान एक दीर्घकालिक निवेश है जो कई वर्षों तक अनेक छात्राओं को प्रशिक्षित करता रहेगा। सचिव रेशमा बड़ोला ने बताया कि इन सिलाई मशीनों के उद्घाटन के साथ ही छात्राओं के लिए कॉलेज द्वारा निःशुल्क फैशन डिजाइनिंग कोर्स प्रारम्भ किया जायेगा। कोषाध्यक्ष पुष्पा बाफना एवं प्रोजेक्ट संयोजिका कविता जैन ने बताय कि आर्थिक कमजोरी के कारण कई बालिकाएँ पढ़ाई बीच में छोड़ने को मजबूर हो जाती हैं, लेकिन यह कदम बालिकाओं की शिक्षा को सुदृढ़ बनाने में मदद करेगा। एपी एस. स्कूल के प्रधानाचार्य ने मातृछाया के कार्यो की सराहना करते हुए कहा कि इन सिलाई मशीनों का पूरा उपयोग हो इसलिए इसे हमारे शैक्षणिक पाठ्यक्रम में ही जोड़ेंगे एवं प्रति तीन माह में सिलाई मशीन प्रशिक्षण की जानकारी से भी आपको अवगत करायेंगे। इस अवसर पर संगठन की निर्मला दांतेवाड़िया, पुष्पा सोनीगरा, हेमाबंदा, त्रिशला दांतेवाड़िया, पुष्पानागोरी, पवन राठौड, पुष्पा बोहरा, उर्मिलासोलंकी, मीना सोलंकी, ललीता नागोरी, पवन मुथा, मोनिका पालरेचा, नीलम ललवानी, सारिका लुक्कड आदि अनेको सदस्याएं भी उपस्थित थी।

न हमारा प्रभाव, न बल और न देवी देवता हमे मृत्यु से बचा सकते हैं

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्व-ावधान में महावीर भवन में आयोजित प्रवचन में साध्वी श्री इंदुप्रभा जी ने कहा कि न हमारा प्रभाव, न बल और न देवी देवता हमे मृत्यु से बचा सकते हैं। मृत्यु के वक्त हम लाचार असहाय हो जाते हैं। ज्ञानी इस सत्य को स्वीकार कर पूर्व में ही तैयारी कर लेता है। क्योंकि मात्र धर्म की शरण ही हमे दुर्गति से बचा सकती है। हम पहले आत्मा की चिंता करें। संसार में रहते हुए और जिम्मेदारियां निभाते हुए भी अपने को नही भूलें। क्योंकि हमारी इस लापरवाही ने ही हमे अनंत काल से भटकाया है। हमारे अनंत साथी और रिश्तेदार मोक्ष पहुंच चुके हैं और हम भटक रहे हैं। प्रवचन को प्रारंभ करते हुए साध्वी श्री वृद्धिप्रभा जी ने कहा कि सभी जीवों में मुक्ति की योग्यता और शक्ति है। हमने प्रमाद में उस शक्ति को दबा दिया है और आवरण बना लिया है। प्रभु की वाणी का संयोग मिल गया है और यह अनंत बंधनों को तोड़ने का स्वर्णिम मौका है। बहुत भव भ्रमण कर लिया है। अब विश्राम और विराम लेना है। मुक्ति की प्यास लगनी चाहिए। प्यास भी ऐसी कि मंजिल तक रुकना नही है। प्रभु की वाणी हमे तिरना सिखाती है। गुरु ज्ञान की नौका होते हैं। अलसूर संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने चातुर्मास के पिछले पंद्रह दिनों की उपलब्धियों को बताया। महेंद्र रांका ने गुरु ज्येष्ठ पुष्कर समिति की ओर से आगामी भिक्षु दया की जानकारी दी। साध्वी शशिप्रभा ने मंगलपाठ सुनाया।

चारित्र ही जीवन की सच्ची संपत्ति है: साध्वी उपासना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर में आयोजित धर्मसभा में साध्वी उप-ासना ने अपने मंगल प्रवचन में चरित्र शुद्धि व सात दुर्व्यसनों के त्याग पर अत्यंत मार्मिक विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने कहा कि धन चला जाए तो कुछ नहीं, स्वास्थ्य चला जाए तो बहुत कुछ, परंतु चरित्र चला जाए तो सब कुछ चला जाता है। उन्होंने आपका चारित्र सूत्र को व्याख्यायित करते हुए समझाया कि हमें सतत आत्मनिरीक्षण करते रहना चाहिए क्या मैं अपने चारित्र का पालन कर रहा हूँ। क्या मेरे विचार, व्यवहार और वाणी धर्म के अनुरूप हैं। उन्होंने बताया कि समाज में सच्चे धर्म की पहचान उसी व्यक्ति से होती है जो विपरीत परिस्थितियों में भी सत्य और सदाचार से विचलित

नहीं होता। धर्म श्रवण तभी सफल होता है, जब वह जीवन के व्यवहार में उतरे। चारित्र से ही धर्म सार्थक बनता है। सच्चा धर्म वही है, जो आचरण में झलके। उन्होंने वॉच का अर्थ भी बड़ी सुंदरता से समझाया। मेरा चारित्र क्या है, मैं कहाँ खड़ा हूँ, यह जानना आवश्यक है। उन्होंने यह भी कहा कि तीनों लोकों में वही व्यक्ति वंदनीय बनता है जो चारित्र की पवित्रता से जीवन जीता है। सभा के अंत में सभी धर्मप्रेमियों को यह संकल्प दिलाया गया कि हम अपने जीवन में चारित्र की श्रेष्ठता, आत्मनिरीक्षण और आचरण की शुद्धता को सर्वोपरि रखें। संस्कार और सदाचार से ही समाज की नींव मजबूत बनती है। इस अवसर पर जैन कॉन्फ्रेंस के राष्ट्रीय अध्यक्ष पुखराज मेहता, गुरु अम्बेश सेवा समिति के मंत्री सुरेंद्र आंचलिया व विजयनगर, श्रीरामपुरम, यशवंतपुर से अन्य उपस्थित रहे। अध्यक्ष प्रकाशचंद चानोदिया ने आभार व्यक्त किया। संचालन संघ के मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

शिव-पार्वती विवाह के प्रसंग ने किया मंत्रमुग्ध

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बानसवाड़ी स्थित सीताराम कल्याण मंडप में आयोजित महाशिवपुराण कथा के पांचवें दिन कथा वाचक संत वेंकटेश ने भगवान शिव और पार्वती के विवाह के प्रसंग का वर्णन किया। इस दौरान कथा स्थल पर सैकड़ों श्रद्धालु एकत्र हुए और हर हर महादेव के जयकारों से पूरा वातावरण शिवमय हो उठा। विवाह प्रसंग के दिव्य वर्णन और झांकी दर्शन ने भक्तों को भाव-विभोर कर दिया। संत वेंकटेश ने कहा कि शिव सभी मनोकामनाओं से दुर है परंतु संसार के कल्याण के लिए उन्हें विवाह करना पड़ा। वह वैवाहिक जीवन में रहकर भी वैराग्य जीवन का पालन करते थे। संत ने कहा कि शिव-पार्वती विवाह में भोलेनाथ ने भूत-प्रेतों सहित सभी गुणों को बुलाया। श्री शिव महापुराण में लिखा है कि जो शिव-पार्वती के विवाह को सुनते है या पढ़ते है, उनके सभी कार्य शुभ होते है। उनके घर में सदा मंडल होता है। आज कथा में बड़ी संख्या में राजस्थानी समाज ने कथा का श्रवण किया।

आयुष्य पानी के बुलबुले के समान क्षणभंगुर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी बेंगलूरु के तत्वावधान में चातुर्मास हेतु विराजित साध्वी श्री हर्षपूर्णाश्रीजी ने अपने प्रवचन में कहा कि हमारा आयुष्य ऐसा है जिसे बीतते देर नहीं लगती है। यह तो पानी के बुलबुले के समान है। कभी-कभी एक ठोकर लगते ही आयुष्य पूर्ण हो जाता है। हमें यह मनुष्य भव जो प्राप्त हुआ है उसे आराधना साधना में व्यतीत करना है। राग दशा के कारण हमारी आत्मा उच्च स्थिति में पहुंचने के बाद भी वापस नीचे गिर जाती है। हमें हर पदार्थ से अनासक्त बनना है। हमें

आसक्ति नहीं रखनी चाहिए। जो हमारी इंद्रियां बेलगाम घोड़े की तरह दौड़ रही है उसकी लगाम हमारी आत्मा के हाथ में रखनी चाहिए। वक्त के रहते हमें अपनी इंद्रियों को वश में कर लेना चाहिए। स्पर्शनेंद्रिय रसनेंद्रिय एवं अन्य इंद्रियों को हमें विशेषकर वश में कर लेना है। शास्त्रों में कहा गया है कि चित्रसंभूति मुनी स्पर्शनेंद्रीय के राग के कारण पतित हो गए थे।

स्पर्शनेंद्रीय के कारण गति और मति बदलते देर नहीं लगती। जिनके जीवन से सत्य का नाश हो जाता है उसका जीवन ही सत्यानाश हो जाता है। जन्म जरा मृत्यु हमारी आत्मा के साथ लगी रहती है इसे दूर कर हमें मोक्ष गति प्राप्त करने हेतु प्रयत्न करना चाहिए। इसके साथ ही हर आत्मा को छह पर्याप्तियां मिलती है। जिसमें प्रथम आहार पर्याप्ति है जिसमें आत्मा च्यवन के समय ही आहार ग्रहण करना शुरू कर देती है।

सड़कों पर महिलाओं का वीडियो बनाने के आरोप में फूड डिलीवरी एग्जीक्यूटिव गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अशोकनगर पुलिस ने एक 19 वर्षीय फूड डिलीवरी एग्जीक्यूटिव को बेंगलूरु के एम.जी. रोड और उसके आसपास सड़कों पर चलती महिलाओं का कथित तौर पर गुप्त रूप से वीडियो बनाने और बैकग्राउंड में बंगाली और हिंदी गाने लगाकर अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर वीडियो अपलोड करने के आरोप में गिरफ्तार किया है।

सोशल मीडिया मॉनिटरिंग सेल पुलिस ने मामले का संज्ञान लिया और आरोपी दिलावर हुसैन एम.डी. को ढूंढ निकाला। वह मणिपुर का रहने वाला है और बेंगलूरु में फूड डिलीवरी एग्जीक्यूटिव के तौर पर काम करता है। पुलिस के अनुसार, आरोपी का एक इंस्टाग्राम अकाउंट है। वह सड़कों पर चलती महिलाओं का वीडियो रिकॉर्ड कर रहा था और उन्हें बेंगलूरु नाइट लाइफ टैगलाइन के साथ पोस्ट कर रहा था। एक अधिकारी ने कहा ऐसा उसके फॉलोअर्स की संख्या बढ़ाने के लिए किया जा रहा था। स्वतः संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज कर लिया गया है। सब-इंस्पेक्टर नबी साब ने आरोपी का पता लगाया और उसके खिलाफ आईटी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया।

महिलाओं ने पार्थिव शिवलिंग का पूजन कर मनाया पर्व

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज बेंगलूरु के माध्यम महिला मंडल द्वारा गुरुवार को जे.पी. नगर स्थित सूर्य मंदिर पर महादेव की आराधना के श्रावण माह की हरियाली अमावस्या पर सावन मेले का आयोजन चंद्रा शर्मा एवं संतोष शर्मा के नेतृत्व में किया गया। सुबह सर्वप्रथम कांवड़ यात्रा का आयोजन किया गया जिसमें महिलाओं और पुरुषों ने मंदिर की परिक्रमा कर गंगाजल द्वारा शिवलिंग पर जलाभिषेक किया गया। तत्पश्चात माध्यम महिला मंडल की दर्जनों महिलाओं को अध्यक्षा संतोष शर्मा द्वारा हरी चूड़ियां एवं श्रृंगार सामग्री भेंट की गई। मंदिर परिसर में विद्वान पंडित श्रेयांश पाण्डेय के आचार्यत्व में विधिविधान से मंत्रोच्चार पूर्वक महिलाओं ने पार्थिवेश्वर शिवलिंग का निर्माण कर पंचोपचार पूजा-अर्चना सम्पन्न की। श्रावण मास की हरियाली अमावस्या पर महिलाओं द्वारा झूला झूलने का बड़ा महत्व बताया गया है। झूला झूलना यह परंपरा केवल रीति नहीं है बल्कि स्त्री के भावनात्मक और सांस्कृतिक जुड़ाव का प्रतीक है। महिला जब झूला झूलती है तो असल में वे अपने जीवन में संतुलन, सौभाग्य और शांति की कामना करती है। इसी कामना के साथ हरियाली अमावस्या के अवसर पर सभी महिलाओं ने एक-दूसरे को झूला झुलाकर शुभकामनाएं प्रदान की। इस अवसर पर अध्यक्ष सुनील शर्मा, चंद्रा शर्मा, संतोष शर्मा, संगीता शर्मा, हीरा शर्मा, गीता शर्मा, मंजू शर्मा, कंचन शर्मा, आशा शर्मा, निशा शर्मा, माधुरी शर्मा, पद्मा शर्मा, वैजयंती शर्मा, रेखा शर्मा, रीना शर्मा, राजेश्वरी शर्मा एवं पूनम शर्मा समेत माध्यम महिला मंडल की दर्जनों गणमान्य महिलाएं उपस्थित रही।

चार साल की बच्ची के साथ स्कूल में दुष्कर्म

बीदर/शुभ लाभ ब्यूरो।

बीदर में चार साल की एक नाबालिग बच्ची के साथ कथित तौर पर दुष्कर्म का मामला सामने आया है। प्राथमिकी में कहा गया है कि स्कूल के समय के दौरान बच्ची के साथ दुष्कर्म किया गया। बच्ची की मां को इस बात का पता तब चला जब वह अपनी बेटी के कपड़े बदल रही थी। मामला बीदर महिला पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया है। चार साल की बच्ची का फिलहाल ब्रिम्स अस्पताल की गहन चिकित्सा इकाई में इलाज चल रहा है। कर्नाटक में पिछले कुछ समय से लगातार ऐसी कई वारदातें सामने आ चुकी हैं। हाल ही में कर्नाटक में एक और ऐसा ही मामला सामने आया था जिसमें चार साल की बच्ची से दुष्कर्म किया गया था।

इस मामले में आरोपी 21 वर्षीय व्यक्ति गिरफ्तार कर लिया गया था। पीड़िता के माता-पिता मूल रूप से बिहार के रहने वाले हैं और पिछले 18 महीनों से मांड्या के एक प्लाईवुड फैक्ट्री में काम कर रहे थे, जहां आरोपी भी कर्मचारी था। आरोपी की पहचान प्रवीण के रूप में हुई है और वह उत्तर प्रदेश के लखनऊ का रहने वाला है। बताया गया कि ये कथित हमला तब हुआ जब व्यक्ति बच्ची को फैक्ट्री परिसर से दूर एक सुनसान जगह पर ले गया। पीड़िता और अन्य बच्चे साथ खेल रहे थे, तभी आरोपी उसे बहला-फुसलाकर एक सुनसान जगह पर ले गया और कथित तौर पर उसका यौन उत्पीड़न किया। बच्चों ने बच्ची की तलाश में गए माता-पिता को इसकी सूचना दी, लेकिन बच्ची आरोपी के साथ मिली। आरोपी को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया गया।

सहायक पुलिस आयुक्त ने किए मुनि नवीनप्रज्ञ महाराज के दर्शन

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

कंचगार गली स्थित श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजमान मधुर व्याख्यानी मुनि नवीनप्रज्ञ महाराज के दर्शन व आशीर्वाद लेने हेतु हुब्बली-धारवाड़ महानगर के सहायक पुलिस आयुक्त (ट्रैफिक) वीरेश करड़ीगुड्डा तथा भारतीय जनता पार्टी धारवाड़ जिला सिटी के कार्यदर्शी विश्वनाथ पाटिल पहुंचे। इस अवसर पर धर्म चर्चा के दौरान मुनि ने सेवा भाव एवं संयमित जीवनशैली के महत्व पर प्रकाश डाला। एसीपी ने जैन धर्म के

सिद्धांतों में गहरी रूचि व्यक्त की और बताया कि उनकी प्रारंभिक शिक्षा बैलहोंगल स्थित जैन समाज द्वारा संचालित विद्यालय में हुई थी। उन्होंने बताया कि वे पूर्णतः शाकाहारी हैं और नशे से सदैव दूर रहते हैं। छात्र जीवन में साधु-संतों के प्रवचनों का उन पर गहरा प्रभाव पड़ा, जिससे वे स्वयं को भाग्यशाली मानते हैं। इस अवसर पर चातुर्मास 2025 के गौतम प्रसादी लाभार्थी जयंतीलाल गोलेछा, प्रवीण भुरट, दिलीप गोगड़, सुभाषचंद्र डंक व अन्य श्रावकों ने एसीपी व विश्वनाथ पाटिल का सम्मान किया।

आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में दोहरे मापदंड बर्दाश्त नहीं : भारत–ब्रिटेन

लंदन/नई दिल्ली 24 जुलाई (एजेंसियां)।

भारत और ब्रिटेन ने जोर देकर कहा है कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में दोहरे मापदंडों की कोई जगह नहीं है और उग्रवादी विचारधारा वाली शक्तियों को लोकतांत्रिक आजादी का दुरूपयोग नहीं करने दिया जायेगा।

ब्रिटेन की आधिकारिक यात्रा पर आये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को लंदन में अपने समकक्ष कीर स्टार्मर के साथ द्विपक्षीय वार्ता के बाद प्रेस वक्तव्य में कहा कि लोकतांत्रिक आजादी का दुरूपयोग कर लोकतंत्र को ही कमजोर करने वालों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए।

श्री मोदी ने पहलगाम आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करने के लिए ब्रिटेन के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा ,

हम एकमत हैं कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में दोहरे मापदंडों का कोई स्थान नहीं है। हम इस बात पर भी सहमत हैं कि उग्रवादी विचारधारा वाली शक्तियों को लोकतांत्रिक स्वतंत्रता का दुरुपयोग नहीं करने दिया जा सकता। लोकतांत्रिक स्वतंत्रता का दुरूपयोग कर लोकतंत्र को ही कमजोर करने वालों को

जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए।

दोनों देशों के बीच मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर को ऐतिहासिक बताते हुए उन्होंने कहा कि दोनों की अर्थव्यवस्थाओं को इससे बड़ा लाभ होगा।

उन्होंने कहा, आज हमारे संबंधों में एक एतिहासिक दिन है। मुझे प्रसन्नता है कि कई वर्षों की मेहनत के बाद आज दोनों देशों के बीच व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता संपन्न हुआ है। भारतीय टेक्सटाइल्स, फुटवियर, आभूषणों , समुद्री खाद्य उत्पादों और इंजीनियरिंग उत्पादों को ब्रिटेन के बाजार में बेहतर पहुंच मिलेगी। भारत के ऐग्रिकल्चर उत्पाद और प्रोसेस्ड फूड उद्योग के लिए ब्रिटिश मार्किट में नए अवसर बनेंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि यह समझौता देश के युवाओं और लघु , सूक्ष्म और मझोले उद्योंगो के लिए खास तौर पर फायदेमंद रहेगा। उन्होंने कहा, भारत के युवाओं, किसानों, मछुआरों और एमएसएमई सेक्टर के लिए यह समझौता विशेष रूप से लाभकारी सिद्ध होगा। वहीं दूसरी ओर भारत के लोगों और इंडस्ट्री के लिए ब्रिटेन में बने उत्पाद जैसे मेडिकल डिवाइसेज़ और एयरोस्पेस कलपुर्जे सुलभ और किफायती दरों पर उपलब्ध हो सकेंगे

श्री मोदी ने कहा कि दोनों देश व्यापक सामरिक साझेदारी को नयी दिशा देने के लिए विजन 2035 पर भी बात करेंगे। उन्होंने कहा, अगले दशक में हमारी व्यापक सामरिक साझेदारी को नयी गति और ऊर्जा देने के लिए आज हम विजन 2035 पर भी बात करेंगे। यह टेक्नोलॉजी, डिफेंस, क्लाइमेट, एजुकेशन और पीपल–टू–पीपल कनेक्ट के क्षेत्रों में एक मजबूत, भरोसेमंद और महत्वाकांक्षी साझेदारी का रोडमैप होगा।

विभिन्न देशों के बीच चल रहे संघर्ष और टकरावों पर उन्होंने कहा कि सभी देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान किया जाना जरूरी है।

उन्होंने कहा, इंडो–पैसिफिक में शांति और स्थिरता, यूक्रेन में चल रहे संघर्ष और पश्चिम एशिया की स्थिति पर हम विचार साझा करते रहे हैं। सभी देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान अनिवार्य है। आज के युग की मांग, विस्तारवाद नहीं, विकासवाद है।

प्रधानमंत्री ने पिछले महीने अहमदाबाद में हवाई दुर्घटना में मारे गए ब्रिटिश नागरिकों के परिजनों के प्रति संवेदना भी प्रकट की।

श्री मोदी ने क्रिकेट को दोनों देशों के बीच साझेदारी का शानदार उदाहरण बताते हुए कहा कि भारत और ब्रिटेन उच्च स्कोर वाली साझेदारी बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा, हम दोनों के लिए क्रिकेट सिर्फ़ एक खेल नहीं, बल्कि एक जुनून है। और साथ ही यह हमारी साझेदारी का एक बेहतरीन उदाहरण भी है। कभी–कभी स्विंग और चूक हो सकती है, लेकिन हम हमेशा सीधे बल्ले से खेलते हैं! हम एक मज़बूत और उच्च स्कोर वाली साझेदारी बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने मुंबई ट्रेन विस्फोट मामले में 12 दोषियों को बरी करने के फैसले पर लगाई रोक

नई दिल्ली 24 जुलाई (एजेंसियां)।

उच्चतम न्यायालय ने वर्ष 2006 के मुंबई ट्रेन विस्फोट मामले में दोषी सभी 12 लोगों को बरी करने के बम्बई उच्च न्यायालय के 21 जुलाई के फैसले पर गुरुवार को रोक लगाते हुए कहा कि फिलहाल उन्हें गिरफ्तार नहीं किया जाएगा। न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने इस संबंध में आदेश पारित किया।

पीठ ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की उस याचिका को स्वीकार कर लिया जिसमें कहा गया था कि उच्च न्यायालय के फैसले को अन्य लंबित महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) मामलों में मिसाल नहीं माना जाएगा।शीर्ष अदालत ने महाराष्ट्र सरकार द्वारा उच्च न्यायालय के फैसले की वैधता को चुनौती देने वाली एक विशेष अनुमति याचिका पर संबंधित सभी आरोपियों को नोटिस जारी किया।पीठ ने इस दलील पर गौर किया और स्पष्ट किया कि उच्च न्यायालय के फैसले को मिसाल नहीं माना जाएगा।

उच्च न्यायालय ने सोमवार 21 जुलाई 2025 को फैसला सुनाया था।

उसने विशेष मकोका अदालत के वर्ष 2015 के फैसले को पलटने हुए उसके उस आदेश को खारिज कर दिया, जिसमें पांच आरोपियों को मौत की सज़ा और सात को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी।

मकोका अदालत ने कमाल अंसारी (अब मृत), मोहम्मद फैसल शेख, एहते–शाम सिद्दीकी, नवीद हुसैन खान और आसिफ खान को मौत की सजा सुनाई थी।

अदालत ने तनवीर अहमद इब्राहिम अंसारी, मोहम्मद माजिद शफी, शेख मोहम्मद, मोहम्मद साजिद मरगूब अंसारी, मुजम्मिल अताउर रहमान शेख, सुहैल महमूद शेख और ज़मीर अहमद शेख को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी।

मुंबई की लोकल ट्रेनों में 11 जुलाई, 2006 को सात बम विस्फोट हुए थे। इस घटना में 189 लोग मारे गए थे और 820 लोग घायल हुए थे।

दिल्ली में तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी ने प्रियंका गांधी से की मुलाकात

हैदराबाद/नई दिल्ली, 24 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने नई दिल्ली में कांग्रेस की वरिष्ठ नेता श्रीमती प्रियंका गांधी से मुलाकात की और उन्हें तेलंगाना जाति सर्वेक्षण की पूरी जानकारी तथा उसकी मुख्य रिपोर्ट सौंपी।

प्रियंका गांधी ने तेलंगाना सरकार के इस फैसले की खुलकर प्रशंसा की, जिसमें ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) को शिक्षा, नौकरियों और राजनीतिक पदों में 42% आरक्षण देने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने इस निर्णय को ऐतिहासिक और सामाजिक न्याय की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

प्रियंका गांधी ने आश्वासन दिया कि ओबीसी समुदाय के लिए पूर्ण न्याय की इस लड़ाई में वह तेलंगाना सरकार के साथ हैं और हर संभव समर्थन देंगी।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने इस मुलाकात को ओबीसी अधिकारों की दिशा में एक बड़ा कदम बताया और कहा कि यह पहल देशभर में सामाजिक न्याय की नई मिसाल बनेगी।

तेलंगाना में भारी बारिश के बीच

रेवंत रेड्डी ने जिलाधिकारियों को सतर्क रहने के आदेश दिया

नई दिल्ली/हैदराबाद, 24 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

लगातार हो रही भारी बारिश को देखते हुए तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने सभी जिलाधिकारियों को उच्च सतर्कता बरतने और विभिन्न विभागों के बीच प्रभावी समन्वय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं, ताकि जनता को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

मुख्यमंत्री, जो इस समय नई दिल्ली में हैं, ने गुरुवार को मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) के अधिकारियों के साथ टेलीकॉन्फ्रेंस के जरिए राज्य में बारिश की स्थिति की समीक्षा की।

निचले और बाढ़ संभावित इलाकों पर विशेष ध्यान

सीएम रेड्डी ने जिलाधिकारियों को निर्देश दिया कि निचले इलाकों और बाढ़ संभावित क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरती जाए और जहां भी जरूरत हो तुरंत राहत कार्य शुरू किए जाएं। उन्होंने जोर देकर कहा कि बारिश के प्रभाव को कम करने के लिए सभी विभागों को समन्वय के साथ काम करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को आदेश दिया कि जिन क्षेत्रों में झीलों, तालाबों और अन्य जलाशयों का जलस्तर लगातार बारिश के कारण बढ़ रहा है, वहां समय रहते अलर्ट जारी किया जाए। इसमें ग्रेटर हैदराबाद क्षेत्र भी शामिल है।

भारी बारिश वाले जिलों में लगातार निगरानी की आवश्यकता

जहां भारी बारिश की आशंका है, उन जिलों के कलेक्टरों को लगातार हालात की निगरानी करने और संबंधित सभी विभागों के साथ समीक्षा बैठकें आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनहानि और संपत्ति के नुकसान से बचने के लिए हर एहतियात बरतना जरूरी है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को आदेश दिया कि वे जिले में मौजूद रहें और बारिश तथा संभावित बाढ़ से उत्पन्न आपातकालीन स्थितियों में तुरंत कार्रवाई के लिए पूरी तरह तैयार रहें।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, वरिष्ठ अधिकारियों और कलेक्टरों को लगातार संपर्क में रहने और बदलते हालात का नियमित अंतराल पर पुनर्मूल्यांकन करने की सलाह दी गई है।

तेलंगाना का 2047 तक तीन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य : डी. श्रीधर बाबू

यूएई उद्योगपतियों को निवेश के लिए निमंत्रण

हैदराबाद, 24 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के आईटी और उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू ने गुरुवार को 2047 तक राज्य को 3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को दोहराते हुए यूएई के उद्योगपतियों से इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए तेलंगाना के साथ सहयोग करने का आह्वान किया। वे हैदराबाद के एचआईसीसी में तेलंगाना सरकार और यूएई द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित अंतरराष्ट्रीय निवेश शिखर सम्मेलन 'इन्वेस्टोपिया ग्लोबल' के औपचारिक उद्घाटन के दौरान बोल रहे थे।

मंत्री ने राज्य की उल्लेखनीय आर्थिक प्रगति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भौगोलिक रूप से छोटा होने के बावजूद तेलंगाना विकास और कल्याण दोनों में राष्ट्रीय मॉडल के रूप में उभरा है। उन्होंने कहा, तेलंगाना फीनिक्स की तरह उभरा है। 2024–25 में ही राज्य ने 8.2 प्रतिशत की सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) वृद्धि दर्ज की, जो राष्ट्रीय औसत 7.6 प्रतिशत से अधिक है। राष्ट्रीय जीडीपी में हमारा योगदान अब 5 प्रतिशत से अधिक हो गया है।

औद्योगिक विस्तार की योजना

श्रीधर बाबू ने बताया कि राज्य सरकार के पास औद्योगिक विस्तार के लिए एक सुसंगठित रोडमैप है।

ड्राई पोर्ट, मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क, औद्योगिक गलियारे और नेट–जीरो औद्योगिक पार्क, इलेक्ट्रिक वाहन जोन, और स्मार्ट लॉजिस्टिक्स हब सहित ग्रीन इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित करने की योजनाएं हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय रिंग रोड (आरआरआर) और मेट्रो रेल चरण–2 जैसी

आगामी परियोजनाएं औद्योगिक विकास को और गति प्रदान करेंगी।

मंत्री ने तेलंगाना की प्रमुख फ्यूचर सिटी पहल के बारे में बताया, जिसे वैश्विक मानकों के अनुसार विकसित किया जा रहा है और यह फिनटेक, क्लाइमेट टेक, और स्मार्ट मोबिलिटी नवाचार का केंद्र बनने की दिशा में अग्रसर है।

राज्य में डेटा सेंटर, ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी), एआई लैब्स, और एयरोस्पेस क्लस्टर जैसे क्षेत्रों में तेजी से विकास हो रहा है। पिछले 18 महीनों में तेलंगाना ने 3.2 लाख करोड़ रुपये से अधिक के नए निवेश आकर्षित किए हैं। 2024–25 में यूएई को निर्यात 2.5 गुना बढ़ा है, जिसमें फार्मा, एयरोस्पेस, डिजिटल सेवाएं और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्रों की प्रमुख भूमिका रही है। लुलु ग्रुप, डीपी वर्ल्ड और नाफ्को जैसी प्रमुख यूएई–आधारित कंपनियां पहले से ही राज्य में मौजूद हैं।

यूएई के साथ साझेदारी को मजबूत करने पर जोर

श्रीधर बाबू ने कहा, यह शिखर सम्मेलन केवल निवेश के बारे में नहीं है, बल्कि लंबे समय से चले आ रहे संबंधों को नवीनीकृत करने और एक साझा भविष्य के निर्माण के बारे में है। यूएई की तरह, तेलंगाना समय, विश्वास और परिवर्तन को महत्व देता है। उन्होंने यूएई के व्यवसायियों को एआई, उभरती प्रौद्योगिकियों, जीवन विज्ञान, ग्रीन हाइड्रोजन, नवीकरणीय ऊर्जा, लॉजिस्टिक्स, वेयरहाउसिंग, खाद्य प्रसंस्करण, रक्षा विनिर्माण, इलेक्ट्रिक वाहन, पर्यटन और वेलनेस जैसे क्षेत्रों में निवेश के व्यापक अवसरों का पता लगाने के लिए आमंत्रित किया। इस शिखर सम्मेलन में यूएई के अर्थव्यवस्था और पर्यटन मंत्री अब्दुल्ला बिन तौक अल मर्री, तेलंगाना आईटी और उद्योग विशेष मुख्य सचिव जयेश रंजन, टीएसआईआईसी के प्रबंध निदेशक के. शशांक, यूएई निवेश मंत्रालय के अवर सचिव मोहम्मद अल वहैबी, यूएई इंटरनेशनल इन्वेस्टर्स काउंसिल के महासचिव वालिद हारेब अल फलाही और इन्वेस्टोपिया के सीईओ डॉ. जीन फारेस सहित एक प्रतिष्ठित प्रतिनिधिमंडल ने भाग लिया।

भाजपा नेताओं ने जूना अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरिजी से लिया आशीर्वाद

हैदराबाद/जयपुर, 24 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रमुख नेताओं ने जूना अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरिजी महाराज से भेंट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर भाजपा नेताओं ने स्वामीजी से आध्यात्मिक मार्गदर्शन प्राप्त किया और समाज व राष्ट्रहित में सेवा कार्यों के लिए प्रेरणा ली।

इस विशेष भेंट में भाजपा के वरिष्ठ नेता अविनाश देवड़ा, अकुला विजया, अरुण

डाकोतिया, सुरेश माली, दिनेश साँखला, भरतराज देवड़ा, रोशन बोहरा, भगवतकृष्णा देवड़ा, प्रदीप तुलस्यान, दिनेश पसारी सहित कई अन्य कार्यकर्ता शामिल हुए।

नेताओं ने स्वामी अवधेशानंद गिरिजी के चरणों में नमन कर उनके स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना की।

स्वामी अवधेशानंद गिरिजी का आशीर्वाद और संदेश

स्वामी अवधेशानंद गिरिजी महाराज ने सभी नेताओं को धर्म, सेवा और राष्ट्रभक्ति के पथ पर अग्रसर रहने का आशीर्वाद दिया। उन्होंने कहा कि राजनीति का वास्तविक उद्देश्य समाज की सेवा और लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना होना चाहिए। उन्होंने भाजपा नेताओं से आग्रह किया कि वे गरीब, वंचित और जरूरतमंदों के कल्याण के लिए समर्पित होकर कार्य करें।

धार्मिक एवं सांस्कृतिक चर्चा

भेंट के दौरान स्वामीजी और भाजपा नेत–ाओं के बीच धार्मिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों को समाज में बढ़ावा देने के उपायों पर भी चर्चा हुई। स्वामीजी ने भारतीय संस्कृति और सनातन धर्म के आदर्शों को जन–जन तक पहुंचाने की आवश्यकता पर बल दिया।

लोकसभा में लगातार चौथे दिन नहीं हुआ कामकाज

नई दिल्ली 24 जुलाई (एजेंसियां)।

लोकसभा में विपक्ष ने बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण मामले, ऑपरेशन सिंदूर तथा अन्य मुद्दों पर चर्चा कराने की मांग को लेकर जमकर हंगामा किया जिसके कारण मानसून सत्र में लगातार चौथे दिन सदन में कोई कामकाज नहीं पाया।

पीठासीन अधिकारी कृष्ण प्रसाद तेन्नेटी ने एक बार के स्थगन के बाद दोबारा जैसे ही सदन की कार्यवाही शुरू की विपक्षी दलों के सदस्य अपनी मांगों के समर्थन में तख्तियां लेकर सदन के बीचोंबीच आकर नारेबाजी करने लगे। पीठासीन अधिकारी ने शोरशराबे के बीच ही जरूरी कागजात पटल पर रखवाये।

कब्जामुक्त कराएं जमीन, पीड़ितों को दिलाएं हक: सीएम योगी

गोरखपुर, 24 जुलाई (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि गरीबों की जमीन पर यदि किसी ने कब्जा किया है तो तत्काल जमीन को कब्जा मुक्त कराने के साथ दबंगों को सबक सिखाया जाए। जमीन का मामला यदि किसी परिवार का हो तो दोनों पक्षों के बीच संवाद कर उसका निस्तारण कराएं। हर पीड़ित को हक दिलाया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार किसी के भी साथ अन्याय नहीं होने देने और हर व्यक्ति के जीवन में खुशहाली लाने को संकल्पित है। सीएम योगी, गोरखपुर प्रवास के दौरान गुरुवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों की समस्याएं सुन रहे थे। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक वह खुद पहुंचे और एक-एक करके सबकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान करीब 200 लोगों से मुलाकात कर उन्होंने सबको आश्वस्त किया कि उनके रहते किसी के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा।

सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ सीएम ने लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है। जनता दर्शन में एक महिला ने जमीन कब्जा किए जाने की शिकायत की। इस पर मुख्यमंत्री ने पास में मौजूद प्रशासन व पुलिस के अफसरों को निर्देशित किया कि जमीन कब्जा की शिकायत पर त्वरित एक्शन लिया जाए। जमीन कब्जामुक्त होनी चाहिए यह भी सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी दबंग किसी की जमीन पर कब्जा न करने पाए। एक अन्य महिला की जमीन संबंधी शिकायत पर उन्होंने कहा कि महिला को उनकी जमीन का हिस्सा दिलाया जाए। मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। सीएम योगी ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध कराया जाए। राजस्व व पुलिस से जुड़े मामलों को उन्होंने पूरी पारदर्शिता वह निष्पक्षता के साथ निस्तारित करने का निर्देश देते हुए कहा कि किसी के साथ भी अन्याय नहीं होना चाहिए। हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाते हुए उसकी मदद की जाए।

निवेश प्रस्तावों की हकीकत जानने के लिए 14 जिलों की जांच

लखनऊ , 24 जुलाई (एजेंसियां)।

वैश्विक निवेशक सम्मेलन में हुए एमओयू को धरातल पर उतारने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों की टीम मैदान में उतार दी गई है। इन्वेस्ट यूपी के सीईओ विजय किरण आनंद के निर्देश पर टीमों ने 14 जिलों का औचक निरीक्षण कर एमओयू में आने वाली दिक्कतों को समझा। इसके लिए जिलों में प्रस्तावित निवेश परियोजनाओं को 24 मानकों की कसौटी पर कसा गया। इस कवायद की खास बात ये रही कि 40 फीसदी से ज्यादा दिक्कतों का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया। नवंबर में भूमि पूजन समारोह का पांचवां संस्करण प्रस्तावित है। इसके लिए दस लाख करोड़ रुपये की तैयार परियोजनाओं का लक्ष्य रखा गया है। जनवरी-फरवरी में वैश्विक निवेशक सम्मेलन होना है। दोनों बड़े आयोजनों की जिम्मेदारी नोडल एजेंसी के रूप में इन्वेस्ट यूपी की है। इसे देखते हुए इन्वेस्ट यूपी तैयारी चुस्त-दुरुस्त करने में जुटा है। इसी कड़ी में अधिकारियों की टीम बनाकर 14 जिलों का औचक निरीक्षण कराया गया। उद्यमी मित्रों और जिला उद्योग केंद्रों के महाप्रबंधकों ने एमओयू को धरातल पर उतारने के लिए किस तरह से विश्लेषण किया। निवेशकों के साथ कितनी बैठकें कीं। निवेशकों के मुद्दों पर क्या किया। ऑफिस का वातावरण कैसा है। निवेशक ऑफिस में खुद को कितना सहज महसूस करता है। बैठने की व्यवस्थाएं क्या हैं। इन्वेस्ट यूपी की तैयारियों को कैसे पेश कर रहे हैं। कुल कितने लोगों ने निवेश को लेकर रुचि जाहिर की है। कितने एमओयू हुए हैं। कितने एमओयू भूमि पूजन समारोह-4.0 और कितने निवेश समारोह-5.0 के लिए हुए। कितने निवेशक पीछे लौट गए। कितनी इकाइयों का निर्माण और कितने में उत्पादन शुरू हो गया। औद्योगिक भूखंडों की स्थिति।

ग्राम सभा की जमीनों की उपलब्धता, बीमार इकाइयों की संख्या और निवेश मित्र से जुड़े मुद्दे आदि। सीईओ विजय किरण आनंद ने उद्योग बंधु की बैठक में उठने वाले मुद्दों को प्राथमिकता से दूर करने के निर्देश दिए हैं। इसके तहत सभी 75 जिलों से पिछले तीन महीने का उद्योग बंधु की बैठकों का रिकॉर्ड मांगा गया है। इसमें निवेशकों द्वारा उठाए गए मुद्दों पर की गई कार्यवाही का ब्योरा भी तलब किया गया है। उन्होंने उद्यमी एसोसिएशन के फीडबैक को गंभीरता से लेने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही नए निवेश प्रस्तावों को ब्योरा अलग से तैयार करने के निर्देश दिए हैं।

स्वामी प्रसाद मौर्य के कांवड़ियों पर दिए गए बयान से मचा बवाल

लखनऊ /एजेंसियां।

राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी और पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य के कांवड़ियों पर दिए बयान पर बवाल मच गया है। विश्व हिंदू रक्षा परिषद ने उनके बयान पर आपत्ति दर्ज कराई और उनके लखनऊ स्थित घर का जलाभिषेक करने की बात कही है। इसे देखते हुए गुरुवार को स्वामी प्रसाद के घर के बाहर बड़ी संख्या में सुरक्षाकर्मी तैनात कर दिए गए हैं।

वहीं, सुबह विश्व हिंदू रक्षा परिषद के कई नेता स्वामी प्रसाद मौर्य के घर के बाहर हंगामा करने पहुंच गए। हालांकि, यहां पर पहले से ही पुलिसकर्मी तैनात हैं। स्वामी प्रसाद मौर्य ने बयान दिया था कि भगवान शिव को इतने भोले हैं कि उन्हें भोलेबाबा कहा जाता है और ये कांवड़िये उनके नाम पर तोड़फोड़ और उपद्रव कर रहे हैं। ये कांवड़िये नहीं बल्कि सत्ता संरक्षित गुंडे हैं। सरकार को इनके खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ऐसे लोगों के पोस्टर लगाए जाएंगे। स्वामी ने कहा कि कांवड़ियों के कारनामों की सारी रिकॉर्डिंग है। उन पर कार्रवाई की जानी चाहिए लेकिन नहीं की जा रही है क्योंकि ये कांवड़िये नहीं सत्ता संरक्षित गुंडे हैं। उनके इस बयान पर बवाल मच गया है। बता दें कि इसके पहले सीएम योगी बयान दिया था कि कांवड़ यात्रा को बदनाम करने की साजिश रची जा रही है। जो लोग भी उपद्रव कर रहे हैं उनके पोस्टर लगाए जाएंगे और यात्रा समाप्त होने के बाद उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

15 गांवों में थी दहशत

तीन इंसानों को मारने वाली बाघिन ट्रेंकुलाइज

11 घंटे की घेराबंदी के बाद मिली सफलता

पीलीभीत, 24 जुलाई (एजेंसियां)।

यूपी के पीलीभीत स्थित न्यूरिया क्षेत्र में तीन इंसानों का मारने वाली बाघिन आखिरकार ट्रेंकुलाइज कर पिंजरे की कैद में आ गई। गुरुवार सुबह सात बजे डंडिया गांव में चहलकदमी देखे जाने के बाद वन विभाग के अफसरों के नेतृत्व में टीम ने उसकी घेराबंदी की थी। 11 घंटे की मशक्कत के बाद शाम करीब साढ़े छह बजे बाघिन को बेहोश कर पिंजरे में कैद किया गया। रेस्क्यू वाहन से बाघिन को पीटीआर मुख्यालय लाया गया।

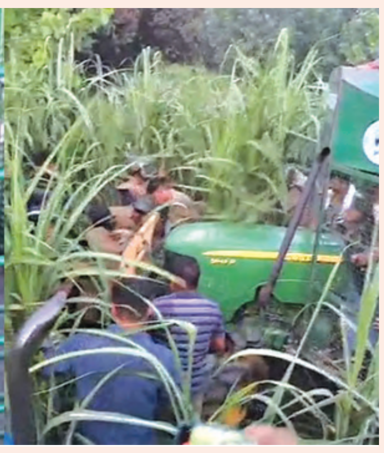

पीलीभीत टाइगर रिजर्व की माला रेंज से बाहर निकली बाघिन का नौ जून से आतंक था। नौ जून को खेत पर गन्ने की फसल में सिंचाई कर रहे मेवातपुर निवासी किसान मुकेश को मारने के बाद से बाघिन न्यूरिया क्षेत्र के 15 गांवों में घूम रही थी। 17 जुलाई को दो घंटे के अंतराल में बाघिन ने तीन इंसानों पर हमला किया था। इसमें मंडरिया गांव निवासी कृष्णा देवी की मौत हो गई थी। घटना के बाद आला अफसरों के निर्देश के बाद हमलावर बाघिन को पकड़ने के प्रयास तेज किए गए थे। शासन तक मामला पहुंचने के बाद वन विभाग के आला अफसरों ने भी क्षेत्र में पहुंचकर स्थिति को संभाला। वन विभाग की 20 से अधिक टीमों को क्षेत्र के करीब 10 गांवों में लगाया गया, लेकिन सात दिनों से बाघिन विभाग के हाथ नहीं आ पा रही थी।

इधर गुरुवार सुबह डंडिया गांव के खेतों में बाघिन की एक ग्रामीण ने चहलकदमी देखी थी। इसके बाद वन संरक्षक बरेली पीपी सिंह, फील्ड डायरेक्टर, डीएफओ भरत कुमार डीके, मनीष सिंह टीम के साथ मौके पर पहुंचे। ट्रेंकुलाइज एक्सपर्ट डॉ. नासिर व डॉ दक्ष गंगवार भी मौके पर पहुंचे। ड्रोन से बाघिन की लोकेशन ट्रेस कर बाघिन की घेराबंदी की गई। 11 घंटे तक टीमें उसपर नजर बनाए रहीं। शाम साढे छह बजे गन्ने के खेत में छिपी बाघिन को डॉट मारकर बेहोश किया गया। इसके बाद पिंजरे में लादने के बाद बाघिन को रेस्क्यू वाहन में पीटीआर मुख्यालय लाया गया। जहां अफसरों के नेतृत्व में चिकित्सकों की टीम ने बाघिन की निगरानी शुरू की है। वन अफसरों के अनुसार बाघिन को सफलता पूर्वक बेहोश कर पकड़ा गया है।

जलशक्ति मंत्री ने किए रामलला मंदिर में दर्शन

अयोध्या, 24 जुलाई (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह गुरुवार को अयोध्या पहुंचे, जहां उन्होंने रामलला मंदिर में दर्शन कर किसानों की भलाई के लिए बारिश की दुआ मांगी। इस दौरे के दौरान उन्होंने बाढ़ नियंत्रण, सिंचाई योजनाएं, और किसानों को राहत पहुंचाने के सरकारी प्रयासों पर भी जानकारी दी। जल संकट और मानसून की सुस्ती को देखते हुए मंत्री ने भगवान से प्रदेश के किसानों के लिए संतुलित वर्षा की प्रार्थना की। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि भगवान से यही कामना की कि अच्छी बारिश हो, किसान खुश रहें, खेतों में हरियाली लौटे। सरकार हर मोर्चे पर उनके साथ खड़ी है। स्वतंत्र देव सिंह ने बताया कि राज्य सरकार ने बाढ़ और सूखे की आशंका को ध्यान में रखते हुए 348 बाढ़ बचाव परियोजनाएं शुरू की हैं, जिनमें से 250 पूरी हो चुकी हैं, और शेष पर काम तेजी से चल रहा है।

लखीमपुर खीरी की नहरों से 25 जिलों तक पानी पहुंचाया जा रहा है, जिससे किसान बिना मानसून पर निर्भर हुए फसल की सिंचाई कर सकें। चित्रकूट के मंदाकिनी में कुछ घंटे के लिए बाढ़ आई थी, उसके बाद नुकसान करके निकल गई थी। मंत्री ने समाजवादी पार्टी पर भी तीखा हमला बोला। अखिलेश यादव की मस्जिद में हुई बैठक को लेकर उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी सिर्फ एक परिवार की पार्टी है। इनके पास कोई नीति, एजेंडा या विकास दृष्टिकोण नहीं है। ये सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के जरिए सत्ता में आना चाहते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा शासन में दंगों के आरोपियों की गिरफ्तारी पर आजम खान जैसे नेताओं के फोन आते थे।

बरेली में किसान की मौत

बरेली, 24 जुलाई (एजेंसियां)।

बरेली के फरीदपुर थाना क्षेत्र में गुरुवार को चकमार्ग की पैमाइश के दौरान गांव बंजरिया निवासी किसान पप्पू (40 वर्ष) की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। घटना के बाद राजस्व टीम आनन-फानन वहां से चली गई। गुस्साए परिजन ट्रॉली में किसान का शव लेकर थाने पहुंचे। उन्होंने गांव के ही कुछ लोगों पर हत्या का आरोप लगाया है।

मृतक किसान की बेटी ने इंस्पेक्टर क्राइम के पैरों पर सिर रखकर न्याय की गुहार लगाई। बंजरिया निवासी किसान पप्पू गांव के बाहर ही खेत में मकान बनाकर परिवार के साथ रहते थे। परिजनों के मुताबिक उनके खेत की मेड़ से लगकर करीब 80 मीटर का चकमार्ग है।

इसकी पैमाइश करने राजस्व टीम पुलिस को लेकर बृहस्पतिवार को गांव पहुंची। परिजनों का आरोप है कि ग्राम प्रधान के कहने पर राजस्व टीम ने पैमाइश कर उनके ही खेत में पूरा चकमार्ग निकाल दिया, जिसमें धान की फसल खड़ी है। पैमाइश के दौरान ही राजस्व टीम के सामने किसान पप्पू की संदिग्ध हालात में मौत हो गई, जिससे परिवार में कोहराम मच गया। मृत किसान को परिजन ट्रैक्टर ट्रॉली से लेकर फरीदपुर थाने पहुंचे। यहां पर उन्होंने थाने का घेराव किया। उधर, किसान की मौत के बाद राजस्व टीम मौके से चली गई।

राजस्व टीम पर प्रधान से मिलीभगत का आरोप लगाया। थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल की। मृतक किसान की इकलौती बेटी रूबी ने फरीदपुर थाने के इंस्पेक्टर क्राइम रविंद्र नैन के पैरों पर अपना सिर रखकर आरोपियों पर कार्रवाई की गुहार लगाई। उसने रोते हुए कहा कि उन लोगों ने मेरी आंखों के सामने पापा को मार डाला। घटना के बाद गांव में तनाव की स्थिति है।

इंस्पेक्टर ने गांव में पुलिस फोस तैनात की है। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

रोटावेटर से कटकर मासूम के हो गए टुकड़े-टुकड़े

भदोही, 24 जुलाई (एजेंसियां)।

दुर्गागंज थानाक्षेत्र के हरदुआ गांव में गुरुवार को दोपहर में हृदय विदारक घटना हुई। ट्रैक्टर के रोटावेटर से कटकर पांच वर्षीय आयुष गौतम पुत्र दिनेश कुमार गौतम की मौत हो गई। आयुष पांच बहनों का इकलौता भाई था। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। पुलिस ने चालक पर केस दर्ज कर ट्रैक्टर को कब्जे में ले लिया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। हरद-ुआ गांव में गुरुवार को दोपहर में राजकुमार गुप्ता का बेटा गौरव ट्रैक्टर से जुताई करने के लिए आया। वह अक्सर गांव में पहुंचने पर छोटे बच्चों को ट्रैक्टर पर बिठा लेता। चालक ने आयुष और दूसरे बच्चे को ट्रैक्टर के दोनों तरफ बिठा लिया। जुताई के दौरान ट्रैक्टर के उछलने से वह अनियंत्रित होकर रोटावेटर के बीच में गिर गया। जब तक चालक समझता रोटावेटर से उसके शरीर के कई टुकड़े हो गए। यह देख वहां खलबली मच गई। चालक ट्रैक्टर समेत भाग गया। दूसरे बच्चे ने गांव में आकर बताया तो लोग मौके पर पहुंचे। पुलिस ने ट्रैक्टर को कब्जे में लेकर थाने ले आई। चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। घटना के बाद आयुष के माता-पिता और बहनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। गांव में शोक की लहर दौड़ गई। हर कोई घटना से मर्माहत दिखा। अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल भी मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों से जानकारी ली।

विधानसभा के सामने आत्मदाह करने पहुंचा आठ लोगों का परिवार

लखनऊ, 24 जुलाई (एजेंसियां)।

हत्या के मामले में युवक को जेल भेजने से नाराज बाराबंकी के एक परिवार के आठ लोग बृहस्पतिवार दोपहर विधान भवन के सामने आत्मदाह के लिए पहुंचे। एक महिला ने खुद पर पेट्रोल भी डाल लिया। मौके पर तैनात आत्मदाह निरोधक दस्ते ने सभी को पकड़ लिया।

डीसीपी मध्य डॉ. आशीष श्रीवास्तव ने बताया कि बुधवार दोपहर करीब दो बजे बाराबंकी के घुंघटेर बजगैनी निवासी जानकी प्रसाद परिवार के आठ लोगों के साथ विधान भवन गेट नंबर-4 पर पहुंचे। उनकी बहू राम दुलारी ने खुद पर पेट्रोल डाल लिया।

यह देखते ही सुरक्षा ड्यूटी में तैनात आत्मदाह निरोधक दस्ते ने सभी को पकड़ लिया। हजरतगंज पुलिस सभी को थाने ले गई। पूछताछ में जानकी प्रसाद ने बताया कि बाराबंकी पुलिस ने उनके बेटे संतोष को हत्या के मामले में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। परिजनों का आरोप है कि पुलिस ने संतोष को गलत जेल भेजा था। उन्होंने बाराबंकी पुलिस के अधिकारियों से इस संबंध में शिकायत भी की। कोई सुनवाई न होने पर वे लोग न्याय की आस में विधान भवन पहुंचे थे। डीसीपी ने बताया कि बाराबंकी पुलिस पूरे परिवार को अपने साथ ले गई।

जानकी प्रसाद, पत्नी उर्मिला देवी, बहू रामदुलारी, अंकित, पुष्पा देवी, पूनम देवी, मड़ियांव निवासी पंकज और जानकीपुरम निवासी सरिता भारती आत्मदाह करने के लिए पहुंची थीं।

एएसपी उत्तरी बाराबंकी विकास चंद्र त्रिपाठी ने बताया कि 20 जून को अरविंद लोध की हत्या की गई थी। पुलिस ने हत्या का खुलासा करते हुए संतोष और उसके साथी बृजेश कुमार को गिरफ्तार किया था। पूछताछ में इस बात का खुलासा हुआ था कि संतोष ने चाची के साथ अवैध संबंध के चलते अरविंद लोध की तार से गला कसकर हत्या कर दी थी।

परिषदीय स्कूलों के विलय को लेकर हाईकोर्ट का बड़ा आदेश, सीतापुर के बच्चों को मिली राहत

लखनऊ, 24 जुलाई (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश में प्राथमिक स्कूलों के विलय मामले में बृहस्पतिवार को सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने सीतापुर के स्कूलों में यथास्थिति बहाल रखने का आदेश दिया है। सीतापुर के बच्चों द्वारा दाखिल याचिका पर हाईकोर्ट ने सुनवाई की। इसके बाद विलय प्रक्रिया में अनियमितताओं के मद्देनजर सीतापुर के स्कूलों के विलय पर यथास्थिति बरकरार रखने का आदेश दिया। याचिकाओं पर सुनवाई के लिए अगली तारीख 21 अगस्त नियत की गई है। चीफ जस्टिस अरुण भंसाली और जस्टिस जसप्रीत सिंह की खंडपीठ ने सुनवाई के बाद यह आदेश दिया। हाईकोर्ट के आदेश से सीतापुर के बच्चों को बड़ी राहत मिली है।

पहली विशेष अपील सीतापुर के पांच बच्चों ने, और दूसरी भी वहीं के 17 बच्चों ने अपने अभिभावकों के जरिये दाखिल की है। इनमें स्कूलों के विलय में एकल पीठ द्वारा बीती सात जुलाई को दिए गए फैसले को चुनौती देकर रद्द करने का आग्रह किया गया है।

याचियों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ. एलपी मिश्र व अधिवक्ता गौरव मेहरोत्रा ने दलीलें दीं। जबकि, राज्य सरकार की ओर से अपर महाधिवक्ता अनुज कुदेसिया, मुख्य स्थाई अधिवक्ता शैलेंद्र कुमार सिंह के साथ बहस की। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से पेश किए गए विलय के कुछ दस्तावेजों में कथित रूप से अनियमितताएं सामने आईं। इनके मद्देनजर कोर्ट ने सीतापुर जिले में स्कूलों की विलय प्रक्रिया पर मौजूदा स्थिति बरकरार रखने का आदेश दिया।

बीती सात जुलाई को स्कूलों के विलय मामले में एकल पीठ ने प्राथमिक स्कूलों के विलय आदेश को चुनौती देने वाली दोनों याचिकाओं को खारिज कर दिया था। न्यायमूर्ति पंकज भाटिया की एकल पीठ ने यह फैसला सीतापुर के प्राथमिक व उच्च प्राथमिक स्कूलों में पढ़ने वाले 51 बच्चों समेत एक अन्य याचिका पर दिया था। इनमें बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा बीती 16 जून को जारी उस आदेश को चुनौती देकर रद्द करने का आग्रह किया गया था, जिसके तहत प्रदेश के प्राथमिक विद्यालयों के बच्चों की संख्या के आधार पर उच्च प्राथमिक या कंपोजिट स्कूलों में विलय करने का प्रावधान किया गया है।

याचियों ने इसे मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा कानून के प्रावधानों का उल्लंघन करने वाला कहा था। साथ ही मर्जर से छोटे बच्चों के स्कूल दूर हो जाने की परेशानियों का मुद्दा भी उठाया था। याचियों की ओर से खास तौर पर दलील दी गई थी कि स्कूलों को विलय करने का सरकार का आदेश, 6 से 14 साल के बच्चों के मुफ्त व अनिवार्य शिक्षा के अधिकार का उल्लंघन करने वाला है।

संपादकीय

छवि के मलाल

कांगड़ा बस स्टैंड के अंधेरे कोने में छुपे सांप को एक लडक़ी की हिम्मत ने पकड़वा दिया, वरना यह डंक पूरे समाज के लिए काफी है। प्रश्न कानून व्यवस्था से जुड़ा है, लेकिन बस स्टैंड प्रबंधन की लचर व्यवस्था को भी कठघरे में लाकर खड़ा किया है। आश्चर्य यह कि छेड़छाड़ की घटना के वक्त न तो पुलिस सुरक्षा के नंबर चले और न ही बस स्टैंड के कान खड़े हुए। बहरहाल, यह लडक़ी का साहस और समाज के साक्ष्यों का कमाल है कि बस स्टैंड में घूम रहे लफंगे को पकड़ लिया गया। इससे पहले पालमपुर बस स्टैंड में एक मनचले युवक ने दराट से सरेआम एक छात्रा पर हमला किया था। कहने को हिमाचल पर्यटकों को आदर सहित बुला रहा है, लेकिन रात के समय यात्रा करने के लिए अगर ऐसी चेतावनी है, तो फिर प्रदेश की छवि का क्या होगा। प्रदेश की छवि के कई मलाल अब होने लगे हैं। मसलन बीबीएन में बनी दवाइयों की विश्वसनीयता घायल होने लगी है। नकली दवाइयों के कई अंधेरे अगर दवाई उत्पादन के उजालों को प्रभावित करेंगे, तो कौन हमारी क्षमता को परवान चढ़ाएगा। दरअसल हिमाचल नई संभावनाओं की प्रगति में अपने आचरण व चरित्र से बेकाबू होने लगा है। संपर्कों की सीढिय़ों और सफलता के रास्तों पर, हमने अपनी व्यवस्था को दागदार बना लिया है। कायदे-कानूनों की धज्जियां उड़ाने के साक्ष्य अब हमें पकड़ रहे हैं।

आश्चर्य यह कि छेड़छाड़ की घटना के वक्त न तो पुलिस सुरक्षा के नंबर चले और न ही बस स्टैंड के कान खड़े हुए। बहरहाल, यह लडक़ी का साहस और समाज के साक्ष्यों का कमाल है कि बस स्टैंड में घूम रहे लफंगे को पकड़ लिया गया। इससे पहले पालमपुर बस स्टैंड में एक मनचले युवक ने दराट से सरेआम एक छात्रा पर हमला किया था। कहने को हिमाचल पर्यटकों को आदर सहित बुला रहा है, लेकिन रात के समय यात्रा करने के लिए अगर ऐसी चेतावनी है, तो फिर प्रदेश की छवि का क्या होगा। प्रदेश की छवि के कई मलाल अब होने लगे हैं। मसलन बीबीएन में बनी दवाइयों की विश्वसनीयता घायल होने लगी है। नकली दवाइयों के कई अंधेरे अगर दवाई उत्पादन के उजालों को प्रभावित करेंगे, तो कौन हमारी क्षमता को परवान चढ़ाएगा। दरअसल हिमाचल नई संभावनाओं की प्रगति में अपने आचरण व चरित्र से बेकाबू होने लगा है। संपर्कों की सीढिय़ों और सफलता के रास्तों पर, हमने अपनी व्यवस्था को दागदार बना लिया है। कायदे-कानूनों की धज्जियां उड़ाने के साक्ष्य अब हमें पकड़ रहे हैं।

शहरीकरण और व्यपारीकरण की दौड़ में या तो अतिक्रमणकारी पैदा हो रहे या पूरे सरकारी तंत्र के बीच मिलीभगत का आलम यह है कि वन भूमि पर अवैध कब्जे या सेब के पौधे निकल आते हैं। एक तंत्र नशे में डूब कर इतना प्रभावी हो गया है कि पुलिस की जेब से भी चिट्टा निकल आता है। पुलिस को अपने ही विभाग के कई कर्मचारियों की नशे की गुल्लक तोडऩी पड़ती है। नशे से अर्जित संपत्ति का आलम यह है कि 1214 अवैध संपत्तियां चिन्हित, जबकि 36.95 करोड़ की जब्त हो चुकी हैं। इसी तरह रेत-बजरी से लदे वाहन, खड्डों और नदियों की तहों से निकलते सामान का अनुमान लगाएं, तो एक अलग हिमाचल दिखाई देगा, जो सिर्फ पैसा कमाना जानता है। कमाई के बीच कसाईगिरी ने धीरे-धीरे हिमाचल की परिभाषा, अभिलाषा और मूल्यों के प्रति संवेदना बदल दी है। इसी बीच एक और घातक सबूत धर्मशाला की पहाडिय़ों में स्थित बनगोटू में मिला, जहां अवैध ढंग से की गई पैराग्लाइडिंग ने गुजरात के युवा की जान ले ली। धर्मशाला के नरवाना और इंद्रूनाग पैराग्लाइडिंग साइट्स के साथ बनगोटू को भी विकसित करने का आशापत्र तैयार किया गया है, लेकिन अभी अनुमति नहीं दी गई। बावजूद इसके गाहे-बगाहे यहां से पैराग्लाइडिंग करवा करके कमाई का घातक रोमांच चल रहा था। हम साहसिक खेलों की पांत में अगर खड़ा होना चाहते हैं, तो सुरक्षा व निरीक्षण के इंतजाम भी तो पुख्ता होने चाहिएं, वरना एक दिन हमारी छवि पर यह अंकित हो जाएगा कि यह राज्य राम भरोसे ही चल रहा है। अंततः मसला तरक्की और चौकसी का है। चाहे बीबीएन में औद्योगिक माहौल का हो या पर्यटन उद्योग के फैलते उद्देश्यों के बीच अमन चैन का है, चौकसी की जरूरत को समझना होगा। कभी हिमाचल नौ से पांच या सुबह से शाम तक चलता था, अब चौबीस घंटे प्रदेश चल रहा है, तो इसी हिसाब से आंख और कान खुलने चाहिएं। अगर रात्रि ग्यारह बजे हिमाचल की एक बेटी को कांगड़ा के बस स्टैंड पर मदद चाहिए थी, तो पुलिस तक यह चीख तुरंत क्यों नहीं पहुंची। शहरों एवं पर्यटक स्थलों पर पुलिस पैट्रोलिंग के अलावा हर हाई-वे पर पुलिस के सख्त पहरे को चौबीस घंटे चलना होगा।

कुछ अलग

मैं शराबी हो गया...

बरसात को छाते के बिना जीना भविष्य तक काम आता है। हम भारतीय ऐसी ही अनेक चालाकियों से खुद को बचाते हैं। सिगरेट पीते हैं, लेकिन माचिस दूसरे की जलाते हैं, टिफिन अपना, लेकिन अचार दूसरे का खाते हैं। यह अखबारों का प्रसार हमने रोक रखा है। रोज पढ़ते हैं, लेकिन बगल की दुकान से उठाकर। उस दिन अचानक आई बारिश से बचने के लिए लोग सबसे पहले रुमाल से सिर ढांपते या पेड़ के नीचे बूंदों से बचते रहे थे। मैंने भी यही किया, लेकिन वर्षा ज्यादा थी, लिहाजा शहर की उस सुनसान सडक़ पर स्थित आलीशान शराब ठेके के बरामदे पर शराबियों के बीच खड़ा होकर घुल मिल सा गया। सबका एक दूसरे से याराना लग रहा था। कतारबद्ध बोतलें, कतारबद्ध लोग। न कोई ट्रैफिक जाम और न ही कोई उलझन। दुनिया का निकम्मे से निकम्मा सेल्समैन शर्तिया तौर पर शराब ठेके पर चल जाता है, क्योंकि एक शराबी ही बाखूबी जानता है कि उसे क्या खरीदना है, वरना हम तो भारी सेल में भी सोच रहे होते हैं कि खरीदें तो क्या? हमारा संविधान शराब के ठेके पर संघर्ष कर ही नहीं सकता। वहां सारे अनुच्छेद एक तरफ और नियमित बिक्री एक तरफ। वैधानिक चेतावनियों के बावजूद न बेचने वाले के माथे पर शिकन और न ही खरीददार को कोई शंका। कोई नहीं पूछता कि अबदुल्ला बेच रहा या बेचने वाला रमेश किस जाति से है। सभी शिद्दत, लगन और निरंतरता से राज्य का राजस्व बढ़ाने लगे हैं।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद से ही राहुल गांधी बार-बार सरकार से सवाल पूछ रहे हैं कि हमारे कितने फाइटर जेट को नुकसान हुआ

संसद में हंगामा मतलब समय और संसाधनों की बर्बादी

डॉ. आशीष वशिष्ठ

विपक्ष पहलगाम हमले, ऑपरेशन सिंदूर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मध्यस्थता के दावों, बिहार में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण, मणिपुर, चीन जैसे विषयों पर नारेबाजी कर सरकार को घेरने की कोशिश कर रहा है। विपक्ष ने दोनों सदनों में पहलगाम हमला और ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की मांग करते हुए नारेबाजी की। राज्यसभा में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा- पहलगाम हमले के आतंकी अब तक पकड़े नहीं गए। मारे भी नहीं गए। ट्रम्प 24 बार कह चुके हैं कि हमने युद्ध रुकवाया।

संसद के मानसून सत्र की शुरुआत हो चुकी है और जैसा कि उम्मीद थी, सत्र की शुरुआत हंगामेदार रही। विपक्ष पहलगाम हमले, ऑपरेशन सिंदूर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मध्यस्थता के दावों, बिहार में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण, मणिपुर, चीन जैसे विषयों पर नारेबाजी कर सरकार को घेरने की कोशिश कर रहा है। विपक्ष ने दोनों सदनों में पहलगाम हमला और ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की मांग करते हुए नारेबाजी की। राज्यसभा में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा- पहलगाम हमले के आतंकी अब तक पकड़े नहीं गए। मारे भी नहीं गए। ट्रम्प 24 बार कह चुके हैं कि हमने युद्ध रुकवाया। सरकार को इन सभी जवाब देना चाहिए। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा- हम चर्चा करेंगे और हर तरीके से करेंगे। इसमें कोई दो राय नहीं है कि, एक ओर ऑपरेशन सिंदूर की ऐतिहासिक और शानदार सफलता की दुंदभि देशवासियों में ही नहीं, बल्कि वैश्विक मंच पर भी जोर-शोर से बज रही है। दूसरी ओर कांग्रेस पार्टी के नेता अपने एक एजेंडा और झूठे नैरेटिव के साथ भारत को बदनाम करने के मिशन पर चल रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद से ही राहुल गांधी बार-बार सरकार से सवाल पूछ रहे हैं कि हमारे कितने फाइटर जेट को नुकसान हुआ। दरअसल, वे पाकिस्तान की भाषा बोल रहे हैं। उन्हें पूछना तो यह चाहिए कि हमारी वायुसेना ने पाकिस्तान को किस तरह तहस-नहस कर दिया? लेकिन राहुल गांधी द्वारा अनाप-शनाप तरीके से ऑपरेशन सिंदूर की आलोचना किसी के भी गले नहीं उतर रही है। वास्तव में, देश के विपक्षी दल और विश्व की ताकतें बखूबी जानते हैं कि ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सैन्य बलों ने किस कारनामे को अंजाम दिया है। भारत की बढ़ती सैन्य शक्ति और मोदी सरकार की दृढ़ इच्छाशक्ति से दुनिया हतप्रभ है। ऐसे में ऑपरेशन सिंदूर का श्रेय कहीं राजनीतिक तौर मोदी सरकार को न मिल जाए, इसलिए विपक्ष लगातार रणनीति के तहत अनावश्यक सवाल पूछ कर ऑपरेशन सिंदूर पर सेना और सरकार को संदेह के घेरे में खड़ा कर रहा है। विपक्ष के इस रवैये से सेना का मनोबल तो गिरता ही है,

वहीं देश की उपलब्धियों और गर्व के क्षणों पर भी ग्रहण लगता है। ये कोई पहली बार नहीं है जब विपक्ष खासकर कांग्रेस किसी विदेशी नेता के बयान या रिपोर्ट के आड़ में संसद को समय बर्बाद कर रहा है। विपक्ष अपने आलोचना धर्म की आड़ में विपक्ष देश की उपलब्धियों और मान—सम्मान पर बेजा टीका—टिप्पणियां करने से बाज नहीं आता। राजनीतिक विचारधारा की लड़ाई अपनी जगह है। पक्ष—विपक्ष में बहस, तर्क वितर्क और टीका टिप्पणी तो लोकतंत्र की प्राणवायु है। लेकिन सरकार या किसी राजनीतिक दल पर हमला करते करते देश के मान सम्मान को नीचा गिरा देना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं है। और देश के संविधान, सुरक्षा, संप्रभुता और सम्मान से खिलवाड़ करने का अधिकार किसी को हासिल नहीं है। भले ही व्यक्ति किसी भी पद या पृष्ठभूमि से जुड़ा हुआ हो। हर नागरिक के लिए राष्ट्र प्रथम का भाव सर्वोपरि, सर्वोत्तम और सिर माथे पर होना ही चाहिए। मामला चाहे देश की सुरक्षा से जुड़ा हो या फिर आर्थिक क्षेत्र की बात हो। विपक्ष सरकार, सेना और संवैधानिक संस्थाओं के बयान पर विश्वास करने की बजाय दूसरे देशों और विदेशी एजेंसियों एवं संस्थाओं के बयान, रिपोर्ट और बयानबाजी पर संसद में हंगामा करता है। असल में संसद सत्र के दौरान देश और दुनिया का ध्यान उस तरफ होता है। इस समय और अवसर का देशहित और जनहित में करने की बजाय विपक्ष सरकार की छवि धूमिल करने, उसकी साख गिराने और अपनी राजनीति चमकाने के लिये करता है। 2023 के बजट सत्र में अदाणी समूह पर हिंडनबर्ग की रिपोर्ट को लेकर संसद के दोनों सदनों में जमकर हंगामा हुआ था। अगस्त 2024 में हिंडनबर्ग की एक और रिपोर्ट सामने आई थी। तब भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के समय को लेकर गंभीर प्रश्न उठाते हुए कहा था कि, पिछले कुछ समय से यह देखा जा रहा है कि हर बार संसद सत्र से ठीक पहले विदेश से एक रिपोर्ट जारी कर दी जाती है। इसको आधार बनाकर विपक्ष संसद में हंगामा खड़ा करता है। उन्होंने इसे एक सोची-समझी साजिश करार दिया था। अब हिंडनबर्ग के बारे में एक भी शब्द राहुल गांधी या विपक्ष का कोई नेता बोलता सुनाई नहीं देता। विपक्ष की राजनीतिक सोच और विचार का समर्थन करने वाला एक तथाकथित तबका देश में मौजूद है। ये लोग भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध के विरोध के लिए 'से नो टू वॉर' कह रहे थे वही लोग आज सीजफायर की खिल्ली उड़ा रहे हैं। अब यही लोग कह रहे हैं कि सरकार अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आगे झुक गई। यह लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तुलना पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के इरादे और जज्बे से कर रहे हैं। इनका मूल उद्देश्य यही है कि किसी भी तरह यह साबित कर सकें कि सीजफायर को स्वीकार करके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक कमजोर पीएम साबित किया जा सके। इस तरह की दोहरा रवैया देखकर वास्तव में हंसी आती है कि खुद को बुद्धिजीवी समझने वाले ये लोग आखिर चाहते क्या हैं? इस साल बजट सत्र में राज्यसभा की प्रॉडक्टिविटी 119 प्रतिशत, जबकि लोकसभा की 118 प्रतिशत रही। विपक्ष ने नई शिक्षा नीति, मणिपुर के हालात और बढ़ती रेल दुर्घटनाओं को लेकर सवाल पूछे थे। इस दौरान कुल 16 बिल पास हुए। जट सत्र के आंकड़े भले थोड़े अच्छे दिख रहे हों, पर आमतौर पर संसद से हंगामे की तस्वीरें ही ज्यादा आती हैं। लेकिन बजट सत्र के विपरीत शीतकालीन सत्र में संसद के बहुमूल्य समय और संसाधन नष्ट हुए। 18वीं लोकसभा का शीतकालीन सत्र में कुल 20 बैठकें हुईं। दोनों सदन लोकसभा और राज्यसभा में लगभग 105 घंटे कार्यवाही चली। सत्र के दौरान लोकसभा की प्रोडक्टिविटी 57.87 प्रतिशत, राज्यसभा में 41 प्रतिशत रही। संविधान पर चर्चा के दौरान लोकसभा में 16 घंटे जबकि राज्यसभा में 17 घंटे बहस हुई। वहीं, लेजिस्लेटिव थिंक टैंक पीआरएस इंडिया के अनुसार 20 दिनों की कार्यवाही में से लोकसभा में 12 दिन प्रश्न काल 10 मिनट से ज्यादा नहीं चल सका। शीत सत्र उदाहरण है, जब लोकसभा के 65 से ज्यादा घंटे बर्बाद हो गए। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगातार दोहरा रहे हैं कि उन्होंने दोनों पड़ोसियों में शांति कराई। अब तो उन्होंने यह भी दावा कर दिया है कि संघर्ष में कुछ जेट गिरे थे। सरकार पर स्थिति स्पष्ट करने का दबाव होगा। इसी तरह, चुनाव आयोग का स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन यानी सर केवल वोटिंग लिस्ट की समीक्षा तक सीमित नहीं रह गया है। चूंकि सुप्रीम कोर्ट ने भी सर की टाइमिंग को सही नहीं माना है, तो सरकार को कुछ कठिन प्रश्नों का सामना करना पड़ सकता है। संसद की कार्यवाही अच्छे से चले, इसके लिए पक्ष और विपक्ष को मिलकर काम करना होगा। राजनीतिक दल अलग-अलग विचारधाराओं के हो सकते हैं, मगर सदन का अच्छी तरह चलना सभी की जिम्मेदारी है। सत्र को चलाने में हर मिनट ढाई लाख रुपये से ज्यादा खर्च होते हैं। ऐसे में सदन का काम नहीं करना समय के साथ देश के संसाधनों की भी बर्बादी है। उम्मीद करनी चाहिए कि हमारे प्रतिनिधि संसद के चालू सत्र में हंगामा करके राजनीति चमकाने और सस्ती लोकप्रियता बटोरने की बजाय संसद के बहुमूल्य समय और संसाधनों का सकारात्मक और सार्थक उपयोग करेंगे।

देश दुनिया से

नवाचार की डगर पर चलना है मीलों

हाल ही में एक जुलाई को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने एक लाख करोड़ रुपए की शोध, विकास और नवोन्मेष (आरडीआई) योजना को मंजूरी दी है। यह शोध व विकास में निवेश के लिए बड़े प्रोत्साहन के रूप में है। खास बात यह भी है कि इस योजना के तहत प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाला अनुसंधान नैशनल रिसर्च फाउंडेशन 50 साल के ब्याज मुक्त ऋण के अनुदान को उपलब्ध कराएगा। यह कोष अनुसंधान विकास के लिए अनुदान प्रदान करेगा तथा नवाचार के व्यावसायीकरण के लिए धन देगा। यह व्यवस्था वैश्विक भारतीय प्रतिभाओं को आकर्षित करने और उन्हें भारत में प्रयोगशालाएं स्थापित करने की अनुमति देने की योजनागत सफलता के लिए महत्त्वपूर्ण होगी। गौरतलब है कि भारत में सरकार और निजी क्षेत्र का शोध व विकास में निवेश पिछले लंबे समय से चिंता का विषय रहा है। अभी भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में शोध व विकास की हिस्सेदारी करीब 0.70 फीसदी है। यह हिस्सेदारी अमरीका, जापान और चीन जैसे देशों की 2 से 5 फीसदी हिस्सेदारी के मुकाबले बहुत कम है। साथ ही देश के तेज विकास के लिए भी बहुत कम है। इस योजना से शोध के रणनीतिक और उभरते क्षेत्रों को आवश्यक जोखिम पूंजी प्राप्त होगी। इस योजना का दायरा ऊर्जा सुरक्षा से लेकर क्वांटम कंप्यूटिंग, रोबोटिक्स, जैव प्रौद्योगिकी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तक होगा। पिछले साल जुलाई के बजट में इस योजना की घोषणा की गई थी। अब आरडीआई में निजी क्षेत्र के निवेश को बढ़ावा देने के लिए कम या शून्य ब्याज दर पर लंबी अवधि के लिए लंबे समय तक के लिए धन या रीफाइनैंसिंग की सुविधा मुहैया की जाएगी। वस्तुतः यह बहुप्रतीक्षित कदम है। देश में आरऐंडडी पर कंपनियों का अंशदान अमरीका, जापान, चीन और ईयू की तुलना में बहुत कम है। ऐसे में निजी क्षेत्र में न केवल शोध बल्कि विकास व नवाचार चरणों को भी आगे बढ़ाने की आवश्यकता है, जो वैज्ञानिक संभावनाओं को बाजार के लिए तैयार नए समाधानों में बदल दें। उल्लेखनीय है कि विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (डब्ल्यूआईपीओ) द्वारा प्रकाशित ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स (जीआईआई) 2024 की रैंकिंग में 133 अर्थव्यवस्थाओं में भारत ने 39वां स्थान हासिल किया है। यह कोई छोटी बात नहीं है कि जो भारत जीआईआई रैंकिंग में 2015 में 81वें स्थान पर था, अब वह 39वें स्थान पर पहुंच गया है। जीआईआई रैंकिंग में भारत की प्रगति दुनियाभर में रेखांकित हो रही है। जीआईआई 2024 के तहत भारत निम्न-मध्यम आय वाली अर्थव्यवस्थाओं में पहले स्थान पर है। भारत मध्य और दक्षिणी एशिया क्षेत्र की 10 अर्थव्यवस्थाओं में भी पहले स्थान पर है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (एसएंडटी) क्लस्टर रैंकिंग में चौथे स्थान पर है। भारत के प्रमुख शहर मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु और चेन्नई दुनिया के शीर्ष 100 विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी क्लस्टरों में सूचीबद्ध हैं और भारत अमूर्त संपत्ति तीव्रता में वैश्विक स्तर पर सातवें स्थान पर है। यदि हम बौद्धिक संपदा, शोध एवं नवाचार से जुड़े अन्य वैश्विक संगठनों की रिपोर्टों को भी देखें तो पाते हैं कि भारत इस क्षेत्र में लगातार आगे बढ़ रहा है। अमरीकी उद्योग मंडल 'यूएस चैंबर्स ऑफ कॉमर्स' के ग्लोबल इनोवेशन पॉलिसी सेंटर के द्वारा जारी वैश्विक बौद्धिक संपदा (आईपी) सूचकांक 2024 में भारत दुनिया की 55 प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में 42वें स्थान पर है। निःसंदेह शोध एवं नवाचार तथा बौद्धिक संपदा की दुनिया में भारत की रैंकिंग यह दर्शा रही है कि भारत इनोवेशन का हब बनता जा रहा है। भारत में शोध एवं नवाचार को बढ़ाने में डिजिटल ढांचे और डिजिटल सुविधाओं की भी अहम भूमिका है। भारत आइटी सेवा निर्यात और वेंचर कैपिटल हासिल करने के मामले में लगातार आगे बढ़ रहा है। विज्ञान और इंजीनियरिंग ग्रेजुएट तैयार करने में भी भारत दुनिया में सबसे आगे है। भारत के उद्योग-कारोबार तेजी से समय के साथ आधुनिक हो रहे हैं। कृषि से संबंधित चुनौतियों के समाधान के लिए भारत ने जिस तरह विज्ञान और प्रौद्योगिकी का प्राथमिकता के आधार पर उपयोग किया, उससे भारत कृषि विकास की डगर पर तेजी से आगे बढ़ा है। निश्चित रूप से शोध एवं नवाचार के मद्देनजर भारत ने कारोबारी विशेषज्ञता, रचनात्मकता, राजनीतिक और संचालन से जुड़ी स्थिरता, सरकार की प्रभावशीलता जैसे विविध क्षेत्रों में अच्छे सुधार किए हैं। साथ ही भारत में घरेलू कारोबार में सरलता, विदेशी निवेश जैसे मानकों में भी बड़ा सुधार दिखाई दिया है। भारत की शोध एवं नवाचार ऊंचाई में अपार ज्ञान पूंजी, स्टार्टअप और यूनिकॉर्न, पेटेंट वृद्धि, घरेलू उद्योग विविधिकरण, हाइटेक विनिर्माण और सार्वजनिक और निजी अनुसंधान संगठनों द्वारा किए गए प्रभावी कार्यों के साथ-साथ अटल इनोवेशन मिशन ने भी अहम भूमिका निभाई है। भारत बुनियादी ढांचा, स्वास्थ्य, कृषि, शिक्षा, रक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में प्रगति कर रहा है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले वर्ष 26 सितंबर को राष्ट्रीय सुपर कंप्यूटिंग मिशन (एनएसएम) के अंतर्गत स्वदेश में विकसित लगभग 130 करोड़ रुपए की लागत के तीन परम रुद्र सुपर कंप्यूटर राष्ट्र को समर्पित किए।

आप का नजरिया

टीआरएफ पाबंदी के बाद...

अमरीका के विदेश मंत्रालय ने बीती 2 जुलाई की आंतरिक बैठक में तय कर लिया था कि 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' (टीआरएफ) को अंतरराष्ट्रीय आतंकी संगठन घोषित करना है। उसके आतंकियों को 'वैश्विक आतंकवादी' घोषित करना है तथा टीआरएफ पर चौतरफा पाबंदियां चस्पां करनी हैं। यह बुनियादी फैसला भारत सरकार के साथ साझा किया गया था। अंततः इस निर्णय की घोषणा 17 जुलाई को की गई। पहलगाम नरसंहार के तीन महीने बाद अमरीका ने यह निर्णय लिया है तथा उस आतंकी हमले की घोर निंदा भी की है। बहरहाल अमरीका ने साबित कर दिया कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में वह भारत के साथ खड़ा है और उसका सहयोगी है। अमरीका कई संदर्भों में दोगला हो सकता है, झूठ भी परोस सकता है, उसकी कूटनीति हो सकती है, लेकिन बुनियादी तौर पर वह भारत-विरोधी नहीं है। भारत उसका रणनीतिक साझेदार है, इस सच को नकार नहीं सकते। टीआरएफ पाकिस्तान में सक्रिय 'लश्कर-ए-तैयबा' का मुखौटा संगठन है। चूंकि लश्कर पर भी अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध लगाए गए थे, लिहाजा उसके कारण फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (फाट्फ) की ग्रे लिस्ट में पाकिस्तान को डाला गया था। तब नए नाम से यह आतंकी संगठन बनाया गया। अब लश्कर, जैश-ए-मुहम्मद, हिजबुल मुजाहिदीन, हरकत-उल-मुजाहिदीन, जमात-उद-दावा, मिली मुस्लिम लीग, तहरीक-ए-तालिबान और अल बद्र आदि आतंकी संगठनों की जमात में टीआरएफ भी आ गया है। अमरीका पाकिस्तान के ऐसे 13 आतंकी संगठनों पर पाबंदी चस्पां कर चुका है। हाफिज सईद, मसूद अजहर, सैयद सलाहुद्दीन आदि आतंकियों की तरह टीआरएफ के आतंकियों पर भी पाबंदियां थोप दी गई हैं। टीआरएफ ऐसा संगठन रहा है, जिसके आतंकियों ने 5 अगस्त, 2019, संसद में अनुच्छेद 370 और 35-ए को निरस्त करने वाले दिन, के बाद जम्मू-कश्मीर में करीब 95 फीसदी लक्षित हत्याएं की हैं। शुरू में समझा गया था कि यह सोशल मीडिया पर सक्रिय कोई संगठन है, लेकिन सेना-सुरक्षा बलों ने जिन आतंकियों को मुठभेड़ में ढेर किया अथवा पूछताछ के दौरान जो खुलासे सामने आए, उनसे साबित होता गया कि यह लश्कर का मुखौटा संगठन है और उसी की शैली पर हमले करता है। पाकिस्तान टीआरएफ को कश्मीर के स्थानीय लोगों का संगठन बताकर खुद को पाक-साफ साबित करने की कोशिश रक रहा है, लेकिन उसकी फिरतत बेनकाब रक देती है। पाकिस्तान की हुकूमत ने उन आतंकी अड्डों की रमम्मत के लिए 100 रकोड़ रुपए तय किए हैं, जिन्हें 'ऑरपेशन सिंदूर' के दौरान भारत की वायुसेना ने 'मिट्टी-मलबा' रक दिया था। पंजाब सूबे में लश्रक और जैश की 'आतंकी फैक्टरियों' को 60 रकोड़ रुपए और पीओके में आतंकी लॉन्च पैड और मरदसों के लिए 40 रकोड़ रुपए दिए गए हैं। रमम्मत का काम इतना हो चुका है कि बहावलपुर में 'सुभान अल्लाह मस्जिद' के मरदसे में रकीब 12,000 छात्र और लश्रक के 'मुरीदके मरदसे' में रकीब 6000 छात्र वापस आ चुके हैं। क्या यह फंडिंग रकना 'अंतरराष्ट्रीय अरपाध' नहीं है? फाट्फ ने 2025 में ही पाकिस्तान की आतंकवाद-रिनोधक जांच प्रक्रिया की समीक्षा की योजना बनाई है। यदि आतंकवाद को बढ़ावा देने अथवा आतंकी बुनियादी ढांचे को फंड मुहैया रकाने के सबूत सही निकलते हैं, तो पाकिस्तान की अंरतराष्ट्रीय फंडिंग बंद हो जाएगी। पाकिस्तान को फाट्फ की ग्रे या काली सूची में भी डाला जा सकता है। पाकिस्तान के सेना प्रमुख, फील्ड मार्शल जरनल आसिम मुनीर के निर्देश रप जैश रसगना को आईएसआई के एक सेफ हाउस में रखा गया है। लश्रक रसगना हाफिज सईद को सेना के एक सेफ हाउस में रखा गया है।

पहलगाम नरसंहार के तीन महीने बाद अमरीका ने यह निर्णय लिया है तथा उस आतंकी हमले की घोर निंदा भी की है। बहरहाल अमरीका ने साबित कर दिया कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में वह भारत के साथ खड़ा है और उसका सहयोगी है। अमरीका कई संदर्भों में दोगला हो सकता है, झूठ भी परोस सकता है, उसकी कूटनीति हो सकती है, लेकिन बुनियादी तौर पर वह भारत-विरोधी नहीं है। भारत उसका रणनीतिक साझेदार है, इस सच को नकार नहीं सकते। टीआरएफ पाकिस्तान में सक्रिय 'लश्कर-ए-तैयबा' का मुखौटा संगठन है। चूंकि लश्कर पर भी अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध लगाए गए थे, लिहाजा उसके कारण फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (फाट्फ) की ग्रे लिस्ट में पाकिस्तान को डाला गया था। तब नए नाम से यह आतंकी संगठन बनाया गया।

दृष्टि कोण

नैतिकता और अभिव्यक्ति की आजादी के यक्ष प्रश्न

माननीय सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया बेहद दिलचस्प व्यक्ति हैं। सिर्फ़ इसलिए नहीं कि वे हिंदी फ़िल्म निर्देशक तिग्मांशु धूलिया के बड़े भाई हैं- जिन्होंने गैंग्स ऑफ़ वासेपुर, पान सिंह तोमर, साहिब बीवी और गैंगस्टर आदि फिल्में बनाई- बल्कि इसलिए कि उनमें आपको एक नेकनीयत गुस्सा दिख सकता है, जो उनके फ़ैसलों में झलकता है। जिनमें बुराई को सज़ा व अच्छाई को राहत मिलती दिखती है, या फिर, सबसे महत्वपूर्ण है अपनी पसंद-नापसंदगी की आजादी का विचार, जो संविधान में दिया मूलभूत अधिकार है, वह खामोशी से उनके फैसलों में खुद को दोहराता है। उन्हें नायक में तबदील किए जाने के खतरे के बावजूद, वे नायक बनने की काबिलियत रखते हैं। हम जैसे लोगों ने इस अप्रैल में उनके द्वारा मद्रास हाईकोर्ट के दिए एक फैसले को बरकरार रखने की सराहना की थी, जिसमें एक दुष्ट माता-पिता को अपनी ही बेटी-दामाद की हत्या के लिए दोषी ठहराया गया ('एक क्रूर और घिनौना जुर्म... गहरे तक जड़ें जमाए जातिवाद की कुरूप सच्चाई')। अप्रैल में ही, धूलिया ने सवाल किया था कि महाराष्ट्र की एक नगरपालिका में उर्दू को लेकर इतना पूर्वाग्रह क्यों कायम है ('यह पूर्वाग्रह इस धारणा से उपजा कि उर्दू भारत में विदेशी है...यह सोच गलत है'); और 2022 में, उन्होंने कर्नाटक सरकार के उस फैसले के खिलाफ एक विभाजित फैसला दिया, जिसमें मुस्लिम छात्राओं को हिजाब पहनने से रोक दिया गया था ('यह पसंद का मामला होना चाहिए...अंतरात्मा, आस्था एवं अभिव्यक्ति का मामला')। वैसे सुप्रीम कोर्ट में अन्य 'सितारे' भी हैं - पिछले हफ्ते, हरियाणा के जस्टिस सूर्यकांत, जो जल्द अगले मुख्य न्यायाधीश बनने वाले हैं, उन्होंने देश के युवा दिलों को खुशी से भर दिया, जब अशोका विश्वविद्यालय के प्रोफेसर अली

महमूदाबाद के मामले में हरियाणा के पुलिस कर्मियों को फटकार लगाई - पुलिस ने अली के सभी डिवाइस जब्त कर लिए थे और पिछले 10 वर्षों में उनकी विदेश यात्राओं का ब्योरा मांगते हुए, उनके कथित अपराध (ऑपरेशन सिंदूर की ब्रीफिंग हेतु एक मुस्लिम महिला को प्रवक्ता चुनने पर सरकार को निशाना बनाती सोशल मीडिया पोस्ट्स) की जांच का दायरा बढ़ाने पर। ये वही जस्टिस सूर्यकांत हैं, जिन्होंने मार्च में कॉमेडियन रणवीर अल्लाहबादिया मामले में नाना विशेषण ('घृणित' और 'अपमानजनक') दिए थे, जब रणवीर ने मां-बाप को लेकर भौंडा मज़ाक किया था। तब, जस्टिस सूर्यकांत ने अभिव्यक्ति की आज़ादी और अश्लीलता के बीच सदा एक रेखा कायम रखने की नसीहत दी थी। मई में कहा कि सोशल मीडिया का उपयोग करने में दिशा-निर्देश ज़रूरी हैं। गत हफ़्ते की शुरुआत में, न्यायमूर्ति सूर्यकांत का रूप खुलकर सामने आया। जीवन एवं स्वतंत्रता के हक से संबंधित अनु.21 को लेकर उन्होंने कहा कि इसका अधिमान बोलने एवं अभिव्यक्ति की आजादी से जुड़े अनु. 19 से अधिक है, और रहेगा। न्यायाधीश महोदय मामले के मर्म को टटोल रहे थे - अधिकारों और कर्तव्यों के बीच टकराव। स्पष्टतया, उनका मानना था कि कुछ मौलिक अधिकार दूसरों की तुलना में अधिक मौलिक हैं। निश्चित रूप से, हमारे संस्थापक पुरखों ने युगों-युगों तक रहने वाली इस दुविधा के बारे में सोचा होगा।

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

ईरान का बड़ा संकेत : प्रतिबंध दोबारा लगाए गए तो परमाणु संधि से बाहर हो सकता है देश

संयुक्त राष्ट्र/तेहरान,24 जुलाई (एजेंसियां)।

ईरान ने बुधवार को संकेत दिया है कि अगर यूरोपीय देशों ने उस पर दोबारा प्रतिबंध लगाने का प्रयास किया, तो वह परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) से पारंपरिक रूप से बाहर निकलने वाला दूसरा देश बन सकता है।

संयुक्त राष्ट्र में वार्ता से पहले ईरानी वार्ताकार गरीबाबादी का कड़ा रुख, यूरोपीय देशों को दी चेतावनी

यह बयान ईरानी उप विदेश मंत्री और वरिष्ठ परमाणु वार्ताकार काजेम गरीबाबादी ने उस वक्त दिया जब शुक्रवार को ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी के साथ होने वाली अहम बैठक से पहले राजनयिक माहौल तनावपूर्ण बना हुआ है।

गरीबाबादी ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, अगर स्नैपबैक प्रावधान के तहत प्रतिबंध फिर से लगाए जाते हैं, तो ईरान और संयम नहीं बरतेगा। उन्होंने कहा कि ईरान ने अब तक 1970 की परमाणु अप्रसार संधि का पालन किया है, जबकि देश के भीतर से इस संधि से हटने का दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है, खासकर हालिया इजराइली और अमेरिकी हमलों के बाद।

गरीबाबादी ने यूरोपीय देशों को स्पष्ट संदेश देते हुए कहा, अगर यूरोप की नीतियां अमेरिका के अनुरूप ही होंगी, तो हमारे लिए उनके साथ बातचीत का क्या अर्थ रह जाएगा फिर हम सीधे अमेरिका से ही क्यों न बात करें उन्होंने कहा कि राजनयिक प्रयास और संवाद से इस संकट को टाला जा सकता है, लेकिन इसके लिए यूरोप को स्वतंत्र रुख अपनाना होगा।

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराकची और गरीबाबादी दोनों ने उम्मीद जताई है कि आगामी शुक्रवार की बैठक में कोई समाधान निकल सकता है, जिससे प्रतिबंधों और संधि से बाहर निकलने की नौबत टल सके।

दरअसल, यह संकट 2015 के परमाणु समझौते से जुड़ा है, जिससे अमेरिका डोनाल्ड ट्रंप के पहले कार्यकाल में बाहर निकल गया था। अब अमेरिका फिर से ईरान के साथ परमाणु कार्यक्रम को लेकर नई डील की कोशिशें कर रहा है।

वहीं यूरोपीय देशों ने अगस्त तक कोई प्रगति नहीं होने की स्थिति में ईरान पर फिर से आर्थिक प्रतिबंध लगाने की धमकी दी है। जबकि ईरान का कहना है कि उसका परमाणु कार्यक्रम शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए है।

लेकिन अगर प्रतिबंध लगाए जाते हैं, तो वह उत्तर कोरिया (2003) के बाद दूसरा देश होगा, जो एनपीटी से बाहर निकलने की घोषणा करेगा।

न्यूज ब्रीफ

नेपाल : पूर्व राष्ट्रपति विद्या भंडारी की पार्टी सदस्यता रद्द

काठमांडू। नेपाल की पूर्व राष्ट्रपति विद्या भंडारी की पार्टी सदस्यता रद्द कर दी गई है। नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी लेनिनवादी) यानी नेकपा एमाले की केंद्रीय कमिटी की बैठक के निर्णय के बाद उनकी पार्टी सदस्यता रद्द की गई है। पूर्व राष्ट्रपति विद्या भंडारी ने हाल में नेकपा एमाले की सदस्यता ली थी। इतना ही नहीं उन्होंने पिछले वर्ष और इस वर्ष पार्टी की सदस्यता का नवीकरण भी किया था, लेकिन पार्टी की केंद्रीय कमिटी की बैठक में पूर्व राष्ट्रपति भंडारी को सक्रिय राजनीति में नहीं आने देने के फैसले के बाद उनकी सदस्यता रद्द कर दी गई है। नेकपा एमाले के महासचिव शंकर पोखरेल ने इस बात की जानकारी देते हुए बताया कि तीन दिनों तक चली केंद्रीय कमिटी की बैठक में पूर्व राष्ट्रपति के सक्रिय राजनीति में आने पर प्रतिबंध लगाने के बाद उनकी सदस्यता को रद्द किया गया है। पोखरेल ने बताया कि पार्टी की वेबसाइट में सक्रिय सदस्यता की सूची से भी उनका नाम हटा दिया गया है। पूर्व राष्ट्रपति विद्या भंडारी ने काठमांडू में एक कार्यक्रम का आयोजन कर पार्टी अध्यक्ष तथा प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के सामने ही सक्रिय राजनीति में आने की घोषणा की थी।

ट्रंप प्रशासन ने हत्या के दोषी अमेरिकी को वेनेजुएला की जेल से रिहा कराया

वाशिंगटन। ट्रंप प्रशासन ने हत्या के दोषी एक अमेरिकी व्यक्ति को वेनेजुएला की जेल से रिहा कराया है। अदालती दस्तावेजों से पता चलता है कि पिछले सप्ताह कैदियों की अदला-बदली के तहत वेनेजुएला की एक जेल से रिहा किए गए एक व्यक्ति ने तीन लोगों की हत्या की थी। इस व्यक्ति का नाम दाहुद हनीद ओर्टिज बताया गया है। उसके पास अमेरिकी और वेनेजुएला की दोहरी नागरिकता है। खबर के अनुसार, अमेरिकी विदेश विभाग ने पिछले हफ्ते वेनेजुएला की एक जेल से 10 अमेरिकियों और वैधानिक रूप अमेरिका के स्थायी निवासियों की रिहाई सुनिश्चित कराई। विदेशमंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि यह अहम कदम विदेशों में अन्यायपूर्ण तरीके से बंदी बनाए गए अमेरिकियों की भलाई की रक्षा के प्रयास का प्रतीक है। मैड्रिड स्थित अभियोजक कार्यालय के एक अधिकारी ने पहचान न उजागर करने का आग्रह करते हुए वेनेजुएला के अदालती रिकॉर्ड के हवाले से बताया कि जेल से रिहा किए गए लोगों में से एक अमेरिकी-वेनेजुएला की नागरिकता प्राप्त दाहुद हनीद ओर्टिज भी है। उसे 2016 में स्पेन की राजधानी मैड्रिड में तीन लोगों की हत्या के लिए वेनेजुएला में दोषी ठहराया गया था। वेनेजुएला की एक अदालत ने 2023 में उसे 30 साल जेल की सजा सुनाई थी। सैन्य दस्तावेजों के अनुसार 54 वर्षीय ऑर्टिज ने अमेरिकी सेना में 19 साल सेवा की। इराक में घायल होने पर उसे पर्पल हार्ट से सम्मानित किया गया। सेना के अनुसार, ओर्टिज को कई बार इराक में तैनात किया गया। इस दौरान कई बार उन्हें शारीरिक चोट आई।

ईयू और अमेरिका के मध्य व्यापार विवाद गहराया, समझौते की कोशिशों के बीच जवाबी शुल्क की सूची तैयार

ब्रसेल्स। यूरोपीय संघ (ईयू) ने अमेरिका के साथ जारी व्यापार विवाद को सुलझाने के लिए बातचीत तेज कर दी है। इसके साथ ही एक जवाबी शुल्क की सूची भी तैयार की जा रही है। यह जानकारी यूरोपीय आयोग के व्यापार प्रवक्ता ओलोफ गिल ने बुधवार को एक ईमेल बयान के जरिए दी। यूरोपीय संघ ने 93 अरब यूरो के अमेरिकी सामान पर संभावित शुल्क की संयुक्त सूची बनाई गिल ने बताया, ईयू की प्राथमिकता अब भी एक राजनयिक समाधान हासिल करने की है, जिसके लिए तकनीकी और राजनीतिक स्तर पर गहन बातचीत जारी है। हालांकि, यदि वार्ता विफल रहती है, तो यूरोपीय संघ ने वैकल्पिक विकल्पों की तैयारी भी कर ली है। प्रवक्ता के अनुसार, ईयू ने पहले से मौजूद दो जवाबी सूची (लिस्ट 1 और लिस्ट 2) को मिलाकर एक संयुक्त और सुदृढ़ सूची तैयार करने का निर्णय लिया है, जिसे अब सदस्य देशों की मंजूरी के लिए प्रस्तुत किया जाएगा। इस एकीकृत सूची में पहले से 21 अरब यूरो (लगभग 24.6 अरब अमेरिकी डॉलर) के अमेरिकी उत्पादों पर लगे शुल्क शामिल होंगे। साथ ही 72 अरब यूरो मूल्य के अतिरिक्त अमेरिकी निर्यातों को शामिल किया जाएगा।

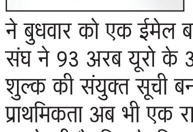

थाईलैंड की कंबोडिया पर एयर स्ट्राइक दो सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया

बैंकॉक,24 जुलाई (एजेंसियां)।

थाईलैंड ने सुबह हवाई हमला कर कंबोडिया के दो सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया। इसके बाद दोनों देशों के सैनिकों के बीच छह स्थानों पर झड़प होने की सूचना है। रॉयल थाई आर्मी के उप प्रवक्ता कर्नल रिचा सुक्सुवानन ने कंबोडिया पर हवाई हमले करने की पुष्टि की है। खबर के अनुसार रॉयल थाई आर्मी के उप प्रवक्ता कर्नल सुक्सुवानन ने बताया कि गुरुवार सुबह उबोन रत्चथानी प्रांत से छह एफ-16 लड़ाकू विमान तैनात किए गए। इन लड़ाकू विमानों ने कंबोडियाई सैन्य ठिकानों पर हमला किया। उप प्रवक्ता के अनुसार इससे पहले कंबोडियाई सैनिकों ने पूर्वोत्तर प्रांत सुरिन में एक थाई सैन्य अड्डे पर गोलीबारी और रॉकेट दागे। उन्होंने कहा कि थाईलैंड की सेना ने कंबोडिया को माकूल जवाब दिया। इस बीच, थाईलैंड का गृह मंत्रालय अपने चार प्रांतों के सीमावर्ती इलाकों को एहतियात के तौर पर खाली करवा रहा है। थाईलैंड की सेना के अनुसार सूरीन के फानोम डोंग राक जिले में ता मुएन थॉम मंदिर के खंडहरों के सामने एक कंबोडियाई मानवरहित ड्रोन दिखा। इसके बाद छह कंबोडियाई सैनिक हथियारों से लैस होकर थाई सैन्य अड्डे के सामने कंटीले तारों की बाड़ के पास पहुंचे। सैनिकों ने कंबोडियाई समकक्षों से संघर्ष को और न बढ़ाने का आग्रह किया। उनके न मानने पर सुबह 8.20 बजे ता मुएन खंडहरों से लगभग 200 मीटर पूर्व में स्थित मू पा सैन्य बेस पर गोलीबारी शुरू कर दी।

थाई सेना ने आरोप लगाया कि कंबोडियाई बलों ने आसपास के इलाकों में इस तरह से तोपें तैनात की हैं कि नागरिकों को मानव ढाल के रूप में इस्तेमाल किया जा सके। इसके बाद सुबह 8.50 बजे मंदिर के खंडहरों पर तोपें दागी गईं। लगभग 9.15 बजे कंबोडियाई सैनिकों ने मू पा बेस के पास के इलाके को निशाना बनाकर गोलीबारी की। इस गोलीबारी में एक थाई सैनिक घायल हो गया। सुबह 9.40 बजे कंबोडिया ने सी सा केत प्रांत में डॉन तुआन मंदिर के खंडहरों पर बीएम-21 रॉकेट लॉन्चर दागे। सुबह 9.55 बजे कंबोडियाई सेना ने कथित तौर पर सुरिन के कप चोएंग ज़िले में सीमा क्षेत्र विकास केंद्र के पास एक रिहायशी इलाके में गोलीबारी की। इस गोलीबारी में कम से कम तीन नागरिक घायल हो गए। यह हमले उबोन रत्चथानी प्रांत में चोंग आन मा सीमा पार के पास एक बारूदी सुरंग विस्फोट में पांच थाई सैनिकों के घायल होने के एक दिन बाद किए गए हैं।

अमेरिका-जापान के बीच अब तक की सबसे बड़ी ट्रेड डील, ट्रंप ने दी अन्य देशों को चेतावनी

वॉशिंगटन/टोक्यो। अमेरिका और जापान के बीच अब तक की सबसे बड़ी व्यापारिक डील हुई है, जिसमें करीब 550 अरब डॉलर का निवेश शामिल है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस डील की घोषणा करते हुए कहा कि जापान पहली बार अमेरिका के लिए अपना बाजार पूरी तरह खोलने पर राजी हुआ है, और इस कदम से अमेरिकी व्यापार को भारी बढ़ावा मिलेगा। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा, मैं टैरिफ तभी हटाऊंगा जब कोई देश अमेरिका के लिए अपने बाजार खोलने को तैयार हो। अगर ऐसा नहीं हुआ, तो और ज्यादा टैरिफ लगाए जाएंगे। उन्होंने जापान का उदाहरण देते हुए कहा कि अब वह टैरिफ को एक रणनीतिक हथियार की तरह इस्तेमाल कर रहे हैं, ताकि अन्य देश अमेरिका के साथ खुलकर व्यापार करें। राष्ट्रपति ट्रंप के अनुसार, इस डील से लाखों नई नौकरियों का सृजन होगा और इसका 90 फीसदी लाभ अमेरिका को मिलेगा। उन्होंने यह भी बताया कि जापान ने 15 फीसदी रेसिप्रोकल टैरिफ लागू करने पर सहमति जता दी है, जिससे दोनों देशों के बीच व्यापार संतुलित होगा। फिलीपीन्स और इंडोनेशिया के साथ भी समझौते इसी के साथ ट्रंप ने फिलीपीन्स और इंडोनेशिया के साथ भी व्यापार समझौतों की घोषणा की है। इन दोनों देशों से आयातित वस्तुओं पर अब 19 फीसदी शुल्क लगाया जाएगा। यह कदम अमेरिका के व्यापारिक हितों की रक्षा के लिए उठाया गया है।

घायल थाई सैनिकों में से एक का पैर कट गया है। थाई सेना ने कहा कि ये बारूदी सुरंगें हाल ही में कंबोडिया ने बिछाई हैं। उत्तर-पूर्व के लिए जिम्मेदार द्वितीय क्षेत्र सेना के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल बूनसिन पैडक्लांग ने सीमा सील करने और सुरिन में मंदिर के खंडहरों को बंद करने का आदेश दिया है। यह आदेश गुरुवार सुबह से लागू हो गए। कंबोडिया के प्रधानमंत्री हुन मानेट ने गुरुवार को फेसबुक पर कहा कि थाई सेना ने ओद्दार मीनचे प्रांत में प्रीह विहियर और ता क्रबेई मंदिरों में कंबोडियाई सैन्य ठिकानों पर हमले किए हैं।

ट्रंप प्रशासन को एपस्टीन केस में झटका, जज का गोपनीय दस्तावेज सार्वजनिक करने से इनकार

वाशिंगटन,24 जुलाई (एजेंसियां)।

सुर्खियों में आए जेफरी एपस्टीन केस में ट्रंप प्रशासन को झटका लगा है। अमेरिकी न्याय विभाग के अनुरोध को वेस्ट पाम बीच (फ्लोरिडा) के यूएस डिस्ट्रिक्ट जज रॉबिन रोसेनबर्ग ने ठुकरा दिया। विभाग ने अदालत से इस केस से जुड़ी ग्रैंड जूरी की प्रतिलिपियां (गोपनीय दस्तावेज) सार्वजनिक करने का आग्रह किया था। खबर के अनुसार, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी को इस केस से संबंधित सभी जरूरी ग्रैंड जूरी दस्तावेज जारी करने का निर्देश दिया था।

जज रॉबिन रोसेनबर्ग ने अमेरिकी न्याय विभाग के अनुरोध पर बुधवार को फैसला सुनाया। फैसले में कहा गया कि एपस्टीन की जांच के सिलसिले में 2005 और 2007 के संघीय ग्रैंड जूरी ट्रांसक्रिप्ट जारी करने में अदालत के हाथ बंधे हुए हैं। उल्लेखनीय है कि एपस्टीन की 2019 में न्यूयॉर्क में मुकदमे का फैसला आने से पहले जेल में मृत्यु हो गई थी।

उनकी महिला मित्र गिस्लेन मैक्सवेल को 2021 में दोषी ठहराया गया था। वह 20 साल की सजा काट रही है। रोसेनबर्ग ने फैसले में लिखा कि सरकार ने वास्तव में स्वीकार कर लिया है कि अदालत के हाथ बंधे हुए हैं, क्योंकि 11वीं अमेरिकी सर्किट अपील अदालत ने एक बाध्यकारी मिसाल कायम की है। सनद रहे द वॉल स्ट्रीट जर्नल की खबर में खुलासा किया गया है कि ट्रंप ने 2003 में एपस्टीन को उनके 50वें जन्मदिन पर एक अश्लील पत्र भेजा था। ट्रंप ने इस खुलासे के बाद द वाल स्ट्रीट जनरल के प्रकाशक, उसके दो पत्रकारों और न्यूज कॉर्प के संस्थापक रूपर्ट मर्डोक पर मुकदमा दायर किया है।

अखबार ने कहा है कि वह अपनी खबर पर कायम है। संयुक्त राज्य अमेरिका में इस केस की चर्चा होने का बड़ा कारण यह भी है कि एपस्टीन और उनकी महिला मित्र गिस्लेन मैक्सवेल के मशहूर लोगों से संबंध थे। इनमें राजघरानों के सदस्य, राष्ट्रपतियों और अरबपतियों के नाम शामिल हैं। एपस्टीन अमीर फाइनेंसर थे। उन पर कम उम्र की लड़कियों के यौन शोषण और तस्करी के गंभीर आरोप थे। उनकी मौत पर अब भी संदेह और साजिश के बादल मंडरा रहे हैं। संघीय अभियोजकों का अब भी कहना है कि एपस्टीन ने 1,000 से ज्यादा नाबालिग लड़कियों को इस नरक में धकेला।

रूस की अंगारा एयरलाइंस का विमान एन-24 लापता, 46 लोग हैं सवार

रूस की प्रमुख एयरलाइंस अंगारा का विमान एन-24 लापता हो गया है। उसमें 46 लोग सवार हैं। उड़ान भरने के कुछ देरबाद इसका संपर्क टूट गया है। रूस की सरकारी समाचार एजेंसी तास के अनुसार आपातकालीन प्रतिक्रिया सेवाओं का कहना है कि 46 लोगों को ले जा रहा एएन-24 यात्री विमान से रूस के अमूर क्षेत्र में संपर्क टूट गया है। एजेंसी तास के अनुसार अंगारा एयरलाइंस का यह विमान टिंडा हवाई अड्डे से कुछ किलोमीटर दूर एक निर्धारित चेकपॉइंट पर संपर्क करने में विफल रहा। इस विमान में दो बच्चों सहित 40 यात्री और छह चालक दल के सदस्य सवार हैं।

यूक्रेन में राष्ट्रीय भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो और विशेष भ्रष्टाचार निरोधक अभियोजक कार्यालय की शक्तियों में कटौती

कीव,24 जुलाई (एजेंसियां)।

यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की ने देश की संसद वेरखोव्ना राडा से पारित राष्ट्रीय भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एनएबीयू) और विशेष भ्रष्टाचार निरोधक अभियोजक कार्यालय (एसएपीओ) की शक्तियों में कटौती करने वाले विधेयक पर बीते कल हस्ताक्षर कर दिए। यूक्रेन के लोग वेरखोव्ना राडा के विधेयक पारित करने से खफा हैं। देश में दूसरे दिन भी जगह-जगह प्रदर्शन हो रहे हैं।

यूक्रेन के सूचना विभाग की समाचार एजेंसी यूक्रेनफॉर्म ने हिन्दुस्थान समाचार को भेजे गए आधिकारिक ई-मेल में यह जानकारी दी। राष्ट्रपति के दस्तखत होने के साथ ही एनएबीयू और एसएपीओ से जुड़े इस विधेयक ने अब कानूनी शक्ल अख्तियार कर ली। इसका मकसद मार्शल लॉ के दौरान विशेष परिस्थितियों में व्यक्तियों के लापता होने पर होने वाली जांच में इन दोनों निकायों की शक्तियों और आजादी पर अंकुश लगाना है।

एनएबीयू और एसएपीओ की शक्तियों को कम करने वाले कानून को संसद के आधिकारिक समाचार पत्र होलोस यूक्रेनी में अधिसूचित किया गया है। यह कानून मार्शल लॉ के दौरान विशेष परिस्थितियों में व्यक्तियों के लापता होने से संबंधित घटनाओं की पूर्व परीक्षण जांच की विशिष्टता के संबंध में यूक्रेन की दंड प्रक्रिया संहिता में संशोधनों के कार्यान्वयन पर जोर देता है। राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की ने कहा कि अब यूक्रेन का भ्रष्टाचार विरोधी ढांचा रूसी प्रभाव के बिना भी काम करेगा। उन्होंने कहा कि एनएबीयू के निदेशक सेमेन क्रिवोनोस, एसएपीओ के अभियोजक ओलेक्सांद्र क्लिमेंको, अभियोजक जनरल रुस्लान क्रावचेंको और यूक्रेन की सुरक्षा सेवा के प्रमुख वासिल मालियुक से बात की है। हमने विभिन्न चुनौतियों पर चर्चा की। सबने माना ऐसा करना जरूरी था। उन्होंने साफ किया कि इसका मतलब यह नहीं कि एनएबीयू और एसएपीओ को समाप्त कर दिया जाएगा।

गाजा में भुखमरी की चेतावनी को इजराइल ने नकारा, हमास के दुष्प्रचार का हिस्सा बताया

तेल अवीव,24 जुलाई (एजेंसियां)।

गाजा में इजराइल के रवैये से मानवीय सहायता का संकट और सामूहिक भुखमरी के विभिन्न मानवाधिकार समूहों की चेतावनी को खारिज करते हुए इजराइल ने दावा किया है कि यह हमास के दुष्प्रचार को प्रोत्साहित करने वाला हथकंडा है। इजराइल का दावा है कि गाजा में बड़ी मात्रा में मानवीय सहायता पहुंच रही है जो यूएन द्वारा उठाए जाने का इंतजार कर रही है। इसे इजराइल ने संकट का मुख्य कारण बताया है।

इजराइल के विदेश विभाग की तरफ से दावा किया गया है कि गाजा में बड़ी मात्रा में मानवीय सहायता यूएन टीम की तरफ से लिए जाने का इंतजार कर रही हैं ।इजराइल का कहना है कि खाद्य सहायता लेकर 4500 ट्रक गाजा में प्रवेश कर चुके हैं, जिनमें बेकरी के लिए आटा और 2500 टन शिशु आहार एवं बच्चों के लिए उच्च कैलोरी वाला खाद्य पदार्थ शामिल है। जबकि गाजा में 700 से ज्यादा मानवीय सहायता वाले ट्रक यूएन की तरफ से उठाए जाने का इंतजार कर रहे हैं। खाद्य पदार्थों और मानवीय सहायता की निरंतर आपूर्ति में इसे बाधक बताया है।

इजराइल ने उन खबरों को हमास के प्रचारतंत्र का हथकंडा बताया है जिसमें गाजा में व्यापक स्तर पर सामूहिक भुखमरी फैलने की आशंका जताई गई थी। एकदिन पहले बुधवार को सौ से अधिक गैर सरकारी सहायता संगठनों और मानवाधिकार समूहों ने यह चेतावनी दी थी। इनका कहना था कि इजरायली हमलों और नाकाबंदी की वजह से गाजा में हालात बहुत खराब हैं और वहां व्यापक स्तर पर भुखमरी फैल रही है। इजराइल का कहना है कि युद्धविराम के लिए वार्ता के दौर में इस तरह के दावे हमास के दुष्प्रचार को बढ़ावा दे रहे हैं और और इस आतंकी संगठन के मंसूबों को मजबूती दे रहे हैं।

ऑस्ट्रेलिया में मंदिर में की तोड़फोड़ दीवारों पर लिख दिए नफरती नारे

बोरोनिया। ऑस्ट्रेलिया के बोरोनिया में मौजूद श्रीस्वामीनारायण मंदिर की दीवारों पर आपत्तिजनक नारे लिखे गए। यह मंदिर वॉधहर्स्ट ड्राइव पर मौजूद है और दीवारों पर लाल रंग से नफरत भरे संदेश लिखे गए थे। रिपोर्ट के मुताबिक आसपास के दो एशियाई रेस्तरां पर भी वही स्लोगन पाए गए, जो मंदिर में ते। ऐसे में इन घटनाओं को आपस में जुड़ा माना जा रहा है। बता दें कि इससे पहले जनवरी, 2023 में मेलबर्न के मिल पार्क में बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर पर खालिस्तानी समर्थकों ने हिंदुस्तान मुर्दाबाद और मोदी हिटलर जैसे नारे लिखे थे। मई, 2023 में सिडनी के रोसहिल बीएपीएस मंदिर पर भी पीएम मोदी को लेकर आपत्तिजनकर नारे लिखे गए थे। इस घटना ने ऑस्ट्रेलिया में रहने वाले हिंदू समाज की चिंता बढ़ा दी है। हिंदू काउंसिल ऑफ ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख मकरंद भगवत ने इस इसकी निंदा करते हुए कहा कि हमारा मंदिर शांति, भक्ति और एकता का स्थान है। इसका अपमान हमारे धर्म और पहचान पर हमला है। उन्होंने बताया कि मंदिर में रोजाना प्रार्थनाएं, सामूहिक भोजन और सांस्कृतिक कार्यक्रम होते हैं, जिसमें मेलबर्न के भारतीय समुदाय से लोग भाग लेते हैं।

आईओए ने सीईओ की नियुक्ति पर विवाद खत्म किया, डोपिंग रोधी पैनल का गठन

नई दिल्ली,24 जुलाई (एजेंसियां) ।

लंबे विवाद को समाप्त करते हुए भारतीय ओलंपिक संघ की कार्यकारी परिषद ने गुरुवार को सीईओ रघुराम अय्यर की नियुक्ति को मंजूरी दे दी और डोपिंग से निपटने के लिए एक पैनल का गठन किया। 2036 ओलंपिक की दावेदारी के लिए राष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल की यात्रा के दौरान भारत के खराब रिकॉर्ड को चिन्हित किए जाने के बाद यह फैसला लिया गया। जनवरी, 2024 में अध्यक्ष पीटी उषा के नेतृत्व में कार्यकारी समिति के सदस्यों ने अय्यर की नियुक्ति को मंजूरी देने से इनकार कर दिया था। विवाद का मुख्य कारण उनका 20 लाख रुपये प्रति माह का वेतन और अन्य भत्ते थे। हालांकि, खेल मंत्री मनसुख मांडविया के हस्तक्षेप के बाद इस मामले में मतभेद सुलझ गए और अय्यर की औपचारिक नियुक्ति का रास्ता साफ हो गया। सात सदस्यीय डोपिंग रोधी पैनल का नेतृत्व पूर्व टेनिस खिलाड़ी रोहित राजपाल करेंगे और इसमें अपर्णा पोपट और खेल चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. पीएसएम चंद्रन सहित अन्य सदस्य शामिल होंगे। अय्यर ने आईओए कार्यकारी समिति के सदस्यों और पीटी उषा ने संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि आईओए (प्रतिनिधिमंडल) के लुसाने दौरे के दौरान आईओसी (अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति) ने भारत में डोपिंग के बढ़ते मामलों का ज़िक्र किया था। उषा ने कहा, आईओसी दो-तीन मुद्दों को लेकर चिंतित था, लेकिन मंत्रालय ने विश्व संस्था और अन्य अंतरराष्ट्रीय महासंघों से परामर्श किया और फिर विधेयक को मंजूरी दे दी गई। पिछले महीने लुसाने गए आईओए प्रतिनिधिमंडल में खेल सचिव हरि रंजन राव, उषा और गुजरात के खेल मंत्री हर्ष सांघवी समेत अन्य लोग शामिल थे। भारत अहमदाबाद में 2036 ओलंपिक खेलों की मेज़बानी के लिए बोली लगा रहा है। भारत पिछले महीने विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी के 2023 परीक्षण आंकड़ों में उन देशों में शीर्ष पर रहा था, जिन्होंने प्रतिबंधित पदार्थों के लिए 3.8 प्रतिशत की उच्च सकारात्मकता दर के साथ 5,000 या अधिक नमूनों का विश्लेषण किया था। काफी समय तक विरोध के बाद बुधवार को संसद में पेश किए गए नए खेल विधेयक का आखिरकार आईओए ने स्वागत किया। विधेयक के अधिनियम बनने के बाद एक राष्ट्रीय खेल बोर्ड का गठन होगा।

न्यूज ब्रीफ

सिनसिनाटी ओपन में वीनस विलियम्स को वाइल्ड कार्ड एंट्री

वाशिंगटन। अमेरिकी टेनिस स्टार वीनस विलियम्स को सिनसिनाटी ओपन के मुख्य ड्रॉ में वाइल्ड कार्ड एंट्री दी गई है। टूर्नामेंट आयोजकों ने बुधवार को इस बात की पुष्टि की। 45 साल की वीनस ने हाल ही में कोर्ट पर धमाकेदार वापसी करते हुए एक बार फिर खुद को सुर्खियों में ला दिया है। सात बार की ग्रैंड स्लैम सिंगल्स चैंपियन वीनस ने 16 महीने के लंबे अंतराल के बाद वाशिंगटन ओपन में शानदार जीत दर्ज की। उन्होंने मंगलवार को दुनिया की 35वें नंबर की खिलाड़ी पेटन स्टर्न्स को हराकर इतिहास रच दिया। वह 2004 के बाद से डब्ल्यूटीए सिंगल्स मैच जीतने वाली सबसे उम्रदराज महिला खिलाड़ी बन गई हैं। वीनस अब वाशिंगटन ओपन के अगले दौर में पोलैंड की पांचवीं वरीय खिलाड़ी मैग्डालेना फ्रेच से भिड़ेंगी। गौरतलब है कि इस साल की शुरुआत में वीनस ने इंडियन वेल्स टूर्नामेंट में वाइल्ड कार्ड एंट्री का प्रस्ताव ठुकरा दिया था। सिनसिनाटी ओपन के आयोजकों ने घरेलू खिलाड़ी कैटी मैकनेली को भी वाइल्ड कार्ड एंट्री दी है। मैकनेली ने पिछले साल अपनी कोहनी की सर्जरी के बाद हाल ही में कोर्ट पर वापसी की है। सिनसिनाटी ओपन का मुख्य ड्रॉ 7 अगस्त से शुरू होगा। वीनस की वापसी से इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में रोमांच और बढ़ने की उम्मीद है।

वॉरियर फाउंडेशन के खिलाड़ियों ने फेंसिंग में मारी बाज़ी

भोपाल। वॉरियर फाउंडेशन मार्शल आर्ट्स एकेडमी के प्रशिक्षक करण साहू और कोच हरीओम परमार के निर्देशन में खिलाड़ियों ने स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसजीएफआई) अंतरविद्यालयीन फेंसिंग चैंपियनशिप 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए संभागीय स्तर के लिए चयन प्राप्त किया है। खिलाड़ियों ने तीनों इवेंट — सेबर, फॉयल और ईपी, तथा आयु वर्ग — अंडर-14, अंडर-17 और अंडर-19 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रतियोगिता में मारी बाज़ी। चयनित खिलाड़ियों के नाम हैं: महिमा मालवीय, सृजल महावर, सुरवी गुप्ता, ऋधिमा जगताप, नूर्वी जोशी, कामनी कुर्मी, तुषार परमार, अश्विन राठौर, दिव्यांश राजपूत, आदित्य सावनेर, शुभ गांधी, राजवीर जादौन, अधर बर्फा, मानसी चौरसिया, वैष्णवी बोरकर, राज वास्कले, प्रियांश जोशी, सागर लांडगे एवं आनंद बकावले। ये सभी खिलाड़ी विभिन्न विद्यालयों से हैं और वॉरियर फाउंडेशन में नियमित रूप से अभ्यास करते हैं। इनकी यह उपलब्धि कठिन परिश्रम, अनुशासन और प्रशिक्षकों करण साहू तथा हरीओम परमार के समर्पित मार्गदर्शन का प्रतिफल है।

जॉन सीना को मैकइंटायर ने मुकाबले के लिए ललकारा

न्यूजर्सी। डब्ल्यूडब्लयूई रेसलर जॉन सीना को स्कॉटिश पेशेवर रेसलर मैकइंटायर ने मुकाबले की चेतावनी दी है। मैकइंटायर का वास्तविक नाम एंड्रयू मैकलीन गैलोवे है। सीना को समरस्लैम 2025 में कोडी रोड्स के खिलाफ डब्यूडब्यलूई चैंपियनशिप का बचाव करना है। वहीं अब बीच में मैकइंटायर आ गये है। मैकइंटायर ने सीना का मजाक उड़ाते हुए डब्ल्यूडब्लयूई चैंपियनशिप जीतने के लिए अपनी दावेदारी पेश की है। सीना का अंतिम मुकाबला संन्यास से पहले गुंथर से होना था। वहीं अब मैकइंटायर ने कहा कि मैं पांच हफ्ते के लिए बाहर था। मैं वापस आया हूं। मैं उन व्यक्तिगत मुद्दों में शामिल नहीं हो रहा हूं जिनमें मैं पिछले दो सालों से शामिल था। मैं अब खिताब वापस जीतना चाहता हूं। रैंडी ऑर्टन पर जीत से मेरी शुरुआत होगी। जॉन सीना डब्ल्यूडब्लयूई के बड़े स्टार हैं। उन्होंने कई सालों तक डब्ल्यूडब्लयूई में काम किया है। उनके बहुत सारे प्रशंसक हैं। सीना का रिटायरमेंट डब्ल्यूडब्लयूई के लिए एक बड़ा नुकसान होगा। ड्रू मैकइंटायर भी डब्ल्यूडब्लयूई के बड़े स्टार हैं। उन्होंने कई चैंपियनशिप जीती हैं। मैकइंटायर चैंपियनशिप में सीना को हराने में सक्षम माने जाते हैं। वहीं सीना और रोड्स के बीच मुकाबला बहुत ही रोमांचक होने वाला है। इस मैच को देखने के लिए प्रशंसक बहुत उत्साहित हैं। यह देखना दिलचस्प होगा कि कौन यह मैच जीतता है।

बार्सिलोना ने मार्कस रैशफोर्ड के साथ लोन डील के तहत किया करार

मैड्रिड,24 जुलाई (एजेंसियां) ।

एफसी बार्सिलोना ने इंग्लैंड के अंतराष्ट्रीय फॉरवर्ड मार्कस रैशफोर्ड को मैनचेस्टर यूनाइटेड से एक सीजन की लोन डील के तहत साइन करने की पुष्टि कर दी है। बुधवार को क्लब ने एक वीडियो जारी किया, जिसमें रैशफोर्ड ने कहा कि यह खबर ऑफिशियल है। यह डील एक सीजन के लोन के साथ हुई है, जिसमें बार्सिलोना के पास करीब 35 मिलियन यूरो में स्थायी ट्रांसफर का विकल्प होगा। हालांकि, अगर क्लब स्थायी सौदा नहीं करता है तो मुआवज़ा देने का प्रावधान भी रखा गया है।

रैशफोर्ड ने कहा, क्लब जो कुछ भी दर्शाता है, वह मेरे लिए बहुत मायने रखता है। मुझे लगता है कि मैं घर जैसा महसूस कर रहा हूं। यह एक पारिवारिक माहौल वाला क्लब है जहां अच्छे खिलाड़ी अपनी प्रतिभा दिखा सकते हैं।

उन्होंने आगे कहा, यहां होना मेरे लिए एक सपना जैसा है। मैं बेहद उत्साहित हूं और 'बार्सिलोना वे' को सीखने व मैचों के लिए तैयार रहने के लिए तत्पर हूं।

बार्सिलोना के कोच हान्सी फ्लिक के साथ काम करने का अवसर भी उनके फैसले का एक महत्वपूर्ण कारण रहा।

रैशफोर्ड ने कहा, पिछला सीजन फ्लिक के लिए शानदार रहा। उन्होंने दिखाया है कि वह युवा टीम के साथ भी सफल परिणाम ला सकते हैं। वह विश्व के शीर्ष कोचों में से एक हैं।

27 वर्षीय रैशफोर्ड ने सोमवार को बार्सिलोना में मेडिकल टेस्ट पास किया। खबरों के अनुसार, उन्होंने यह ट्रांसफर पूरा करने के लिए अपनी सैलरी में 15 प्रतिशत की कटौती की है।

पिछले सीजन मैनचेस्टर यूनाइटेड के कोच रूबेन आमोरिम के साथ उनके रिश्ते बिगड़ गए थे, जिसके चलते वह सीजन का दूसरा हिस्सा एस्टन विला के साथ लोन पर बिताने को मजबूर हुए।

अब वह एशिया टूर के लिए चयनित बार्सिलोना टीम का हिस्सा होंगे, जो गुरुवार को दक्षिण कोरिया और जापान में मैच खेलने रवाना होगी।

बार्सिलोना की यह डील उस समय आई है जब क्लब लगातार दूसरी गर्मियों में स्पेनिश विंगर निको विलियम्स को साइन करने में विफल रहा। विलियम्स ने एथलेटिक बिलबाओ के साथ नया करार किया।

वहीं, कोलंबियाई विंगर लुइस डियाज़ को लाने की कोशिशें भी क्लब की आर्थिक स्थिति के चलते असफल रहीं, जिससे लिवरपूल की मांग पूरी नहीं हो सकी। रैशफोर्ड, 1986 से 1989 तक बार्सिलोना के लिए खेलने वाले गैरी लिनेकर के बाद क्लब से जुड़ने वाले पहले अंग्रेज खिलाड़ी हैं। उनसे पहले सिर्फ हेरोल्ड स्टैम्पर (1922-1923) ही बार्सिलोना के लिए खेले थे।

डब्ल्यूसीएल 2025 अंकतालिका : दक्षिण अफ्रीका चैम्पियंस शीर्ष, इंडिया चैम्पियंस अंतिम स्थान पर

लंदन। इस बार दक्षिण अफ्रीकी चैम्पियंस टीम यहां जारी वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्ल्यूसीएल) 2025 अंकतालिका में नंबर एक स्थान पर है। दक्षिण अफ्रीका ने अब तक के अपने दोनो ही मैच जीते हैं। वहीं गत विजेता इंडिया चैम्पियंस टीम इस बार अंतिम स्थान पर है। इसके अलावा क्रिस लिन की शानदार बल्लेबाजी से ऑस्ट्रेलिया चैम्पियंस ने अपने पहले ही मैच में वेस्टइंडीज चैम्पियंस से मिले 143 रनों के लक्ष्य को आसानी से हासिल कर शीर्ष-2 में स्थान बनाया है। दक्षिण अफ्रीकी चैम्पियंस टीम ने अपने पहले मैच में वेस्टइंडीज चैम्पियंस को जबकि दूसरे मैच में इंडिया चैम्पियंस को हराया। ऑस्ट्रेलियाई चैम्पियंस टीम का बारिश के कारण इंग्लैंड चैम्पियंस के खिलाफ पहला मैच रद्द हो गया था। पाकिस्तान चैम्पियंस तीसरे स्थान पर हैं। इसका कारण है कि उसे इंग्लैंड के खिलाफ पहले मैच में जीत मिली पर भारत के खिलाफ उनका दूसरा मैच रद्द होने की वजह से दोनों टीमों को 1-1 अंक मिला। इंडिया चैम्पियंस ने पहलगात आतंकी हमले के विरोध में पाक टीम से खेलने से इंकार कर दिया था।

वैभव इंग्लैंड दौरे के अंतिम टेस्ट में विफल रहे

लंदन,24 जुलाई (एजेंसियां) ।

भारतीय अंडर-19 टीम की ओर से खेल रहे 14 साल के वैभव सूर्यवंशी के लिए इंग्लैंड दौरे का दूसरा और अंतिम टेस्ट मैच अच्छा नहीं रहा। इसमें वैभव पहली ही गेंद पर आउट हो गये। एकदिवसीय सीरीज में जमकर छक्के लगाने वाले वैभव टेस्ट मैच में विफल रहे। वह 4 पारियों में केवल एक अर्धशतक ही लगा पाये। वैभव के लिए अंतिम पारी अच्छी नहीं रही और वह उसमें खाता भी नहीं खोल पाये। वहीं इससे पहले वैभव ने एकदिवसीय सीरीज में 29 छक्के लगाये थे।

सीरीज के इस दूसरे टेस्ट मैच में इंग्लैंड अंडर-19 ने भारतीय टीम को जीत के लिए 355 रन का लक्ष्य दिया। इसका पीछा करते हुए वैभव सूर्यवंशी और कप्तान आयुष म्हात्रे से दूसरी पारी में अच्छी शुरुआत की उम्मीद थी पर वैभव विफल रहे और पारी की पहली गेंद पर ही पवेलियन लौट गए। वैभव ने तेज गेंदबाज एलेक्स ग्रीन की पहली ही गेंद पर बड़ा शॉट खेलने का प्रयास किया पर गेंद बल्ले का किनारा लेकर विकेटों में लग गयी। वैभव पहली बार अपने करियर में पहली ही गेंद पर आउट हुए हैं।

पहली पारी में भी वह 14 गेंदों पर 20 रन बना पाये थे। वैभव ने एक अर्धशतक सहित दो मैचों की टेस्ट सीरीज की 4 पारियों में 90 रन बनाए हैं। उनका औसत 22.50 का रहा है। वहीं वैभव एकदिवसीय सीरीज में काफी सफल रहे थे और उन्होंने 355 रन बनाए थे। इस दौरान उन्होंने शतक भी बनाया था। पांच मैचों की एकदिवसीय सीरीज में वैभव का बल्लेबाजी औसत रहा है।

विश्व एक्वेटिक चैम्पियनशिप

सिंगापुर में विश्व एक्वेटिक चैम्पियनशिप में स्पेन की एलीना रुइज ने वाटर पोलो में कांस्य पदक जीता।

भारत-इंग्लैंड अंडर-19 दूसरा यूथ टेस्ट मैच ड्रा आयुष म्हात्रे ने खेली धमाकेदार शतकीय पारी

चेल्म्सफोर्ड,24 जुलाई (एजेंसियां) ।

बेन डॉकिन्स के शानदार शतक और राल्फी अल्बर्ट की कुल 10 विकेटों की चमक के बावजूद इंग्लैंड अंडर-19 और भारत अंडर-19 के बीच खेला गया दूसरा यूथ टेस्ट मुकाबला बुधवार को ड्रॉ पर समाप्त हो गया। इस नतीजे के साथ दो मैचों की सीरीज 1-1 से बराबरी पर समाप्त हुई।

इंग्लैंड के लिए केंट के ओपनर बेन डॉकिन्स ने 136 रन बनाए और एडम थॉमस (91 रन) के साथ 188 रनों की साझेदारी की। इंग्लैंड ने अपनी दूसरी पारी 324/5 पर घोषित की और भारत को 355 रनों का लक्ष्य दिया।

लेकिन भारत की ओर से आयुष म्हात्रे की धमाकेदार बल्लेबाज़ी ने इंग्लैंड की जीत की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। उन्होंने 64 गेंदों में 126 रनों की तूफानी पारी खेली। वहीं अभिज्ञान कुंडू (65 रन) ने भी आक्रामक अंदाज़ में बल्लेबाज़ी कर टीम को संभाला।

मैच का पूरा हाल

पहली पारी: इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाज़ी करते हुए 309 रन बनाए, जिसमें एकांश सिंह ने 117 रन और थॉमस रिउ ने 59 रन जोड़े। भारत के पुष्पक ने 4 विकेट लिए। जवाब में भारत ने 279 रन बनाए, जहां विहान मल्होत्रा ने 120 और म्हात्रे ने 80 रन बनाए। इंग्लैंड के राल्फी अल्बर्ट ने 6 विकेट झटके।

दूसरी पारी: इंग्लैंड ने आक्रामक बल्लेबाज़ी करते हुए 324/5 पर पारी घोषित की, जिसमें डॉकिन्स ने 136 रन और थॉमस ने 91 रन बनाए। भारत की ओर से आदित्य रावत ने 4 विकेट चटकाए।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारत की टीम को पहले ही ओवर में झटका लगा जब 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी क्लीन बोल्ड हो गए।

इसके बाद विहान मल्होत्रा ने डटे रहकर पारी को संभाला जबकि म्हात्रे ने ताबड़तोड़ बल्लेबाज़ी करते हुए महज़ 25 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया और बाद में 64 गेंदों में शतक जड़ दिया।

महिला यूरो 2025: स्पेन ने जर्मनी को 1-0 से हराकर फाइनल में बनाई जगह

ज्युरिख,24 जुलाई (एजेंसियां) ।

एइताना बॉनमती के शानदार अतिरिक्त समय के गोल की बदौलत स्पेन ने बुधवार को जर्मनी को 1-0 से हराकर पहली बार महिला यूरोपीय चैम्पियनशिप के फाइनल में जगह बना ली है। इस जीत के साथ अब स्पेन का मुकाबला रविवार को मौजूदा चैंपियन इंग्लैंड से फाइनल में होगा, जहां स्पेन ने पहली बार विश्व खिताब जीता था।

मैच का इकलौता गोल बॉनमती ने 113वें मिनट में किया। उन्होंने बाएं फ्लैंक से गेंद पाते हुए जर्मन गोलकीपर एन-कैट्रिन बर्गर की नजदीकी पोस्ट पर छोड़े गए गैप को भांपते हुए टाइट एंगल से जोरदार शॉट मारकर गेंद को जाल में पहुंचा दिया। पहले हाफ में स्पेन की कप्तान आइरीन परेडेस ने भी हेडर से गोल करने की कोशिश की, लेकिन उनका शॉट पोस्ट से टकराकर बाहर चला गया। पूरे मैच में स्पेन ने कब्जे में बढ़त बनाए रखी, जबकि जर्मन टीम ने डिफेंस में मजबूत दीवार खड़ी कर काउंटर अटैक की रणनीति अपनाई।

जर्मनी की विंगर क्लारा बुएल मैच भर में प्रभावशाली रहीं। 63वें मिनट में वह स्पेनिश डिफेंस को चकमा देकर गोल के करीब पहुंचीं, लेकिन उनका शॉट सीधे गोलकीपर काटा कॉल के हाथों में चला गया। स्टॉपेज टाइम में भी बुएल का एक डिफ्लेक्टेड शॉट कॉल ने बड़ी मुश्किल से बचाया, और मैच 0-0 से अतिरिक्त समय में चला गया। जर्मनी ने अब तक यूरो सेमीफाइनल में 10 में से 9 बार जीत दर्ज की थी। जर्मनी पेनल्टी शूटआउट की ओर बढ़ता दिख रहा था, लेकिन बॉनमती ने उनके अरमानों पर पानी फेर दिया। बॉनमती के लिए यह गोल और भी खास था, क्योंकि टूर्नामेंट की शुरुआत से पहले वह मेनिन्जाइटिस से जुड़ी स्वास्थ्य समस्या से जूझ रही थीं। यह जीत स्पेन के लिए ऐतिहासिक रही, क्योंकि पहली बार उन्होंने किसी बड़े टूर्नामेंट में जर्मनी को हराया।

बॉनमती ने कहा, मैं गर्व महसूस कर रही हूं। हमने एक जबरदस्त चैम्पियनशिप खेली है। हम जर्मनी के खिलाफ जरूर थोड़ा संघर्ष में रहे, लेकिन अंत में जीत हमारे हिस्से आई। ये पहली बार है जब हमने किसी बड़े टूर्नामेंट में जर्मनी को हराया है, इससे बड़ी उपलब्धि और क्या हो सकती है।

क्वार्टरफाइनल में फ्रांस के खिलाफ शूटआउट में अपनी टीम को जीत दिलाने वाले जर्मन गोलकीपर एन-कैट्रिन बर्गर ने इस हार की जिम्मेदारी ली। उन्होंने कहा, उस गोल के लिए मैं दोषी हूं। नजदीकी पोस्ट को मुझे कवर करना था और यही वजह है कि मैं खुद से बेहद निराश हूं। मैं चाहे जितने भी बचाव करूं, लेकिन वह गोल रोकना मेरा फर्ज था।

अब सभी की निगाहें रविवार को होने वाले फाइनल मुकाबले पर हैं, जहां स्पेन और इंग्लैंड के बीच एक और ऐतिहासिक भिड़ंत देखने को मिलेगी।

बीकाजी फूड्स का पहली तिमाही में मुनाफा बढ़कर 58.52 करोड़ पहुंचा

नई दिल्ली,24 जुलाई (एजेंसियां)।

एथनिक स्नैक्स और मिठाइयों के क्षेत्र में प्रमुख बीकाजी फूड्स इंटरनेशनल लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में 1.3 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 58.52 करोड़ का एकीकृत शुद्ध लाभ दर्ज किया। पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 57.77 करोड़ रहा था। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि इस अवधि के दौरान उसकी परिचालन आय 14.86 प्रतिशत बढ़कर 637.05 करोड़ हो गई, जो कि एक साल पहले 554.59 करोड़ थी। वहीं, कंपनी की कुल आय, जिसमें अन्य आय भी शामिल है, 14.52 प्रतिशत बढ़कर 662.66 करोड़ रही।

हालांकि, बीकाजी के कुल खर्च में 16.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई और यह 584.09 करोड़ पर पहुंच गया। इससे शुद्ध लाभ में तेज बढ़ोतरी नहीं हो पाई, लेकिन कंपनी ने लागत में बढ़ोतरी के बावजूद लाभ में स्थिरता बनाए रखी। उद्योग क्षेत्र की बात करें तो कंपनी की 'एथनिक स्नैक्स' श्रेणी से आय में 11.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो इसके कुल कारोबार में 75.3 प्रतिशत का योगदान करती है। वहीं, 'पैकेज्ड स्वीट्स' श्रेणी की आय 3.1 प्रतिशत बढ़ी। बीकाजी फूड्स इंटरनेशनल भारत की तीसरी सबसे बड़ी एथनिक स्नैक्स निर्माता कंपनी है।

करवार अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक का लाइसेंस रद्द

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कर्नाटक स्थित करवार अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक का बैंकिंग लाइसेंस रद्द कर दिया है, इस निर्णय के साथ बैंक की सभी बैंकिंग सेवाएं समाप्त हो गई हैं और ग्राहकों की जमा राशि फिलहाल अटकी हुई है। आरबीआई ने बताया कि बैंक के पास पर्याप्त पूंजी नहीं है और इसकी आर्थिक स्थिति सुधारने की कोई संभावना नहीं दिख रही है। साथ ही, बैंक बैंकिंग नियमन अधिनियम, 1949 के नियमों का पालन नहीं कर रहा था। इन सभी कारणों से, आरबीआई ने बैंक को आगे संचालन की अनुमति न देने का निर्णय लिया। हालांकि, ग्राहकों के लिए राहत की खबर यह है कि बैंक की जमा राशि पर डिपॉजिट इंश्योरेंस एंड क्रेडिट गारंटी कॉरपोरेशन (डीआईसीजीसी) के तहत 5 लाख तक का बीमा उपलब्ध है। आरबीआई के अनुसार बैंक के लगभग 92.9 फीसदी खाताधारकों को उनकी पूरी जमा राशि मिल जाएगी। 30 जून 2025 तक डीआईसीजीसी ने 37.79 करोड़ का भुगतान भी कर दिया है।

न्यूज ब्रीफ

सार्वजनिक बैंकों का एनपीए घटा भाजपा नेता ने मोदी सरकार की नीतियों को सराहा

मुंबई। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की गैर-निष्पादित आस्तियों (एनपीए) में पिछले चार वर्षों में 9.11 प्रतिशत से घटकर 2.58 प्रतिशत तक कमी आई है। भाजपा नेता गौरव वल्लभ ने इस उपलब्धि को मोदी सरकार की आर्थिक नीतियों की सफलता बताया और कहा कि मोदीनॉमिक्स देश को 2047 तक विकसित भारत की ओर ले जा रही है। उन्होंने एक अखबार को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि यूपीए शासन के दौरान बैंकिंग प्रणाली में व्यापक भ्रष्टाचार था, जिससे एनपीए का स्तर उच्च था। मोदी सरकार ने इस भ्रष्टाचार को जड़ से उखाड़ फेंका है, जिसके परिणामस्वरूप एनपीए में भारी कमी देखी जा रही है। गौरव वल्लभ ने कहा कि भारत उच्च विकास दर, निम्न मुद्रास्फीति और कम एनपीए के तीन स्तंभों पर मजबूत स्थिति में है। उन्होंने विशेष रूप से एमएसएमई सेक्टर में एनपीए की कमी को भारत की अर्थव्यवस्था की मजबूती बताया। देश को 2047 तक विकसित भारत की ओर ले जा रही है मोदीनॉमिक्स राजनीतिक विषय पर गौरव वल्लभ ने राहुल गांधी के मतदाता सूची को लेकर उठाए गए सवालों की कड़ी आलोचना की। उनका कहना था कि राहुल गांधी को देश की जनता वोट नहीं देती, और वह अपनी हार का ठीकरा चुनाव आयोग पर फोड़ना चाहते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि चुनाव आयोग का सम्मान करना जरूरी है, क्योंकि यह संविधान की प्रक्रिया है। राहुल गांधी पर बिहार के युवाओं के अधिकारों को बांग्लादेशी घुसपैठियों को देने का आरोप भी लगाया गया। जगदीप धनखड़ के इस्तीफे पर गौरव वल्लभ ने कहा कि उन्होंने स्वास्थ्य कारणों से इस्तीफा दिया है और इसे सम्मान देना चाहिए।

वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच मजबूत बनी भारतीय अर्थव्यवस्था : आरबीआई रिपोर्ट

भारत के पास वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में अपनी भागीदारी बढ़ाने का सुनहरा अवसर

नई दिल्ली,24 जुलाई (एजेंसियां)।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ताज़ा रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक व्यापार और टैरिफ को लेकर जारी अनिश्चितताओं के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत मैक्रोइकोनॉमिक फंडामेंटल्स के चलते स्थिर बनी हुई है। आरबीआई के बुलेटिन में प्रकाशित स्टेट ऑफ द इकोनॉमी रिपोर्ट में कहा गया है कि देश में मुद्रास्फीति में कमी, खरीफ सीज़न की अच्छी संभावनाएं, सरकारी खर्च में तेजी, और अनुकूल वित्तीय स्थितियां आगे चलकर समग्र मांग को समर्थन देंगी।

रिपोर्ट में कहा गया है कि भू-आर्थिक विखंडन और व्यापारिक अनिश्चितताओं के बीच भारत के पास वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में अपनी भागीदारी बढ़ाने का सुनहरा अवसर है। साथ ही ढांचागत निवेश और उत्पादकता बढ़ाने वाले संरचनात्मक सुधार भविष्य में विकास को मजबूती प्रदान करेंगे। इस बीच मॉर्गन स्टेनली ने अनुमान जताया है कि भारत 2028 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। वहीं एशियाई विकास बैंक (एडीबी) का अनुमान है कि भारत की जीडीपी वृद्धि दर 2025 में 6.5 फीसदी और 2026 में 6.7 फीसदी रहेगी। मुद्रास्फीति भी आरबीआई के अनुमानित लक्ष्य के भीतर रहने की संभावना है। हालांकि आरबीआई ने चेतावनी दी है कि 1 अगस्त 2025 से लागू होने वाली नई आयात शुल्क दरों को लेकर वैश्विक वित्तीय बाजारों में अनिश्चितता बनी हुई है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं अभी भी अस्थिर हैं, जिससे वैश्विक आर्थिक संभावनाओं पर असर पड़ सकता है।

भारत का स्मार्टफोन बाजार अप्रैल-जून 2025 में 7 फीसदी बढ़ा, इन्वेंट्री की चुनौतियों में कमी और विक्रेताओं की फिर से सक्रियता से आई तेजी

नई दिल्ली। भारत का स्मार्टफोन बाजार अप्रैल-जून 2025 की तिमाही में 7 प्रतिशत की सालाना वृद्धि के साथ 3.9 करोड़ यूनिट्स तक पहुंच गया है। इस तेजी के पीछे मुख्य कारण इन्वेंट्री की चुनौतियों में कमी और विक्रेताओं की फिर से सक्रियता है। पहली तिमाही में इन्वेंट्री के उच्च स्तर के कारण नए स्मार्टफोन लॉन्च में देरी हुई थी, जबकि दूसरी तिमाही में कई नए मॉडल लॉन्च होने से बिक्री में वृद्धि हुई। कैनालिस की रिपोर्ट के अनुसार इस तिमाही में वीवो (आईक्यूओओ को छोड़कर) ने सबसे अधिक शिपमेंट की, जो 81 लाख यूनिट्स के साथ 21 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी पर काबिज रहा। इसके बाद सैमसंग 62 लाख यूनिट्स और 16 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ दूसरे स्थान पर रहा। ओप्पो (वनप्लस को छोड़कर) और श्याओमी दोनों ने लगभग 50 लाख यूनिट्स की शिपिंग की जबकि रियलमी 36 लाख यूनिट्स के साथ शीर्ष पांच में शामिल हुआ। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि भारत के स्मार्टफोन बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है। एक विश्लेषक के अनुसार प्रीमियम ब्रांड और डिजाइन-आधारित कंपनियां अपनी रणनीतियों में सुधार कर बाजार में अपनी पकड़ मजबूत कर रही हैं। एप्पल ने इस तिमाही में छठा स्थान हासिल किया है। आईफोन 16 सीरीज ने एप्पल के कुल शिपमेंट में 55 प्रतिशत से अधिक योगदान दिया, वहीं आईफोन 15 और 13 सीरीज की मांग भी बरकरार रही।

आदित्य इन्फोटेक का 1,300 करोड़ रुपये का आईपीओ 29 जुलाई से खुलेगा

नई दिल्ली,24 जुलाई (एजेंसियां)।

वीडियो सुरक्षा उत्पादों के लिए प्रसिद्ध 'सीपी प्लस' ब्रांड की मूल कंपनी आदित्य इन्फोटेक अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) ला रही है। कंपनी का लक्ष्य इससे 1,300 करोड़ रुपये जुटाने का है।

आईपीओ का प्राइस बैंड 640 से 675 रुपए प्रति शेयर तय किया गया है। यह निर्गम 29 जुलाई को खुलेगा और 31 जुलाई को बंद होगा। आईपीओ में 500 करोड़ के नए शेयर और 800 करोड़ की बिक्री पेशकश शामिल है। जुटाई गई राशि में से 375 करोड़ कर्ज चुकाने में और बाकी सामान्य कॉर्पोरेट जरूरतों में खर्च किए जाएंगे। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज और आईआईएफएल सिक्योरिटीज इस निर्गम के प्रमुख प्रबंधक हैं। कंपनी के शेयर 5 अगस्त 2025 को स्टॉक एक्सचेंज पर सूचीबद्ध हो सकते हैं। यह निर्गम निवेशकों के लिए सुरक्षा तकनीक क्षेत्र में हिस्सेदारी का एक अच्छा अवसर हो सकता है।

एप्पल का भारत में पहली छमाही में आईफोन शिपमेंट 36 फीसदी बढ़ा

मुंबई। टेक दिग्गज एप्पल ने 2025 की पहली छमाही में भारत में अपने आईफोन शिपमेंट में सालाना आधार पर 36 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की है। यह जानकारी हाल ही में एक रिपोर्ट में सामने आई है। कंपनी ने अपने आईपैड सेगमेंट में भी 13 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, जो देश में एप्पल के लेटेस्ट-जनरेशन डिवाइस की बढ़ती मांग को दर्शाता है। रिपोर्ट के अनुसार, आईफोन 16 सीरीज इस अवधि में सबसे लोकप्रिय रही, जिसने आईफोन बाजार हिस्सेदारी का 62 प्रतिशत हिस्सा हासिल किया। इसके बाद आईफोन 15 सीरीज 30 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ दूसरे स्थान पर रही।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

चारणगान के आगे...

का मामला रहा हो या टी राजा सिंह को त्वरित गति से निलंबित किए जाने का मामला। प्रत्येक संवेदनशील मौके पर भाजपा नेतृत्व ने हिंदुत्व विरोधी चरित्र का प्रदर्शन किया है।

राजनीतिक नजरिए से भी देखें तो स्पष्ट दिखता है कि किस तरह किशन रेड्डी जैसे नेताओं ने टी राजा सिंह को अपना निशाना बनाया। एमएलसी से लेकर विधायक तक के चुनाव में टी राजा सिंह के नजदीकी दावेदारों को न टिकट दिया गया और न पार्टी में कोई पद दिया गया। भाजपा नेता जिट्टा बालकृष्ण रेड्डी के निलंबन का प्रकरण याद करिए। बालकृष्ण रेड्डी को भी इसी तरह निपटा दिया गया। बालकृष्ण ने साफ-साफ कहा था कि जी किशन रेड्डी ने पार्टी की मजबूती के लिए कुछ नहीं किया केवल खुद को मजबूत करने का काम किया। बालकृष्ण ने कहा था कि जी किशन रेड्डी अपने सामने किसी भी नेता को आगे नहीं बढ़ने देते। विडंबना यह है कि तेलंगाना प्रदेश में पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने की शिकायत के बावजूद एटाला राजेंद्र के खिलाफ पार्टी नेतृत्व ने कोई कार्रवाई नहीं की। पार्टी के केंद्रीय नेताओं के खिलाफ खुलेआम वक्तव्य देने वाले एम रघुनंदन राव, ए चंद्रशेखर और पूर्व सांसद रविंदर नाइक जैसे नेताओं के खिलाफ भी पार्टी नेतृत्व ने कोई कार्रवाई नहीं की, क्योंकि जी किशन रेड्डी जैसे नेता उनके साथ खड़े थे।

तेलंगाना के प्रखर भाजपा नेता बंडी संजय कुमार को प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के पद से हटाकर भाजपा नेतृत्व ने प्रदेश में भाजपा को कमजोर करने का काम किया। विधानसभा चुनाव में उसका नतीजा भी दिख गया। जी किशन रेड्डी को प्रदेश अध्यक्ष बना कर भाजपा ने जन आक्रोश का परिणाम देख लिया। बंडी संजय ने पूरे तेलंगाना प्रदेश की पद यात्रा करके भाजपा के प्रति लोगों में उत्साह पैदा किया था, उस अथक प्रयास को धूल में मिलाने में भाजपा नेतृत्व ने एक मिनट भी देरी नहीं की। भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व ने बंडी संजय को तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष पद से हटा कर उनकी जगह जी किशन रेड्डी को अध्यक्ष बना कर पूरी पार्टी को हास्य और मजाक का विषय बना दिया। सत्ता दंभ में पगे भाजपा नेताओं ने अविभाजित आंध्र प्रदेश के काल में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रहते हुए जी किशन रेड्डी क्या किया था, इसका भी स्मरण नहीं रख पाए। किशन रेड्डी भाजपा को अपने अंबरपेट निर्वाचन क्षेत्र से आगे नहीं ले जा पाए। भाजपा हैदराबाद से आगे नहीं बढ़ पाई।

वर्ष 2020 में तेलंगाना भाजपा के अध्यक्ष बने बंडी संजय के कार्यकाल में भाजपा की स्थिति में सुधार हुआ। पार्टी हैदराबाद से आगे बढ़ी और जीएचएमसी चुनावों, दुब्बक और हुजूराबाद विधानसभा उपचुनावों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। बंडी संजय तेलंगाना में मुख्य विपक्ष के रूप में कांग्रेस को ध्वस्त करने में कामयाब रहे और भाजपा बीआरएस के एक मजबूत विकल्प के रूप में उभरी। लेकिन बंडी संजय का इस तरह राजनीतिक फलक पर उभरना चाटुकार जमात को अच्छा नहीं लगा। जी किशन रेड्डी ने बंडी संजय के खिलाफ एटाला राजेंद्र और कोमाटिरेड्डी राजगोपाल रेड्डी जैसे नेताओं को लगाया जो बीआरएस और कांग्रेस से भाजपा में आए थे। कमाल है भाजपा नेतृत्व, जिसने बाहरी चुगलखोरों की सुनी और अपने प्रतिबद्ध नेता की बात नहीं सुनी। केंद्रीय नेतृत्व ने बंडी संजय को हाशिए पर धकेल कर तेलंगाना में पूरी पार्टी को ही हाशिए पर धकेलने का काम कर दिया।

इस बार भी भाजपा नेतृत्व ने एन रामचंद्र राव को तेलंगाना प्रदेश भाजपा का अध्यक्ष बना कर फिर से वही गलती दो-हराई। हैदराबाद विश्वविद्यालय के छात्र रोहित वेमुला आत्महत्या कांड के अभियुक्त रहे एन रामचंद्र राव को अध्यक्ष बना कर भाजपा नेतृत्व ने नए सिरे से विवाद अपने सिर मोल ले लिया। जबकि पार्टी के तमाम नेता और विधायक रामचंद्र राव को अध्यक्ष बनाए जाने का विरोध कर रहे थे। भाजपा विधायक टी राजा सिंह इस मामले में अगुवाई कर रहे थे। लेकिन चाटुकार प्रेमी भाजपा नेतृत्व ने विरोध करने वाले नेताओं की एक नहीं सुनी। इस स्थिति में टी राजा सिंह ने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को पत्र लिख कर सारी स्थितियों की जानकारी दी, लेकिन टी राजा सिंह का पत्र डस्टबिन में फेंक दिया गया और एन रामचंद्र राव को अध्यक्ष बनाने की घोषणा कर दी। स्वाभाविक है कि अपने स्वाभिमान की रक्षा करते हुए टी राजा सिंह ने भाजपा नेतृत्व के मुंह पर अपना इस्तीफे का करारा तमाचा जड़ दिया। ठीक वैसे ही जैसे स्वाभिमानी जगदीप धनखड़ ने इस्तीफे का तमाचा दे मारा, जिसकी अनुगूंज पूरे देश में सुनाई दे रही है...

सेक्स की...

जयसिंह ने कहा, सहमति की उम्र 16 से 18 करने का कोई ठोस या वैज्ञानिक कारण नहीं है। उन्होंने यह भी बताया कि पिछले 70 वर्ष तक यह उम्र 16 ही थी, लेकिन 2013 के आपराधिक कानून (संशोधन) अधिनियम के बाद इसे बढ़ा दिया गया, वह भी बिना किसी खुली बहस के। उन्होंने बताया कि जस्टिस वर्मा समिति ने भी सहमति की उम्र 16 साल ही बनाए रखने की सिफारिश की थी।

उन्होंने कहा कि आज के समय में किशोर पहले ही यौवनावस्था में पहुंच जाते हैं और अपने फैसले खुद लेने में सक्षम होते हैं। वे अपने मन से रोमांटिक और यौन संबंध बना सकते हैं। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण जैसे आंकड़े भी बताते हैं कि किशोरों में यौन संबंध बनाना कोई असामान्य बात नहीं है। जयसिंह ने आंकड़ों के हवाले से बताया कि 2017 से 2021 के बीच 16-18 साल के किशोरों के खिलाफ पॉक्सो के मामलों में 180 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने कहा, ज्यादातर मामलों में अक्सर लड़की की मर्जी के खिलाफ शिकायत माता-पिता की ओर से दर्ज करवाई जाती है, खासकर जब मामला अंतरजातीय या अंतरधार्मिक संबंध का होता है। उन्होंने चेताया कि ऐसे मामलों को अपराध मानने से किशोर जोड़े डरकर छिपते हैं, जल्दबाजी में शादी करते हैं या कानूनी संकट में पड़ जाते हैं, जबकि उन्हें खुली बातचीत और यौन शिक्षा की जरूरत होती है।

इंदिरा जयसिंह ने सुझाव दिया कि कानून में क्लोज-इन-एज एक्सेप्शन यानि उम्र में नजदीकी का प्रावधान जोड़ा जाए, जिससे 16 से 18 साल के किशोरों के बीच सहमति से बने यौन संबंधों को अपराध न माना जाए। उन्होंने कहा, किशोरों के बीच सहमति से बने यौन संबंधों को अपराध मानना न केवल अनुचित है, बल्कि संविधान के खिलाफ भी है। जयसिंह ने अंतरराष्ट्रीय नियमों और भारत के कानूनी फैसलों का भी जिक्र किया, जिनसे यह साबित होता है कि फैसले लेने की क्षमता सिर्फ उम्र पर आधारित नहीं होती।

उन्होंने ब्रिटेन के गिलिक मामले और भारत के पुट्टस्वामी मामले (गोपनीयता अधिकार से जुड़ा) का हवाला देते हुए कहा, स्वतंत्र निर्णय लेना निजता के अधिकार का हिस्सा है और यह अधिकार किशोरों को भी होना चाहिए। जयसिंह ने यह भी बताया कि बॉम्बे, मद्रास और मेघालय जैसे हाईकोर्ट ने भी ऐसे मामलों में पॉक्सो के तहत सीधे मामले दर्ज होने पर आपत्ति जताई है। इन उच्च न्यायालयों ने कहा है कि सभी नाबालिगों के बीच यौन संबंध जबरदस्ती या शोषण नहीं होते, इसलिए कानून को सहमति और शोषण के बीच फर्क करना चाहिए। जयसिंह ने सुप्रीम कोर्ट से अपील की कि 16 से 18 साल के किशोरों के बीच सहमति से बने यौन संबंधों को अपराध न माना जाए और उन्हें पॉक्सो या दुष्कर्म के कानून से बाहर रखा जाए। उन्होंने पॉक्सो की धारा 19 के तहत अनिवार्य रिपोर्टिंग की समीक्षा की मांग की, क्योंकि यह प्रावधान किशोरों को सुरक्षित चिकित्सा सहायता लेने से रोकता है। उन्होंने कहा, यौन स्वायत्तता मानव गरिमा का हिस्सा है। किशोरों को अपने शरीर से जुड़े फैसले लेने का अधिकार न देना संविधान के अनुच्छेद 14, 15, 19 और 21 का उल्लंघन है।

क्या फर्जी ...

कोई भी मतदाता या कोई मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल को 1 अगस्त से लेकर 1 सितंबर तक एक महीने का समय मिलेगा ताकि वे किसी भी पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची में शामिल करवा सकें, अगर उसका नाम बीएलओ/बीएलए द्वारा छोड़ दिया गया हो। साथ ही किसी भी मतदाता का नाम कटवा सकते हैं अगर बीएलओ/बीएलए द्वारा गलत तरीके से नाम शामिल किया गया हो।

बिहार में चुनाव आयोद द्वारा मतदाता सूची का पुनरीक्षण किया जा रहा है। जिसका विपक्ष द्वारा विरोध किया जा रहा है। दावा किया जा रहा है कि पुनरीक्षण में बिहार में कम से कम 56 लाख मतदाताओं के नाम कट सकते हैं। इसमें 20 लाख मतदाताओं का निधन हो चुका है। 28 लाख ऐसे मतदाताओं की पहचान की गई जो अपने पंजीकृत पते से स्थाई रूप से पलायन कर गए हैं। वहीं, एक लाख मतदाता ऐसे हैं जिनका कुछ पता नहीं है। 7 लाख मतदाता एक से अधिक स्थान पर पंजीकृत पाए गए हैं।

चुनाव आयोग के इस विशेष अभियान से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि करीब 15 लाख मतदाता अभी भी ऐसे हैं जिन्होंने अपने गणना प्रपत्र वापस नहीं किए हैं। इन्हें लेकर चुनाव आयोग राजनीतिक दलों के साथ गणना प्रपत्र एकत्र करने की कवायद कर रहा है। अब तक 7.7 करोड़ से ज्यादा मतदाता फॉर्म (कुल मतदाताओं का 90.89 फीसदी) मिल चुके हैं और इनकी डिजिटलीकरण भी कर दिया गया है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की ओर से कर्नाटक के एक निर्वाचन क्षेत्र में धोखाधड़ी का आरोप लगाने के सिलसिले में चुनाव आयोग ने कहा कि इस मुद्दे पर उच्च न्यायालय के फैसले का इंतजार किया जाना चाहिए और तब तक बेमानी बयानबाजी से राहुल गांधी को बचना चाहिए।

तो धनखड़ की ...

यह मांग बुधवार शाम व्यापार सलाहकार समिति (बीएसी) की बैठक में कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने उठाई। इस मांग पर सरकार की ओर से कोई जवाब नहीं मिला। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और किरेन रिजिजू ने इस विषय पर कुछ नहीं कहा। कांग्रेस चाहती है कि धनखड़ को एक सम्मानजनक विदाई दी जाए। वह तीन साल तक उपराष्ट्रपति के पद पर रहे।

कांग्रेस का आरोप है कि धनखड़ पर इस्तीफे का दबाव बनाया गया, क्योंकि उन्होंने विपक्षी सांसदों की ओर से दिए गए उस नोटिस को स्वीकार कर लिया था, जिसमें जस्टिस यशवंत वर्मा को हटाने की मांग थी। कुछ महीने पहले जस्टिस वर्मा के घर से जली हुई नकदी बरामद की गई थी। यह मांग ऐसे समय पर उठी है, जब राज्यसभा गुरुवार को अपने छह सदस्यों को विदाई दे रही है। इन सदस्यों में अंबुमणि रामदास, वाइको, पी विल्सन, एम षणमुगम, एम मोहम्मद अब्दुल्ला और एन चंद्रशेखरन शामिल हैं, जिन्हें विदाई दी जा रही है।

भारत-इजराइल के ...

इसके जवाब में भारत के रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने सात अक्टूबर 2023 को इजराइल में हमास द्वारा किए गए आतंकी हमले की निंदा की, जिसमें 1,200 से अधिक लोग मारे गए थे और 252 लोग बंधक बना लिए गए थे।

रक्षा सचिव सिंह ने बैठक में भारत की जीरो टॉलरेंस फॉर टेररिज्म नीति को दोहराया। उन्होंने कहा कि चाहे हमला भारत में हो या इजराइल में, निर्दोष लोगों की हत्या किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सात अक्टूबर के हमले में बंधक बनाए गए सभी लोगों की तत्काल रिहाई की मांग की। बैठक के दौरान दोनों देशों ने जुलाई 2024 में भारत में हुई ज्वाइंट वर्किंग ग्रुप की पिछली बैठक के बाद अब तक हुई प्रगति की समीक्षा भी की। इसमें हथियार प्रणाली, रक्षा तकनीक और संयुक्त प्रशिक्षण से जुड़ी गतिविधियों की समीक्षा शामिल रही। दोनों पक्षों ने संतोष जताया कि साझेदारी तेज गति से आगे बढ़ रही है।

मेजर जनरल आमिर बारम की यह यात्रा भारत-इजराइल रक्षा संबंधों में एक महत्वपूर्ण पड़ाव मानी जा रही है। इस मुलाकात ने दोनों देशों की रणनीतिक साझेदारी को और पुख्ता किया है। भारत और इजराइल ने इस अवसर पर दोहराया कि वे न केवल सुरक्षा और तकनीकी क्षेत्र में बल्कि वैश्विक आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भी एकजुट हैं।

इजराइल के रक्षा मंत्रालय के महानिदेशक मेजर जनरल आमिर बाराम ने गुरुवार को भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी से मुलाकात की। दोनों अधिकारियों ने क्षेत्रीय भू-राजनीतिक परिस्थितियों और क्षेत्रीय स्थिरता को बढ़ावा देने के उपायों पर विस्तृत चर्चा की। सेना की ओर से जारी बयान के अनुसार, यह मुलाकात नई दिल्ली में हुई जहां दोनों देशों के रक्षा संबंधों को और गहरा करने पर सहमति बनी। उन्होंने रक्षा सहयोग के नए आयामों की खोज की और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए साझा प्रतिबद्धता को दोहराया।

बांग्लादेश में हिंदुओं...

हो रहे सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय मंचों पर लगातार आवाज उठाई है और वैश्विक समर्थन हासिल किया है। उन्होंने बताया कि अमेरिका ने द रेसिस्टेंस फ्रंट को आतंकी संगठन घोषित किया है, जो लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा है। साथ ही भारत ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा का मुद्दा हर स्तर पर उठाया है और वहां की अंतरिम सरकार से दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने गुरुवार को राज्यसभा में कहा कि भारत ने पाकिस्तान से फैल रहे सीमा पार आतंकवाद के खतरे को लेकर सभी संबंधित पक्षों को लगातार सतर्क किया है। लगातार कोशिशों के कारण अब दुनिया भारत की चिंताओं को बेहतर तरीके से समझ रही है। भारत के प्रयासों से कई पाकिस्तान-आधारित आतंकवादियों और आतंकी संगठनों को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की 1267 प्रतिबंध समिति के तहत सूचीबद्ध किया गया है। साथ ही, पाकिस्तान को वित्तीय कार्रवाई कार्यबल (एफएटीएफ) की ग्रे लिस्ट में भी डाला गया।

उन्होंने बताया कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद यूएनएससी के प्रेस बयान में इस हमले की कड़ी निंदा की गई और यह माना गया कि हमले के दोषियों, योजनाकारों, समर्थकों और फंड देने वालों को सजा मिलनी चाहिए। कई वैश्विक नेताओं ने पहलगाम हमले के बाद भारत के आतंकवाद के खिलाफ उठाए गए कदमों का समर्थन किया है। हाल ही में अमेरिका ने द रेसिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) को विदेशी आतंकी संगठन (एफटीओ) और विशेष रूप से नामित वैश्विक आतंकी (एसडीजीटी) घोषित किया है। यह पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा का मुखौटा संगठन है।

अपनी शक्तियों का...

न्यायमूर्ति पारदीवाला ने कहा, यह अभियुक्तों को जमानत देने में विवेकाधीन शक्तियों का गलत इस्तेमाल करना है। यह बताते हुए कि सभी अभियुक्त जमानत पर बाहर हैं और मुकदमा अभी शुरू होना बाकी है, अदालत ने पूछा, क्या उच्च न्यायालय ने न्यायिक रूप से अपने विवेक का प्रयोग किया है?

उल्लेखनीय है कि 17 जुलाई को पीठ ने उच्च न्यायालय द्वारा आरोपी को जमानत दिए जाने पर आपत्ति जताई थी और कहा था कि जिस तरह से विवेकाधीन शक्ति का प्रयोग किया गया, उससे वह आश्वस्त नहीं है। न्यायमूर्ति पारदीवाला ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो हम उच्च न्यायालय द्वारा विवेकाधिकार के प्रयोग के तरीके से संतुष्ट नहीं हैं। शीर्ष अदालत ने 24 जनवरी को राज्य सरकार की याचिका पर पवित्रा गौड़ा और अन्य को मामले में नोटिस जारी किए थे। दर्शन को 11 जून 2024 को अपने एक फैन रेणुका स्वामी की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

नागकेसर से राहु-केतु और शनि होंगे शांत

शिव के प्रिय नागकेसर के बारे में ज्योतिष से आयुर्वेद तक ने बताया लाभ

नागकेसर के पौधे का ज्योतिष और वास्तुशास्त्र में बहुत खास महत्व होता है। यह पुष्प भगवान शिव को बेहद प्रिय होता है, जिसे घर में रखने से जातक को जीवन की कई समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है। इतना ही नहीं ज्योतिषीय के साथ-साथ नागकेसर को आयुर्वेद में भी एक चमत्कारी जड़ी-बूटी माना जाता है। इसके इस्तेमाल से व्यक्ति को अपने स्वास्थ्य से जुड़ी कई समस्याओं से राहत मिल सकती है। कहा जाता है कि अगर नागकेसर से जुड़े कुछ उपाय कर लिए जाएं तो इससे घर में कभी भी धन-वैभव की कमी नहीं होती है और जीवन में सुख-शांति हमेशा बनी रहती है। ऐसे में आज हम आपको शिवजी के प्रिय फूल नागकेसर से जुड़े ज्योतिष से लेकर आयुर्वेद तक के लाभ बताने जा रहे हैं। इनसे ग्रह दोष दूर हो सकते हैं और आर्थिक स्थिति भी मजबूत हो सकती है।

राहु-केतु और शनि दोष दूर करने का उपाय

ज्योतिषशास्त्र के अनुसार राहु-केतु और शनि दोष दूर करने के लिए नागकेसर का प्रयोग करना बहुत असरदार साबित हो सकता है। इसके लिए शनिवार के दिन एक लाल रंग के साफ वस्त्र में ताजे नागकेसर के पुष्प बांध लें। अब इसे पीपल के वृक्ष के नीचे रख दें और साथ ही, एक दीपक भी अवश्य जलाएं। ऐसा करने से जातक को शनिदेव की कृपा प्राप्त हो सकती और राहु-केतु व शनि दोष से भी राहत मिल सकती है।

धन-धान्य की प्राप्ति के लिए करें यह उपाय

अगर आप पैसों की तंगी का सामना कर रहे हैं या घर में चल रही आर्थिक तंगी से परेशान हैं, तो इसके लिए नागकेसर से जुड़ा एक उपाय कर सकते हैं। एक सफेद रंग के साफ वस्त्र में नागकेसर के ताजे फूल, हल्दी की गांठ और गोमती चक्र बांधकर तिजोरी या धन रखने वाले स्थान पर रख दें। ऐसा करने से माता लक्ष्मी की विशेष कृपा प्राप्त होती है और पैसों की तंगी से भी निजात मिल सकती है। इस एक उपाय से जातक को धन-धान्य की प्राप्ति हो सकती है।

घर में सुख-शांति बनाए रखने का उपाय

इसके लिए सुबह जल्दी उठकर स्नानादि करें और साफ वस्त्र धारण करें। इसके बाद, कुछ नागकेसर के ताजे पुष्प और उसके बीज को घर के मंदिर में लेजाकर रख दें। साथ ही, हर कुछ समय में इन फूलों को बदलते रहे हैं। इस उपाय को करने से घर से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और इसकी जगह सकारात्मक ऊर्जा का संचार बढ़ता है। साथ ही, इस आसान उपाय से घर में हमेशा शांति और सुख-समृद्धि बनी रहती है।

बुध और गुरु ग्रह के दोष से राहत का उपाय

कुंडली में बुध और गुरु ग्रह कमजोर होने से जातक को कारोबार और जीवन में कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में इनसे राहत पाने के लिए नागकेसर को चांदी की एक छोटी सी डिबिया में भर लें। अब इसे लॉकेट की तरह अपने गले में डालें। इस उपाय को करने से आपके जीवन से बुध ग्रह के बुरे प्रभाव कम हो सकते हैं और कारोबार में तरक्की हासिल होगी।

घर से नकारात्मक शक्तियां दूर रखने का उपाय

इसके लिए शनिवार के दिन नागकेसर के फूल, लौंग और कपूर मिलाकर इनकी धूप पूरे घर में दिखानी चाहिए। ऐसा करने से घर से नकारात्मक शक्तियां दूर होती हैं। साथ ही, इसे नवग्रह हवन में भी शामिल करना बहुत शुभ माना जाता है। इससे ग्रहों की बाधा कम होती है और मानसिक शांति मिलती है।

मनोकामना पूर्ति का विशेष उपाय

नागकेसर के पुष्प को देवी-देवताओं की पूजा में प्रयोग करना बहुत शुभ माना जाता है। इसे आप भगवान विष्णु, श्रीराम भगवान और भोलेनाथ की पूजा में अर्पित करना चाहिए। ऐसा करने से भगवान की विशेष कृपा प्राप्त होती है और जीवन की समस्याओं से भी निजात मिल सकती है। इस उपाय से आपका मनोकामनाएं पूर्ण हो सकती हैं।

नागकेसर के आयुर्वेदिक लाभ

ज्योतिष में नागकेसर के फूल को जितना खास और चमत्कारी माना जाता है उतना ही लाभदायक इसे आयुर्वेद में भी माना गया है। अगर आप नागकेसर के चूर्ण को प्रसाद के रूप में ग्रहण करते हैं तो इससे शरीर की कई समस्याओं से राहत मिल सकती है। यह शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मददगार होता है और त्वचा के लिए भी लाभकारी माना जाता है।

सावन का आखिरी सोमवार 4 अगस्त को

इस दिन जरुर करें इन चीजों का दान

सावन का महीना अध्यात्म, भक्ति और भगवान शिव का प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त करने का है। सावन का महीना खुद को शिव में मिलाने का महीना है। दरअसल, धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, सावन का महीना भगवान शिव को अति प्रिय है। इसलिए इस महीने में किए गए जप, तप का दोगुना फल मिलता है। लेकिन, सावन के सोमवार का अत्याधिक महत्व बताया गया है। सावन का महीना जल्द ही समाप्त होने वाला है। ऐसे में आपको पास भगवान शिव को प्रसन्न करने का बेहद ही कम समय बचा है। आखिरी सोमवार कब है और इस दिन भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए कौनसे 5 सरल उपाय हैं।

सावन का आखिरी सोमवार 4 अगस्त को होगा। सावन के आखिरी सोमवार पर कई शुभ योग बनने जा रहे हैं। इस दिन सर्वार्थ सिद्धि योग के साथ ब्रह्म और इंद्र योग का संयोग बनने वाला है। इसे अलावा इस दिन चंद्रमा अनुराधा नक्षत्र और चित्रा नक्षत्र में वृश्चिक राशि पर संचार करेंगे। ग्रहों के इस शुभ योग में इस दिए किए गए दान पुण्य आपको उत्तम फल की प्राप्ति कराएगा।

सावन के आखिरी सोमवार जरूर करें इन चीजों का दान

✻ अगर किसी व्यक्ति की कुंडली में चंद्रमा कमजोर स्थिति में है तो सावन के आखिरी सोमवार चंद्रमा से संबंधित वस्तुएं जैसे चावल, दूध, दही, चीनी और सफेद कपड़े किसी जरूरतमंद को दान दें। ऐसे करने से चंद्रमा की स्थिति कुंडली में मजबूत होगी। साथ ही मानसिक तनाव से आपको राहत मिलेगी।

✻ सावन के आखिरी सोमवार आप चाहें तो चांदी से जुड़ी वस्तुओं का दान कर सकते हैं। इस दान को करने से भी चंद्रमा की स्थिति आपकी कुंडली में मजबूत होगी। साथ ही जीवन में सुख समृद्धि आती है। साथ ही व्यक्ति को कार्यों में सफलता मिलती है।

सावन के आखिरी सोमवार जरूर करें ये उपाय

✻ सावन के आखिरी सोमवार को रुद्राभिषेक करना से भी भगवान शिव प्रसन्न होते हैं। रुद्राभिषेक कराने से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और ग्रह दोष शांत होते हैं। इसलिए सावन के आखिरी सोमवार को रुद्राभिषेक जरूर कराएं। ऐसा कहा जाता है कि रुद्राभिषेक करने से भगवान शिव अपने भक्तों की मनोकामना जल्द ही पूरी करते हैं।

✻ सावन के आखिरी सोमवार 108 बेलपत्र लेकर सफेद चंदन से उनपर ओम नमः शिवाय लिखें और एक एक करके भगवान शिव को अर्पित करें। इसी के साथ शमी के पत्ते लेकर उन पर शहर लगाकर भगवान शिव को अर्पित करें।

✻ सावन के आखिरी सोमवार किसी शिव मंदिर में जाकर भगवान शिव की पूरी श्रद्धा के साथ पूजा अर्चना करने के बाद जरुरमंद लोगों को भोजन कराएं और उन्हें अपने सामर्थ्य के अनुसार दान करें।

अपराजिता फूल के फायदे वेद से लेकर आयुर्वेद तक ग्रह दोष भी होंगे दूर और जीवन में पाएंगे तरक्की

अपराजिता फूल नीले और सफेद रंग के आपको मिल जाएंगे। इसे गोकर्ण या शंखपुष्पी भी कहते हैं क्योंकि, इसकी बनावट गाय के कान और शंख जैसा होता है। धार्मिक और ज्योतिषशास्त्र के साथ ही तंत्र शास्त्र में भी अपराजिता का काफी महत्व बताया गया है। इतना ही नहीं वेद से आयुर्वेद तक में अपराजिता का महत्व बताया गया है। इसकी जड़ से फूल तक सभी अंगों को लाभदायक बताया गया है। देवी से लेकर देवताओं तक सभी को अपराजिता प्रिया बताया गया है। बुद्धि और ज्ञान की वृद्धि के लिए और नजर दोष से आरोग्य तक अपराजिता के कई फायदे हैं। आप देवी देवताओं पर अपराजिता को अर्पित करें या इसे प्रसाद के तौर पर ग्रहण करें अपराजिता आपको हर क्षेत्र में अपने नाम के अनुसार अपराजित बना सकता है।

अपराजिता के इस उपाय से शत्रु बाधा होगी दूर

मंगलवार के दिन अगर आप अपराजिता से जुड़ा एक छोटा सा उपाय कर लें, तो इससे शत्रु बाधा से छुटकारा मिल सकता है और भगवान हनुमान की विशेष कृपा भी प्राप्त होती है। इसके लिए मंगलवार को स्नानादि करके लाल रंग के वस्त्र धारण करें। अब बजरंगबली के चरणों में अपराजिता के ताजे फूल अर्पित करें और 'ओम हं हनुमते नमः' मंत्र का 108 बार जाप करें। इस उपाय को करने से जातक को शत्रुओं विजय प्राप्त हो सकती है और जीवन की बाधाओं से भी मुक्ति मिलती है।

बुद्धि और एकाग्रता बढ़ाने के लिए करें यह उपाय

अपनी कुंडली में बुध ग्रह को मजबूत करने के लिए आप बुधवार के दिन भगवान गणेश की पूजा में अपराजिता के फूलों का प्रयोग कर सकते हैं। ऐसा करने से बुद्धि और एकाग्रता बढ़ती है। साथ ही, कारोबार में भी तरक्की के नए मार्ग खुलने लगते हैं। आप अपराजिता का काढ़ा बनाकर उसे प्रसाद के रूप में भी ग्रहण कर सकते हैं। आयुर्वेद में अपराजिता के काढ़े को सेहत के लिए बहुत उत्तम माना गया है।

मां दुर्गा की पूजा में शामिल करें अपराजिता

अपराजिता के फूलों को मां दुर्गा की पूजा में शामिल करना बहुत लाभकारी माना गया है। ऐसे में विधि पूर्वक माता रानी की पूजा करने के साथ-साथ उन्हें ताजे अपराजिता के फूल भी जरूर अर्पित करने चाहिए। ऐसा करने से जातक को जीवन की समस्याओं से निजात मिल सकती है और भय से भी मुक्ति मिलती है। वहीं, नवरात्रि के दौरान भी इन पुष्पों का प्रयोग करना बहुत शुभ माना जाता है। ऐसा करने से आपकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण हो सकती हैं।

शनि की साढ़ेसाती और ढैय्या से राहत का उपाय

माना जाता है कि शनिदेव को अपराजिता का फूल चढ़ाना बहुत उत्तम होता है। अगर आप शनिवार के दिन अपराजिता के फल शनि मंदिर में चढ़ाते हैं, तो इससे शनि की साढ़ेसाती और ढैय्या से राहत मिल सकती है। साथ ही, कुंडली में मौजूद राहु-केतु के दोष का प्रभाव भी कम होता है। अगर आप शनिवार को यह एक उपाय करते हैं तो इससे शनिदेव की विशेष कृपा प्राप्त हो सकती है।

वास्तु दोष दूर करने का उपाय

इसके लिए आप अपराजिता की जड़ को अपने मुख्य द्वार पर लगा सकते हैं। ऐसा करने से घर से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और इसकी जगह सकारात्मक ऊर्जा का संचार बढ़ता है। साथ ही, इस उपाय को करने से आपको वास्तु दोष से भी मुक्ति मिल सकती है और घर की समस्याएं भी दूर होने लगती हैं। अपराजिता की जड़ को मुख्य द्वार पर लगाने से परिवार के सदस्यों के बीच प्रेम बढ़ने लगता है।

अपराजिता के आयुर्वेदिक लाभ

ज्योतिष में अपराजिता के फूलों को जितना पवित्र माना गया है उतना ही इसे स्वास्थ्य के लिए आयुर्वेद में लाभकारी माना गया है। ऐसे में अगर अपराजिता के काढ़े को प्रसाद के रूप में ग्रहण करते हैं तो इससे तनाव और अनिद्रा की समस्या से छुटकारा मिल सकता है। साथ ही, रात में चैन की नींद आती है। अपराजिता का काढ़ा आपके मूड को बेहतर बना सकते है और यह त्वचा के लिए भी बहुत लाभकारी होता है।

आज वसुमान योग में देवी लक्ष्मी इन राशियों को बनाएंगे मालामाल

आज शुक्रवार, 25 जुलाई के दिन चंद्रमा से ग्यारहवें भाव में शुक्र के गोचर से वसुमान योग बन रहा है। इस शुभ योग में धन की देवी माता लक्ष्मी वृषभ, सिंह, कन्या और कुंभ राशि वालों पर अपनी कृपा बरसाएंगी। इन्हें अपनी मेहनत का शुभ परिणाम प्राप्त होगा और कारोबार में तरक्की के नए रास्ते भी खुलते नजर आएंगे। व्यापार करने वाले लोग उत्साह से भरे होंगे और हर काम में सफलता प्राप्त करेंगे। वहीं, नौकरी करने वालों की कार्यस्थल पर सराहना की जाएगी, जिससे आप पूरे दिन प्रसन्न रहेंगे। इसके अलावा, रचनात्मक कार्यों की मदद से आपको धन लाभ के भी सुनहरे अवसर मिल सकते हैं। बिजनेस करने वालों को नए संपर्क बनाने से लाभ मिलेगा।

मेष राशि : कार्यस्थल पर अच्छा रहेगा दिन

नौकरी करने वालों को ऑफिस में अपना काम पूरे करने के लिए ज्यादा मेहनत करनी पड़ सकती है। आपके काम को देखकर कार्यस्थल पर प्रमोशन को लेकर भी चर्चा की जा सकती है। साथ ही, परिवार के सदस्यों का भी पूरा सहयोग मिलेगा जिससे आपका मन काम में लगा रहेगा। हालांकि, घर के छोटे बच्चों को आपको कुछ समय देना होगा।

वृषभ राशि : व्यापार में पाएंगे सफलता

व्यापार के मामले में आप पूरे उत्साह से हर काम को पूरा करेंगे और उसमें सफलता भी प्राप्त करेंगे। कार्यक्षेत्र में दोपहर के बाद आपके सभी काम धीरे-धीरे बनने लगेंगे। इससे मन प्रसन्न रहेगा और अगर कहीं लंबे समय से आपका पैसा फंसा हुआ था, तो वह भी अब वापस मिल सकता है। बिजनेस के मामले में कोई भी सौदा करने से पहले अच्छी तरह सोच-विचार जरूर करें।

मिथुन राशि : लेने होंगे जरूरी फैसले

कामकाज के मामले में आपको फाइनेंस से जुड़े फैसले लेने होंगे क्योंकि, आने वाले समय में आज ज्यादा व्यस्त रह सकते हैं। कार्यक्षेत्र में नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं, जिसके लिए आपको मेहनत करनी होगी। परिवार में किसी शुभ कार्य की योजना बनाई जा सकती है और शाम को परिवार के सदस्यों के साथ शॉपिंग पर जाने का प्लान भी बन सकता है।

कर्क राशि : कोई नई डील होगी प्राप्त

आपको किसी बौद्धिक काम में सफलता प्राप्त हो सकती है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। वहीं, व्यापार के मामले में कोई नई डील भी शर्तों के साथ प्राप्त हो सकती है। लेकिन कार्यक्षेत्र में आपको कोई भी फैसला सोच-समझकर लेना होगा। आपकी रुचि ध्यान और अध्यात्म में भी बढ़ सकता ही। साथ ही, किसी धार्मिक यात्रा पर जाने की योजना भी बनाई जा सकती है।

सिंह राशि : कार्यस्थल पर होगी सराहना

नौकरी करने वालों का दिन अच्छा रहने वाला है। कार्यस्थल पर सहकर्मी आपके टीमवर्क को देखकर हैरान रह जाएंगे और आपकी सराहना भी की जाएगी। साथ ही, आपको आसपास के लोगों से पूरा सहयोग प्राप्त होगा। आपको कुछ लोगों से प्रेरणा भी मिल सकती है, जिससे खुशी महसूस होगी। अगर लंबे समय से किसी कानूनी विवाद या झगड़े में फंसे थे तो अब आपको उनसे छुटकारा मिल सकता है।

कन्या राशि : धन कमाने के मिलेंगे अवसर

आपकी रचनात्मक कार्यों में ज्यादा रुचि बढ़ सकती है। लेकिन इसके लिए आपको इधर उधर की बातों को इग्नोर करके अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करना होगा। इसी के चलते आपको धन कमाने के भी सुनहरे अवसर प्राप्त हो सकते हैं। दिन में कुछ पैसों की तंगी हो सकती है, लेकिन शाम होते-होते वह दूर हो जाएगी। लेकिन आपके लिए इस समय किसी को उधार देना सही नहीं होगा।

तुला राशि : कार्यस्थल पर जरूरी दस्तावेज रखें तैयार

व्यापार और नौकरी के मामले में आपका दिन अच्छा रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में काम अच्छा चलेगा, जिससे मानसिक संतुलन बना रहेगा। कार्यस्थल पर आपको अपने जरूरी दस्तावेजों को तैयार रखना होगा क्योंकि, इनकी जरूरत कभी भी पड़ सकती है। साथ ही, अपने आसपास के लोगों पर भी नजर बनाए रखें। आप अपने अच्छे व्यवहार और बातचीत करने के तरीके से लोगों पर गहरा प्रभाव छोड़ेंगे।

वृश्चिक राशि : पैसों के मामले में रहें सावधान

व्यापार के मामले में आपको अपनी योजनाओं को और विचारों पर अब अमल करने का मौका मिल सकता है। साथ ही, राजनीति में भी रुचि बढ़ सकती है। पैसों के मामले में आपको सावधान रहना होगा, अन्यथा किसी व्यक्ति के कारण आपको धन की हानि हो सकती है। आपको अपने निजी रिश्तों पर भी थोड़ा ध्यान देने की जरूरत हो सकती है।

धनु राशि : भागदौड़ से पाएंगे लाभ

आपका दिन मेहनत भरा रह सकता है क्योंकि, कार्यस्थल पर अपने काम को पूरा करने में आपको ज्यादा व्यस्त रहेंगे। लेकिन काम के सिलसिले में भाग दौड़ करने से आपको लाभ जरूर प्राप्त होगा। व्यापार के मामले में आपको अपनी प्रतिभा भर पर विश्वास रखना होगा। लव लाइफ बिता रहे लोगों का दिन भी अच्छा रहने वाला है।

मकर राशि : दस्तावेज पर सावधानी से करें साइन

आपको किसी भी कानूनी दस्तावेज पर साइन करते समय सावधानी बरतनी होगी। पहले सभी चीजों को अच्छी तरह जांच ले और उसके बाद ही किसी भी दस्तावेज पर हस्ताक्षर करें। आप कार्यक्षेत्र में अपने कामों को एक एक करके निपटाएंगे जिससे बहुत संतुष्टि महसूस होगी। साथ ही, घर के कुछ जरूरी काम निपटाने में भी आपका ज्यादा समय निकल सकता है।

कुंभ राशि : कार्यक्षेत्र में नए संपर्क से मिलेगा लाभ

आप पूरे दिन किसी शुभ समाचार के इंतजार में रह सकते हैं। व्यापार के मामले में आपको किसी यात्रा पर भी जाना पड़ सकता है। कार्यक्षेत्र में नए लोगों से मेलजोल बढ़ाना आपके लिए लाभकारी हो सकता है। धन लाभ के भी अच्छे योग बन रहे हैं। लव लाइफ बिता रहे लोगों का दिन भी अच्छा रहने वाला है। आपके बीच का प्रेम बढ़ेगा।

मीन राशि : समझदारी से करें काम

सुबह के समय किसी बात को लेकर थोड़े परेशान रह सकते हैं। लेकिन दोपहर में वही वजह आपके आपको खुशी दे सकती है। नौकरी करने वालों को कार्यस्थल पर समझदारी से काम करने होंगे, तभी लाभ प्राप्त होगा। बुद्धि से जुड़े संबंधित कामों के अच्छे परिणाम आपको शाम तक प्राप्त हो सकते हैं। बिजनेस के मामले में किसी डील को फाइनल करने का काम कुछ वक्त टल सकता है।

घर की इस दिशा में गेंदे का पौधा लगाने से सकारात्मक ऊर्जा का होता है संचार

पीले और नारंगी रंग के गेंदे के फूलों का हिंदू धर्म में खास महत्व होता है। इसे देवी-देवताओं की पूजा में और धार्मिक कार्यों में विशेष रूप से प्रयोग किया जाता है। गेंदे के पीले फूल बिल्कुल सूर्योदय के रंग जैसे प्रतीत होते हैं। वहीं, नारंगी रंग के गेंदे के फूल सूर्यास्त के प्रतीक होते हैं। साथ ही, भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी को ये फूल बेहद प्रिय होते हैं। ऐसे में वास्तुशास्त्र में भी गेंदे के फूलों का खास महत्व बताया गया है। इसे घर में लगाने से सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और धन-धान्य की भी प्राप्ति होती है।

गेंदे के फूल सही दिशा में लगाने के लाभ

माना जाता है कि घर में सही स्थान पर गेंदे के फूल को रखने से नाकारात्मक ऊर्जा दूर रहती है। साथ ही, इसकी मनमोहक सुगंध से आसपास का वातावरण सकारात्मक होता है। अगर आप गेंदे के फूल को घर में सही दिशा में लगाते हैं तो इससे माता लक्ष्मी और विष्णुजी की कृपा प्राप्त हो सकती है। साथ ही, घर में सुख-समृद्धि और शांति सदैव बनी रहती है। इन फूलों को पूजा में भी जरूर प्रयोग करना चाहिए। ऐसा करने से आपको पैसों की तंगी से निजात मिल सकती है और धन लाभ योग बनने लगते हैं। घर में गेंदे के फूल लगाने से परिवार के बीच का माहौल खुशनुमा बना रहता है जीवन में तरक्की के नए रास्ते भी खुलने लगते हैं।

गेंदे का फूल घर की इस दिशा में लगाएं

वास्तुशास्त्र के अनुसार, गेंदे के फूलों को घर की सही दिशा में लगाना बहुत जरूरी होता है। अगर आप इसे गलत स्थान या दिशा में रखते हैं तो इससे अशुभ फल की प्राप्ति हो सकती है। वास्तु के अनुसार, गेंदे के फूल का पौधा हमेशा ईशान कोण यानी उत्तर-पूर्व दिशा में लगाना चाहिए। इसके अलावा, आप पूर्व या उत्तर दिशा में भी इस शुभ पौधे को लगा सकते हैं। ऐसा करने से घर से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और इसकी जगह सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। साथ ही, इस पौधे से आसपास का वातावरण भी शुद्ध होता है।

गेंदे का पौधा लगाने के विशेष वास्तु नियम

इस शुभ पौधे को घर के मुख्य द्वार पर लगाना भी बहुत शुभ माना जाता है। ऐसा करने से घर के अंदर नकारात्मक ऊर्जा प्रवेश नहीं कर पाती है।

वास्तुशास्त्र के अनुसार, घर में कभी भी गेंदे के पौधे को दक्षिण या पश्चिम दिशा में नहीं लगाना चाहिए। ऐसा करने से अशुभ फल की प्राप्ति हो सकती है।

गेंदे के फूल को भूलकर भी गंदे स्थान, रसोई घर, बाथरूम और टॉयलेट के पास नहीं रखना चाहिए। इन जगहों पर गेंदे के पौधे को रखना शुभ नहीं माना जाता है।

घर में कभी भी ऐसा गेंदे का पौधा नहीं रखना चाहिए जो पूरी तरह मुरझा गया हो या उसके फूल और पत्ते सूख रहे हों। साथ ही, पौधे के हरा-भरा रहने का भी ख्याल रखना चाहिए।गेंदे के फूलों की माला बनाकर देवी-देवताओं को समर्पित करनी चाहिए। ऐसा करने से जातक को भगवान की विशेष कृपा प्राप्त हो सकती है।

हीरो बनने आए थे, बाबूजी बनकर छा गए

जानें आलोक नाथ का दिलचस्प फिल्मी सफर

आलोक नाथ का नाम सुनते ही हमारे दिमाग में सबसे पहले एक संस्कारी बाबूजी की तस्वीर उभरती है। वह जो हमेशा बड़े प्यार से अपने परिवार की देखभाल करते हैं, संस्कारों की बात करते हैं और बड़े ही सलीके से बच्चों और बहुओं को समझाते हैं। उनकी यह छवि बॉलीवुड और टीवी दोनों जगह ऐसी बन गई है कि लोग उन्हें संस्कारी पिता के तौर पर ही जानते हैं। बहुत सी फिल्मों में उन्होंने ऐसा किरदार निभाया कि लोग उन्हें असल जिंदगी में भी ऐसा ही समझ बैठते हैं। चाहे वह हम आपके हैं कौन, विवाह, हम साथ साथ हैं जैसी फिल्में हों या टीवी के मशहूर शो बुनियाद और विदाई, आलोक नाथ ने अपने अभिनय से संस्कारी बाबूजी का जो रोल निभाया, वह आज भी लोगों के दिलों में जिंदा है। लेकिन उनकी जिंदगी और करियर की कहानी उस 'संस्कारी बाबूजी' से बहुत अलग है।

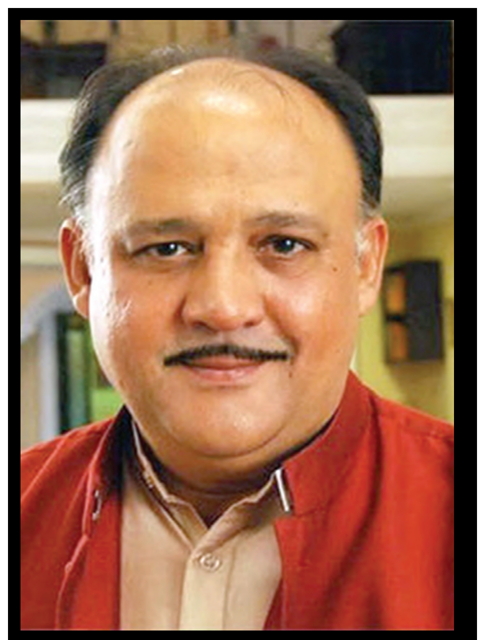

असल जिंदगी में उन्होंने काफी संघर्ष किया। बहुत कम लोग जानते हैं कि जब उन्होंने अपना एक्टिंग करियर शुरू किया था, तब उनका सपना कुछ और ही था। वह हीरो बनना चाहते थे, लेकिन किस्मत ने उन्हें हीरो तो नहीं, लेकिन 'बाबूजी' बनाकर लोगों के दिलों में जगह जरूर दिला दी।

आलोक नाथ का जन्म 10 जुलाई 1956 को बिहार के खगड़िया जिले में हुआ था। बचपन से ही उन्हें एक्टिंग का बहुत शौक था। उन्हें पढ़ाई में कम और एक्टिंग में ज्यादा मन लगता था। उन्होंने एक्टर बनने की बचपन से ही ठान ली थी। इसी सपने को पूरा करने के लिए उन्होंने दिल्ली के नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा (एनएसडी) में दाखिला लिया। वहां उन्होंने थिएटर सीखा और अपने हुनर को निखारा। एक्टिंग में उनका मन पूरी तरह रम गया था और वह हीरो बनने की ख्वाहिश लिए मुंबई आ गए।

साल 1982 में उन्हें पहली बार फिल्म गांधी में छोटा सा रोल मिला और इसके लिए उन्हें 20 हजार रुपए की पहली कमाई भी मिली। उस समय उनके पिता की सालाना कमाई 10 हजार रुपए थी। उनकी इस कमाई ने घरवालों को भी चौंका दिया, जिसके बाद आलोक के अभिनय करियर को पिता का भी सपोर्ट मिलने लगा। उन्होंने मशाल, सारांश, मोहरा जैसी फिल्मों में बतौर सपोर्टिंग एक्टर काम किया। इंडस्ट्री में बने रहने के लिए उन्होंने मजबूरी में 30 साल की उम्र में अपने से दोगुनी उम्र के पिता वाले किरदार निभाए। इस दौरान इन किरदारों से मेकर्स को एक बात समझ में आने लगी कि उनकी शक्ल और अंदाज किसी हीरो की भूमिका में नहीं, बल्कि संस्कारी पिता के रोल में ज्यादा फिट बैठते हैं।

साल 1988 में आई फिल्म कयामत से कयामत तक में उन्होंने ऐसे पिता का किरदार निभाया, जो आमिर खान को पाल-पोसकर बड़ा करता है। उनका यह किरदार हर दर्शक के दिल को छू गया। इसके बाद 1989 में उन्होंने मैंने प्यार किया में भाग्यश्री के पिता का किरदार अदा किया और यहां से उनकी 'बाबूजी' के रूप में छवि पक्की हो गई। इसके बाद आलोक नाथ ने अपने करियर में कई ऐसी फिल्में कीं, जिनमें उन्होंने पिता, समधी या बुजुर्ग व्यक्ति का किरदार निभाया। वह हम आपके हैं कौन, विवाह, हम साथ साथ हैं, परदेस, ताल जैसी कई फिल्मों में बाबूजी के किरदार में दिखे। टीवी पर भी उन्होंने बुनियाद, रिश्ते, सपना बाबुल का... बिदाई' जैसे शो में पिता का रोल करके लाखों लोगों का दिल जीता।

इस दौरान आलोक नाथ संस्कारी बाबूजी के रोल में अपने करियर को बंधा महसूस करने लगे। वह इस छवि से बाहर निकलना चाहते थे। उन्होंने बोल राधा बोल, षड्यंत्र, विनाशक जैसी फिल्मों में निगेटिव रोल किए, और कामाग्नि जैसी फिल्मों में रोमांटिक अवतार में भी नजर आए। लेकिन दर्शकों ने उन्हें हर बार 'संस्कारी बाबूजी' के रूप में ही ज्यादा पसंद किया।उन्होंने अपने करियर में 300 से ज्यादा फिल्मों और 15 से ज्यादा टीवी शोज में

फिल्म 'किंग' में राघव जुयाल की एंट्री

जैकी श्रॉफ-शाहरुख खान संग आएंगे नजर

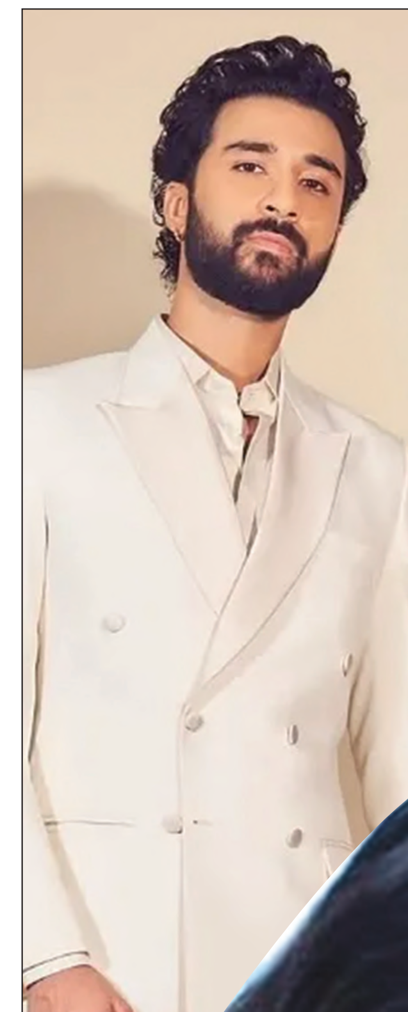

फिल्म इंडस्ट्री के उभरते सितारे और 'स्लो मोशन किंग' राघव जुयाल जल्द ही किंग में नजर आएंगे। शाहरुख खान की मोस्टअवेटेड फिल्म में वो जैकी श्रॉफ के बेटे की भूमिका निभाने जा रहे हैं।इस हाई-वोल्टेज एक्शन थ्रिलर में जैकी श्रॉफ एक खतरनाक खलनायक के किरदार में नजर आएंगे। यह जानकारी करीबी सूत्र ने साझा की है।सूत्र ने बताया, राघव जुयाल फिल्म किंग में हैं और वह जैकी श्रॉफ के बेटे का किरदार निभाएंगे।

उन्होंने खुलासा किया कि फिल्म की अधिकांश शूटिंग पूरी हो चुकी है। उन्होंने बताया, फिल्म का मुख्य हिस्सा शूट हो चुका है। बचे हुए दृश्यों की शूटिंग अक्टूबर में होगी और कुछ हिस्से अगले साल फिल्माए जाएंगे। 'किंग' का निर्देशन सिद्धार्थ आनंद कर रहे हैं, जो पठान जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्म बना चुके हैं। इस फिल्म में शाहरुख खान के साथ उनकी बेटी सुहाना खान भी पहली बार बड़े पर्दे पर नजर आएंगी। हालांकि, दोनों पहले आर्यन खान के निर्देशन में एक विज्ञापन में साथ दिख चुके हैं।फिल्म किंग में राघव जुयाल, शाहरुख खान, और जैकी श्रॉफ के साथ दीपिका पादुकोण, अभिषेक बच्चन, जयदीप अहलावत, अनिल कपूर और अभय वर्मा जैसे सितारे भी अहम भूमिकाओं में हैं। अभिषेक बच्चन भी इस फिल्म में खलनायक की भूमिका में दिखेंगे, जिसकी पुष्टि मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने हाल ही में की थी।राघव अपने शानदार डांस मूव्स और साल 2024 में आई फिल्म किल में दमदार अभिनय के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने हाल ही में बताया कि वह एक प्रोजेक्ट के काम में व्यस्त थे।

फिल्म सलाकार में मेरा अब तक का सबसे अलग किरदार

कलाकार के तौर पर आगे बढ़ने का मौका मिला : मौनी रॉय

अभिनेत्री मौनी रॉय की आगामी जासूसी थ्रिलर फिल्म सलाकार' रिलीज होने के लिए तैयार है। अभिनेत्री ने फिल्म में अपने अनुभव को साझा किया है। अभिनेत्री ने कहा, इसमें काम करके मुझे बहुत खुशी हुई। यह मेरे लिए अभी तक का सबसे अलग हटकर या खास तरह का किरदार है। इसकी कहानी ने मुझे एक कलाकार के रूप में आगे बढ़ने का मौका दिया।

अभिनेत्री ने टीम की तारीफ करते हुए बताया, सेट पर पूरी टीम का माहौल काफी अच्छा रहता था। हम सब मिलकर काम करते थे। अब मैं दर्शकों के लिए काफी उत्साहित हूं, फिल्म में उन्हें मेरा ऐसा किरदार देखने के लिए मिलेगा जो उन्होंने पहले कभी देखा ही नहीं होगा।

बता दें, फिल्म के निर्माताओं ने सोमवार को इसका टीजर रिलीज कर दिया, फिल्म एक भारतीय जासूस की कहानी पर आधारित है। यह फिल्म ऐतिहासिक बैकग्राउंड पर आधारित है और इसमें रहस्य-रोमांच के कई मोड़ देखने को मिलेंगे।

इसमें मौनी रॉय के साथ मुकेश ऋषि, कस्तूरिया और सूर्या शर्मा भी हैं। सच्ची घटनाओं पर आधारित यह कहानी एक ऐसे जासूस की कहानी है, जो अपनी खुफिया जानकारी से देश की सुरक्षा के लिए खतरा बने दुश्मनों को सफलतापूर्वक मार देता है और पाकिस्तान में गुप्त तरीके से परमाणु ठिकानों के अस्तित्व का पता लगाता है।निर्देशक और सह-लेखक, फारुक कबीर ने कहा, सलाकार एक जासूसी थ्रिलर की कहानी है। जो एक्शन के लिए नहीं, बल्कि खुफिया जानकारी और बलिदान के लिए बनी है।

कबीर ने आगे कहा, नवीन, मुकेश और मौनी के साथ काम करना मेरे लिए एक अविश्वसनीय अनुभव था, उन्होंने फिल्म में अपना किरदार बखूबी से निभाया है। मैं इस फिल्म के जरिए उन लोगों को श्रद्धांजलि देना चाहूंगा, जिन्होंने न केवल गोलियों से, बल्कि अपनी प्रतिभा से भी लड़ाई लड़ी। सलाकार 8 अगस्त से जियो हॉटस्टार पर रिलीज की जाएगी।

जेनिफर विंगेट ने सोशल मीडिया पर बताया

उनका दिल किसके पास है?

दिल मिल गए, सरस्वतीचंद्र, बेहद जैसे लोकप्रिय टीवी सीरियल से घर-घर में पहचान बना चुकीं अभिनेत्री जेनिफर विंगेट ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए अपने दिल की बात बयां की। अभिनेत्री ने [illegible] इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर एक 'बॉर्डर कॉली [illegible] (कुत्ते की एक नस्ल) को गले लगाती तस्वी[illegible] शेयर की, जिसके कैप्शन में अभिनेत्री ने लिखा, [illegible] इसने मेरा दिल जीत लिया है।

जेनिफर टेलीविजन की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली अभिनेत्रियों में से एक हैं और उन्हें भारतीय टेलीविजन अकादमी पुरस्कार सहित कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। अभिनेत्री ने अपने करियर की शुरुआत साल 1995 की फिल्म 'अकेले हम अकेले तुम' से बाल कलाकार के रूप में की थी। इसके बाद वह साल 2002 में लोकप्रिय टेलीविजन सीरियल 'शाका लाका बूम बूम' में नजर आईं। इसके बाद उन्हें 'कसौटी जिंदगी की' में स्नेहा बजाज की भूमिका, 'संगम' में गंगा भाटिया और 'दिल मिल गए' में रिद्धिमा गुप्ता की भूमिका में देखा गया। इन किरदारों ने उन्हें घर-घर में लोकप्रिय बनाया।

अभिनेत्री टीवी सीरियल 'सरस्वतीचंद्र' में कुमुद सुंदरी के रोल में दिखीं, इसके बाद 'बेहद' में माया मेहरोत्रा का [illegible] निभाया और रोमांटिक ड्रामा सीरीज 'बेपनाह' में जोया सिद्दीकी के तौर पर दिखीं। अभिनेत्री को आखिरी बार छोटे पर्दे पर, शिविन नारंग और आशीष चौधरी के साथ 'बेहद 2' में देखा गया था।

[illegible] 40 वर्षीय अभिनेत्री ने वेब सीरीज 'कोड [illegible]म' से अपना ओटीटी डेब्यू किया था। [illegible]024 में आई ओटीटी सीरीज [illegible]ायसिंघानी वर्सेस रायसिंघानी' में भी [illegible] दिखी थीं। शो को अनिरुद्ध [illegible]जदेरकर ने निर्देशित किया था। शो [illegible] कहानी अनुष्का नाम की [illegible]ड़की के इर्द-गिर्द घूमती है। जो [illegible]क स्पष्टवादी, ईमानदार और [illegible]द्धिमान वकील है, सीरीज में [illegible]ता की प्रतिष्ठित लॉ फर्म में [illegible] अपनी पहचान बनाने की [illegible]ोशिश करती है।

[illegible] वर्कफ्रंट की बात करें तो [illegible]निफर जल्द परिणीति [illegible]पड़ा के साथ मिस्ट्री थ्रिलर [illegible] नजर आएंगी। इसके [illegible]र्देशक और लेखक 'रेंसिल डिसिल्वा' हैं। ये थ्रिलर नेटफ्लिक्स पर प्रसारित होगा। इस शो का निर्माण 'महाराज' के निर्देशक सिद्धार्थ पी. मल्होत्रा और अल्केमी प्रोडक्शंस की सपना मल्होत्रा कर रही हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज छात्रों के लिए सुनहरा दिन रहेगा , आपकी लोकप्रियता दिनोंदिन बढेगी . इस अवधि के दौरान व्यवसाय के हिसाब से यात्रा हो सकती हैं. आपके द्वारा अपनी पूरी कार्य क्षमता का प्रयोग आपको हर हल में सफल बनाएगा. प्रेमी जोडों के लिए समय शुभ नहीं है. आपको अपने जीवनसाथी का ख्याल रखने की जरुरत है. सहोदर सम्बन्ध मे कुछ मतभेद आ सकते हैं. चिकनाई वाला भोजन आप को हृदय सम्बंधित तकलीफ दे सकता हैं संतुलित आहार लें।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

तकनीकी क्षेत्र से जुडे हुए व्यवसायी को अधिक महनत करनी पडेगी। उस के बाद भी आप खुद को एनर्जी से भरा महसूस करेंगे. आप जिस काम को करेंगे, वो समय से पहले पूरा हो जायेगा. किसी जरूरी काम में जी–वनसाथी की सलाह लेना फायदेमंद रहेगा. निजी क्षेत्र मे जॉब करने वाले लोगों के लिए आज का दिन फायदेमंद है. सोचे हुए सभी काम समय पर पूरे होंगे. आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी. आप की सन्तान कन्या के रूप मे है तो कुछ ना कुछ उपहार जरूर दे.

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आप कलाकार हैं तो आप की बडे स्तर पर पहचान बनेगी धन कोष मे भी बढोत्तरी होगी नयी कम्पनी से जुडऩे का आफर भी मिल सकता हैं. अपने जीवन साथी की इच्छाओं को आप पूरा करने का भरपूर प्रयास करेंगे रिश्तोमे मे मीठास बढेगी । ध्यान रखें रिश्तों के प्रति अपनी इच्छाओं को इतना न बढ़ाते चले जाएं कि उसका बुरा असर अपने जीवन रेखा की धारा को ही मोड दें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज सुबह बडे बुजुर्गो का सम्मान एवं आशीर्वाद लेकर चलें। कठिनाइयों को दूर करने मे आप सक्षम होंगे. आपकी मेहनत का बरोबर महन्ताना आप को मिलेगा आज व्या–वसायिक रूप से आपके पास अपने आर्थिक पक्ष को बढाने के लिए बहुत अच्छे अवसर होंगे. आज साझेदारी का कारोबार भी आप को लाभ की स्थिति मे ले आएगा बढ़े हुए व्यय के कारण साझेदारी मे कुछ समस्याएं आ सकती है. आज आप थोड़े लापरवाह मूड में हो सकते हैं। आप को पारिवारिक जरुरतों को पहले पूरा करना चाहिए सेहत तंदुरुस्त रहेगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज धार्मिकता मन मे बढेगी आपका दिन ठीक–ठाक रहेगा. शि–क्षकों को अपने छात्रों पर कड़ी मेहनत करने की जरुरत है. किसी भी काम को शुरूआत करने से पहले जीवनसाथी से राय– मशविरा कर लेने से अच्छा रहेगा. आप कहीं लंबी यात्रा पर जा सकते हैं. कुछ मामलों में आप अपनी बातों पर कायम नहीं रह पायेंगे.कोई नया दोस्त बन सकता है. शाम का समय कठिन परिस्थितियो वाला हो सकता हैं अपने भरोसेमंद साथीयो से मदद मिल जाएगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आप अपनी शारीरीक क्षमताओं के बलबूते अपने विरोधियों को परास्त करने मे सफल होंगे अपने काम को भी आगे बढाएंगे . आप अपनी बुरी आदतों को छोड़ कर अच्छी आदतों को अपनाना चाहेंगे. आप अपने रिश्तों पर भी एक नजर डालेंगे और उन्हें और अच्छा बनाने की सोचेंगे. आज अज्ञात कारण वश मन चिंतित रहेगा. प्राप्त हुआ धन आपकी उम्मीद के मुताबिक नहीं होगा. कामकाज के क्षेत्र में भी अपने साथीयों का पूरा सहयोग रहेगा , स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

अपनी कार्यशैली को सुधारने की आवश्यकता हैं किसी सहकर्मी की मदद लेने की जरुरत पडेगी . आपको अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन करने के लिए पर्याप्त अवसर मिलेंगे. राजनीति मे नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं. मीडिया से जुड़े क्षेत्रों के लोगों के पास खुद को व्यस्त रखने के लिए पर्याप्त काम होगा. बच्चे और परिवार भी आप की सफलता का भरपूर आनंद उठांएगे . अपने बच्चों के लिए विवाह के लिए नये रिश्ते आ सकते हैं आप की जिम्मेदारी पूरी हो सकती हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज कुछ जरुरतमंदो को अनाज दान करें सहयोग करें आपका दिन पहले की अपेक्षा अच्छा रहेगा. आप को बड़े अधिकारियों का सहयोग मिलेगा. आमदनी में इज़ाफ़ा होने के आसार नज़र आ रहे हैं. पूरे दिन खुद को तरोताज़ा महसूस करेंगे. आप सामाजिक क्षेत्र से जुड़े हुए है तो आज यात्रा का बन रहा हैं. घर परिवार का वातावरण शांतिदायक रहेगा. आध्यात्मिकता की ओर आपका रुझान रहेगा. कुछ अन्तराल के बाद परिवार के साथ पहाड़ी क्षेत्र पर सैरसपाटे के लिए जाएंगे ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज मन तो शान्त रहेगा परन्तु नौकरी में संगी–साथी से मतभेद के चलते कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है. किसी भी चीज को छोटा न समझें, आप के जीवन मे नए संबंध बन सकते हैं आप के लिए लाभकारी रहेगा . वाहन खरीदने के योग बनेंगे सुख–सौभाग्य बना रहेगा. कारोबार के क्षेत्र का वातावरण अनुकूल रहेगा. सभी कार्य किसी रूकावट के बिना पूर्ण होंगे । गणेश जी को बूंदी के लड्डू का भोग लगाए।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज धन सम्बन्धित चिंता से मुक्त रहेंगे परन्तु स्वास्थ्य को लेकर आप परेशान हो सकते हैं आर्थिक मामलों में सुधार होगा. जो काम आरंभ करेंगे उस मे सफ़लता मिलेगी. प्रभावशाली एवं महत्वपूर्ण व्यक्तियों से आपका मिलना होगा और इससे आपको फायदा भी होगा. लाभप्रद सौदे हाथ लगेंगे. परिवार के साथ आनंदद–यी समय बीतेगा. बच्चे शिक्षा पढाई को लेकर आप को परेशान कर सकते हैं योग प्राणायाम करते रहें तभी स्वास्थ्य सुधरेगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज गणेश मंत्र का जप करके ही कार्य का आरंभ करें धन लाभ निश्चित होगा आपका दिन शानदार रहेगा. लोगों का विश्वास आप पर बना रहेगा. अगर आप हाई एजुकेशन पाने की ख्वाहिश रखते हैं तो गणेश जी के मंत्र के साथ सरस्वती मंत्र का जप करें . शिक्षा मे उन्नति होगी बच्चों की तरफ से शुभ समाचार मिलेंगें. घर का माहौल खुशनुमा बना रहेगा. दाम्पत्य जीवन में आपसी सामंजस्य उत्तम रहेगा. नियमित कामकाज में आपका मन लगेगा. रोजमर्रा के कामों से फायदा होगा. अगर आप का पैसा कारोबार में रूका हुआ हैं तो बहते हुए जल मे आटा और चीनी प्रवाहित करें पैसा वापस मिलेगा.

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आप को सतर्क रहना पडेगा अकस्मात कुछ घट सकता हैं प्रातः काल सूर्य को अर्घ्य और शिवमंत्र का जप करें आज आप का मान–सम्मान बढ़ेगा और धनलाभ होगा. हर काम को बड़ी कुशलता से निपटा लेगे. भावनाओं में बहकर किसी अनुचित काम ना करें. वैवाहिक जीवन के लिए अच्छा दिन है. नौकरी मे मुश्किलें बन रही है तो अपने मित्रों का सहयोग लेने से मत कतराएं आप का आसान हो जाएगा ।

आज का पंचांग

दिनांक : 25 जुलाई 2025 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2082
मास : श्रावण , कृष्ण पक्ष
तिथि : प्रतिपदा रात्रि 11:25 तक
नक्षत्र : पुष्य सायं 04:01 तक
योग : वज्र प्रातः 07:28 तक
करण : किंस्तुघ्न दोपहर 12:00 तक
चन्द्रराशि : कर्क
सूर्योदय : 05:53 , सूर्यास्त 06:51 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:03 , सूर्यास्त 06:48 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:55, सूर्यास्त 06:42 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:46 , सूर्यास्त 06:41 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : गण्डमूल सायं 04:02 से,
चातुर्मास व्रती को श्रावण में हरी सब्जी खाना वर्जित है।

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजनीति नहीं, जनसेवा करने के लिए नॉन-स्टॉप सरकार : सैनी

चंडीगढ़, 24 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश में जल्द ही पुलिस भर्ती निकाली जाएगी और इसके लिए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि आगामी 26-27 जुलाई को प्रदेशभर में सीईटी परीक्षा को लेकर सभी आवश्यक प्रबंध किए गए हैं। अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए बसों की व्यवस्था की गई है, ताकि वे परीक्षा केंद्रों तक सुचारू रूप से पहुंच सकें। लड़कियों के साथ उनके परिवार के एक सदस्य को भी बस में मुफ्त यात्रा की सुविधा दी गई है।

मुख्यमंत्री वीरवार को जिला चरखी दादरी के बाढड़ा विधानसभा क्षेत्र के झोझूकलां में आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले मुख्यमंत्री ने लगभग 68 करोड़ रुपये लागत की 19 परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। इनमें 54 करोड़ 84 लाख रुपये की लागत की 17 परियोजनाओं का शिलान्यास तथा लगभग 13 करोड़ 5 लाख रुपये लागत की 2 परियोजनाओं का उद्घाटन शामिल है।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि चरखी-दादरी की मिट्टी अपने आप में इतिहास की गवाही देती है। यहां की हवा में शौर्य है, यहां के कण-कण में वीरता बसती है। 1857 का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम हो, आजादी की लड़ाई हो अथवा आजादी के बाद चीन व पाकिस्तान से होने वाले युद्ध हों, यहां के जवानों ने सदा वीरता की नई मिसाल कायम की है। परिश्रम, स्वाभिमान और परंपराएं ही इस क्षेत्र की पहचान हैं। उन्होंने विश्वास दिलाया कि बाढड़ा क्षेत्र का भविष्य उज्ज्वल होगा और यह विकास की राह पर तेजी से आगे बढ़ेगा। हमारी सरकार क्षेत्र के विकास में कोई कोर कसर नहीं छोड़ेगी। वर्ष 2014 से अब तक सरकार ने बाढड़ा विधानसभा क्षेत्र में 495 करोड़ रुपये की लागत के विकास कार्य किये

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 से अब तक हमारी सरकार ने बाढड़ा विधानसभा क्षेत्र में 495 करोड़ रुपये की लागत के विकास कार्य करवाए हैं, जबकि कांग्रेस सरकार के 10 वर्षों में 175 करोड़ रुपये के काम हुए थे। पिछले 10 वर्षों में बाढड़ा विधानसभा क्षेत्र के लिए कुल 203 घोषणाएं की गई। इनमें से 145 घोषणाएं पूरी हो चुकी हैं तथा 29 पर काम जारी है।

उन्होंने कहा कि चरखी-दादरी जिले के लिए कुल 474 घोषणाएं की गई। इनमें से 321 घोषणाएं पूरी हो चुकी हैं तथा 90 पर काम जारी है। हमारी सरकार ने चरखी-दादरी को दिसम्बर, 2016 में नया जिला बनाया। राष्ट्रीय राजमार्ग 148-बी का सुधार करने व इसे चारमार्गी बनाने का काम 170 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है। गांव रावलधी के नजदीक दादरी का नये बाईपास के आर.ओ.बी. का निर्माण 27 करोड़ 63 लाख रुपये की लागत से किया गया है। दादरी के पुराने अस्पताल परिसर में शिशु एवं मातृ स्वास्थ्य केन्द्र भवन व स्टाफ क्वार्टर का निर्माण 19 करोड़ रुपये की लागत से किया गया। उन्होंने कहा कि जिले में 2 लाख 73 हजार आयुष्मान-चिरायु कार्ड बनाए गए हैं। लगभग 30 हजार लोगों के मुफ्त इलाज के लिए 24 करोड़ रुपये की राशि के क्लेम दिए गए हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने एक निर्णायक और पारदर्शी सरकार का अनुभव किया है। कार्य संस्कृति में अभूतपूर्व बदलाव आया है। जब वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के प्रधान सेवक का पदभार संभाला, उस समय हमारी अर्थव्यवस्था पूरे विश्व में 11वें स्थान पर थी और आज प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व और दूरदर्शी नीतियों की वजह से हम दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बन गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व, उनकी अदम्य इच्छाशक्ति और सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मूलमंत्र ने देश को एक नई दिशा और एक नई ऊर्जा प्रदान की है। वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को पूरा करने के साथ-साथ हम हरियाणा को विकसित भारत के विकास का इंजन भी बनाएंगे। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य है पूरे हरियाणा का संतुलित विकास, चाहे वह शहर हो या गांव। यही हमारा संकल्प है और इस मार्ग पर हम पूरी प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ रहे हैं।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि हमने बीते वर्षों में हरियाणा को भ्रष्टाचार मुक्त करने और ईमानदारी से कार्य करने का संकल्प लिया है और आज यहां से हम सब एक नया संकल्प लें कि हम हरियाणा को शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार में अग्रणी बनाएंगे। किसान, जवान, नारी और नवयुवक को सशक्त करेंगे। हमारी सरकार राजनीति नहीं, जनसेवा करने के लिए नॉन-स्टॉप सरकार है।

69 करोड़ सरकारी घोटाला: लेखा अधिकारी सुनील बंसल ने गबन की राशि से बनाई आलीशान संपत्तियां

चंडीगढ़, 24 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के तत्कालीन सीनियर लेखा अधिकारी सुनील बंसल पर 68.71 करोड़ सरकारी धन गबन करने का गंभीर आरोप है। सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, पंचकूला की जांच में सामने आया है कि बंसल ने 2018 में बैंक अधिकारियों के साथ मिलकर एचएसबीसी खातों से फर्जी तरीके से करोड़ों रुपये अपने बनाए खाते में स्थानांतरित किए। पुलिस जांच के अनुसार, यह घोटाला दो चरणों में अंजाम दिया गया। पहले एचएसबीसी के उच्च अधिकारियों की अनुमति लिए बिना पंजाब नेशनल बैंक, मनीमाजरा शाखा में एक फर्जी खाता खुलवाया गया। इसके बाद एचएसबीसी के वास्तविक खातों से 68.71 करोड़ की राशि इस फर्जी खाते में ट्रांसफर की गई। जांच में यह भी उजागर हुआ है कि बंसल ने इन नकदी को 85 अलग-अलग खातों में जमा किया, जिसे उन्होंने मुआवजा के रूप में प्रदर्शित किया, जबकि ऐसी किसी भी भूमि का अधिग्रहण एचएसबीसी द्वारा नहीं किया गया था।

जांच सामने लाती है कि बंसल और उसके परिवार ने अपने नामऋ-बेटे नकुल, बेटी आंचल व दामाद हर्षित जैन सहित कई अन्य के नामऋ-पर करोड़ों की संपत्ति अर्जित की। पंचकूला व डेराबस्सी में आ-लीशान मकान, फ्लैट, प्लॉट व दो डउज क्षेत्रों की खरीदारी की गई। बद्दी, हिमाचल प्रदेश में एक हेल्-थकेयर यूनिट को रेंट पर लेकर उसमें 43 लाख का निवेश भी किया गया। इस यूनिट में बंसल की पत्नी सुनीता रानी की 34 प्रतिशत हिस्सेदारी बताई गई है। इसी घोर गंदी साजिश के अंतर्गत, बंसल ने अपनी सेवानिवृत्ति से एक दिन पहले 27 फरवरी 2019 को उस फर्जी बैंक खाते को बंद करवा दिया, ताकि जांच से छुपाया जा सके। मामला तब उजागर हुआ जब 7 मार्च 2023 को पंचकूला पुलिस थाने में मामला दर्ज हुआ। आईपीसी की धाराएं 420, 467, 468, 471 और 120इ के तहत एफआईआर संख्या 116 के अंतर्गत कार्रवाई की गई। अब तक 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है और सतर्कता ब्यूरो एचएसवीपी की संपत्तियों को अटैच करने की प्रक्रिया में जुटी हुई है।

हरविन्द्र कल्याण ने लोकसभा अध्यक्ष से की मुलाकात विधायी प्रशिक्षण को लेकर हुई अहम चर्चा

चंडीगढ़, 24 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने वीरवार को नई दिल्ली में लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला से शिष्टाचार भेंट की। इस मुलाकात में दोनों नेताओं के बीच अनेक विधायी और प्रशिक्षण संबंधी विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई।

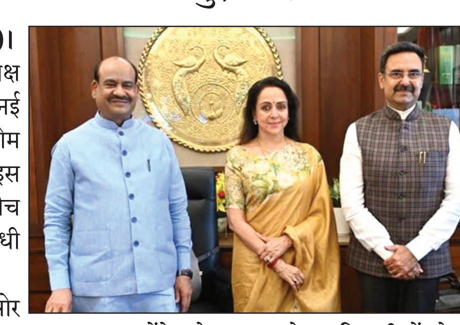

यह प्रशिक्षण लोक सभा की ओर से हरियाणा सरकार व विधान सभा के कर्मचारियों के लिए आयोजित किया जाएगा। इससे उनकी कार्य क्षमता में खासा इजाफा होगा। लोक सभा की टीम प्रशिक्षण देने के लिए चंडीगढ़ आएगी। विधायी कार्यों की ड्राफ्टिंग एक महत्वपूर्ण कार्य है, जिसके लिए स्टाफ की दक्षता जरूरी है। इसके लिए कॉम्प्रिहेंसिव ट्रेनिंग की जरूरत है। कर्मचारियों को विधायी प्रणाली, टूल्स, ड्राफ्टिंग, बिल, एक्ट, प्रश्नों के लिए नोटिस, संकल्प प्रस्ताव आदि की अच्छी ड्राफ्टिंग का ज्ञान होना आवश्यक है। इस दौरान उन्होंने लोक सभा के अधिकारियों से भी चर्चा की। आज भारतीय संसदीय प्रणाली तेजी के साथ सुधारों की तरफ बढ़ रही है। हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष श्री कल्याण इस बारे में कदम आगे बढ़ा रहे हैं और लोक सभा का सहयोग ले रहे हैं। विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने इस दौरे के दौरान केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, राज्य सभा के उप सभापति हरिवंश, राज्यसभा सांसद सुरेंद्र नागर, लोक सभा सांसद हेमा मालिनी, विप्लब कुमार देब से भी मुलाकात की।

न्याय मंत्रालय के 14 लाख विधिक जागरूकता कार्यक्रमों में 15 करोड़ व्यक्ति हुए उपस्थित : मदन राठौड़

जयपुर, 24 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विधि एवं न्याय मंत्रालय की ओर से समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों को न्याय दिलाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण का गठन किया। प्राधिकरण की ओर से किसी भी नागरिक को आर्थिक या अन्य अक्षमताओं के आधार पर न्याय से वंचित नहीं किया जाए, इसकी समूचित व्यवस्था की जा रही है। मंत्रालय की ओर से पिछले तीन वर्षों में 23 करोड़ से अधिक मामलों का निस्तारण राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से किया, वहीं करीबन 34 लाख राज्य लोक अदालत और 6 लाख 41 हजार स्थायी लोक अदालतों में मामलों का निस्तारण कर लोगों को राहत प्रदान की गई।

राज्यसभा सांसद एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के सवाल के जवाब में विधि और न्याय मंत्रालय के राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार अर्जुनराम मेघवाल ने सदन में यह जानकारी दी। राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने बताया कि विधिक सेवा प्राधिकरणों द्वारा राज्य, जिला और तहसील स्तर पर विधिक सहायता और परामर्श देकर जरूरतमंदों को कानूनी सहायता मुहैया कराई जा रही है।

प्राधिकरणों द्वारा बच्चों, श्रमिकों, आपदा पीड़ितों, एसटी-एससी और दिव्यांगजनों से संबंधित विविध विधियों एवं योजनाओं के प्रति देशव्यापी विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है। पिछले तीन वर्षों में 13 लाख 83 हजार विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें 14 करोड़ 96 लाख 72 हजार व्यक्ति उपस्थित होकर लाभान्वित हुए।

राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से वर्ष 2023-24 में विधिक सहायता प्रतिवादी काउंसल प्रणाली योजना का कार्यान्वयन भी राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से किया जा रहा है। मंत्रालय की ओर से देशभर के 662 जिलों में विधिक सहायता प्रतिवादी काउंसलों के कार्यालय कार्यरत है। पिछले 2 वर्षों में 8 लाख 69 हजार मामले विधिक सहायता प्रतिवादी काउंसलों को सुपुर्द किए गए, इनमें से 5 लाख 85 हजार मामले निस्तारित किए गए।

बीसलपुर बांध जुलाई में पहली बार हुआ ओवरफ्लो

टोंक, 24 जुलाई (एजेंसियां)। बीसलपुर बांध के कैचमेंट एरिया में विगत दिनों में अच्छी बारिश होने के कारण निरंतर पानी की आवक होने से गुरुवार को बांध की भराव क्षमता 315.50 आरएल मीटर पर पहुंचने के बाद सायं 4 बजकर 56 मिनट पर बीसलपुर बांध के गेट नंबर 10 को 1 मीटर खोलकर 6000 क्यूसेक पानी की निकासी की गई। इस अवसर पर देवली-उनियारा विधायक राजेंद्र गुर्जर, जिला प्रमुख सरोज बंसल, पुलिस अधीक्षक राजेश मीणा, उप जिला प्रमुख आदेश कंवर, जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान, देवली प्रधान बनवारी लाल जाट, नरेश बंसल, देवेंद्र सिंह ,तरुण टिक्किवाल, शकर चौधरी, रघुवीर सिंह,,समेत अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे। सभी ने विधिवत रूप से पूजा अर्चना करने के पश्चात स्काडा सिस्टम के तहत कम्प्यूटराइज्ड तरीके से गेट खोलकर पानी की निकासी शुरू की।

इस अवसर पर जिला कलेक्टर ने कहा की बीसलपुर बांध पेयजल की दृष्टि से जयपुर, अजमेर एवं टोंक जिले के लोगों के लिए लाइफ लाइन है। बीसलपुर समेत जिले के लघु, वृहद एवं मध्यम बांधों में पानी की अच्छी आवक होने से लोगों को पेयजल एवं सिंचाई के लिए भरपूर पानी मिल सकेगा। क्षेत्र में अच्छी फसल का उत्पादन होगा। जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल ने आमजन से अपील की है कि वह नदी के बहाव क्षेत्र में नहीं जाएं।

आरयूएचएस को रिम्स के रूप में विकसित करने की प्रक्रिया तेज खींवसर ने की कार्यों की समीक्षा

जयपुर, 24 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर आरयूएचएस अस्पताल को रिम्स के रूप में विकसित करने की दिशा में तेजी से प्रयास किए जा रहे हैं। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने गुरूवार को राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय में इस संबंध में समीक्षा बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

खींवसर ने कहा कि आरयूएचएस अस्पताल को रिम्स के रूप में विकसित करने के लिए राज्य सरकार ने 750 करोड़ रुपए का बजट प्रावधान किया है। अधिकारी, राज्य सरकार की प्रतिबद्धता के अनुरूप रिम्स के लिए आवश्यक वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृतियां शीघ्र जारी करवाएं एवं समयबद्ध रूप से निविदा प्रक्रिया पूर्ण कर काम को गति दें।

उन्होंने कहा कि आरयूएचएस के रिम्स के रूप में विकसित होने से न केवल जयपुरवासियों बल्कि प्रदेशभर के लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं के लिए एक बेहतरीन विकल्प मिलेगा। साथ ही, चिकित्सा के क्षेत्र में शोध एवं अनुसंधान को बढ़ावा मिलेगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश ने खनन क्षेत्र में अर्जित की ऐतिहासिक उपलब्धि

जयपुर, 24 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में खान विभाग ने मेजर मिनरल ब्लॉक्स की नीलामी में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। राजस्थान पूरे देश में मेजर मिनरल ब्लॉक्स की नीलामी में पहले पायदान पर पहुंच गया है। केंद्र सरकार द्वारा वर्ष 2016 में अधिसूचित किए गए प्रावधानों से अब तक पूरे देश में प्रधान खनिज के 500 ब्लॉक आवंटित हुए हैं, इनमें से राजस्थान में ही देश के 20 प्रतिशत से अधिक यानी 103 ब्लॉक आवंटित हुए है। वहीं, राज्य सरकार के गत 18 माह के अल्प कार्यकाल में ही 64 ब्लॉकों का ऑक्शन हो चुका है। इस उपलब्धि के बाद राज्य सरकार सभी ब्लॉक्स के शीघ्र परिचालन के लिए तत्परता से कार्य कर रही है ताकि प्रदेश में निवेश और राजस्व की वृद्धि अधिक से अधिक हो सके।

राज्य सरकार ने जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाकर अवैध खनन के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की है। मुख्यमंत्री श्री शर्मा की मंशानुसार खान विभाग ने एक्सप्लोरेशन, डेलिनियेशन, ब्लॉक निर्माण और पारदर्शी ऑक्शन की प्रभावी योजना पर कार्य किया है। जिसके अंतर्गत मिनरल ब्लॉक्स के निस्तारण के संबंध में त्वरित निर्णय लिए जा रहे है। सरकार के गठन के तीन माह के भीतर ही (मार्च 2024 तक) 15 मेजर मिनरल ब्लॉकों की नीलामी एमएसटीसी पोर्टल के माध्यम से कर दी गई। वहीं, वर्ष 2024-25 में अकेले 34 ब्लॉकों की नीलामी कर एक नया कीर्तिमान हासिल किया गया। खान विभाग द्वारा वर्ष 2025-26 में जुलाई तक 15 ब्लॉकों की नीलामी की जा चुकी है और 12 ब्लॉकों की प्रक्रिया जारी है। वहीं, खान विभाग ने रॉयल्टी राजस्व में एक नया रिकॉर्ड बनाया। वर्ष 2024-25 में रॉयल्टी राजस्व 9 हजार

228 करोड़ रहा है, जो गत वर्ष से 24 प्रतिशत अधिक है।

नीलाम किए गए ब्लॉकों को जल्द परिचालन में लाने की दिशा में राज्य सरकार सक्रिय रूप से कार्य कर रही है ताकि निवेश, रोजगार और राजस्व में ज्यादा से ज्यादा वृद्धि हो सके। खान विभाग ने जुलाई माह में राजस्व, वन एवं पर्यावरण, भारतीय खान ब्यूरो और स्टेट एनवायरमेंट इम्पेक्ट एसेसमेंट ऑथोरिटी (सिया) सहित संबंधित विभागों और स्टेकहोल्डर्स को एक मंच पर लाकर खनिज ब्लॉकों और प्लॉटों के परिचालन को गति देने की अभिनव पहल की है। साथ ही, विभाग ने आगामी नवंबर-दिसंबर तक 10 नई खानों को परिचालन में लाने की रणनीति भी बना ली है। प्रशासनिक अनुमतियों को तेजी से निस्तारित करने के लिए पोस्ट-ऑक्शन फेसिलिटेशन सेल का गठन भी किया गया है, जो विभिन्न विभागों व स्टेकहोल्डर्स के बीच समन्वय स्थापित कर रहा है। मेजर मिनरल ब्लॉक्स की नीलामी में राजस्थान की उपलब्धि का कारण पारदर्शी और प्रभावी ऑक्शन प्रक्रिया है, जिसकी सराहना केन्द्र सरकार ने भी की है। भारत सरकार के खान मंत्रालय ने इस वर्ष जनवरी में कोणार्क, ओडिशा में आयोजित राज्य खनन मंत्रियों के तीसरे सम्मेलन में खनिज ब्लॉकों की नीलामी में अनुकरणीय प्रदर्शन के लिए राजस्थान को प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया।

भाजपा विधायक मिश्रिलाल यादव की विधानसभा सदस्यता फिर से हुई बहाल

कोर्ट ने दो साल की सुनाई थी सजा

दरभंगा (एजेंसियां)। दरभंगा के अलीनगर विधानसभा से भाजपा विधायक मिश्रिलाल यादव की विधानसभा की सदस्यता फिर बहाल कर दी गई है। इस बात की अधिसूचना देर रात विधानसभा की सचिव ख्याति सिंह द्वारा बुधवार देर रात जारी कर दी है। विधायक मिश्रिलाल यादव को दरभंगा के एमपी एमएलए की विशेष न्यायालय ने एक पुराने मारपीट के मामले सुनवाई करते हुए 27 मई को दो साल की सजा सुनाई थी। इसके बाद मिश्री लाल को जेल हो गई थी, जिस वजह से 20 जून को भाजपा विधायक मिश्रिलाल यादव की विधानसभा की सदस्यता समाप्त कर दी गई थी। हालांकि इस मामले में विधायक को हाईकोर्ट से पहले ही जमानत मिल चुकी है, जबकि हाईकोर्ट ने सुनवाई करते हुए 18 जुलाई को विधानसभा सदस्यता रद्द करने के मामले को निरस्त कर दिया था।

एक पुराने मारपीट के मामले में कोर्ट ने विधायक मिश्रिलाल यादव को 27 मई को दोषी पाते हुए दो साल की सजा सुनाई थी। जिसके बाद उन्हें जेल भेज दिया था। इसके बाद विधायक द्वारा हाईकोर्ट में अपील किया गया जिसमें सुनवाई करते हुए कोर्ट ने 23 जून को जमानत देते हुए रिहा कर दिया था।

भाजपा विधायक मिश्री लाल यादव को 27 मई को दरभंगा व्यवहार न्यायालय के एमपी एमएलए कोर्ट के एडीजे 3 सुमन कुमार दिवाकर ने धारा 506 में उमेश मिश्र दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए भाजपा विधायक को 2 साल कैद के साथ 1 लाख रुपया का अर्थदंड की सजा सुनाई थी। इससे पहले इसी धारा में तीन महीने और 500 रुपया अर्थदंड की सजा मिली मिली थी। सजा मिलने के बाद पुलिस अभिरक्षा में अलीनगर भाजपा विधायक मिश्री लाल यादव को जेल भेज दिया था।

अदालत ने रैयाम थानाकांड सं 04/19 से बने बिचारण वाद सं. 884/23 का बिचारण कर दोनों दोषी अभियुक्त को सजा सुनाई है।पूर दोनो के विरूद्ध समैला निवासी उमेश मिश्र ने 29 जनवरी 19 की आपराधिक घटना को लेकर 30 जनवरी को प्राथमिकी सं. 4/19 दर्ज कराया था। सूचक का आरोप था कि 29 जनवरी 19 को सुबह 6 बजे मॉर्निंग वाक के लिए घर से निकला। जब वह गोसाई टोल पहूंचा तो पुरब दिशा से आ रहे मिश्री लाल यादव, सुरेश यादव एवं अन्य 20/25 व्यक्ति हरवे हथियार से लैस होकर कदमचौक पर घेर कर गाली गलौज करने लगा। जब उसने इस बात का विरोध किया तो मिश्रीलाल यादव ने सूचक के सिर पर फरसा से प्रहार कर दिया, जिससे उसका सिर कट गया और खून बहने लगा। सुरेश यादव ने रॉड और लाठी से मारकर सूचक के पॉकेट से 2300 रुपये निकाल लिए। जख्मी का इलाज पहले केवटी पीएचसी और तत्पश्चात डीएमसीएच में हुआ।अ नुसंधानक ने 12 अक्टूबर 19 को आरोप पत्र समर्पित किया।कोर्ट ने 17 अप्रैल 20 को संज्ञान लिया।

कबाड़ दुकानदार को मारी गोली, परिजनों ने वाहनों को किया आग के हवाले

पटना (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर में बेखौफ अपराधियों ने कबाड़ दुकानदार की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने जमकर बवाल किया। सड़क मार्ग को जामकर खूब हंगामा किया। घटना एनएच 28 स्थित मझौलिया के पास की है। घटना को लेकर के परिजनों का आरोप है कि बच्चे के विवाद में इस घटना को अंजाम दिया गया है। मृतक की पहचान मो गुलाब (40) के रूप में की गई है। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और जांच में जुट गई।

घटना के संबंध में लोगों ने बताया कि अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। घटना से आक्रोशित लोगों और परिजनों ने आरोपी के घर के बाहर खड़ी दो गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया। घटना के संबंध में मृतक के भाई क्या कहना है कि एक आदमी ने फोन कर बताया कि आपके भाई को किसी ने गोली मार दी है। जब मैं वहां पर पहुंचा तो देखा कि वह खून से लथपथ जमीन पर गिरे पड़े थे। मृतक के भाई ने का कहना है कि मोहम्मद तुफैल, मोहम्मद बदल, मोहम्मद अकील और मोहम्मद छोटू ने हत्या करवाई है। दोनों के बीच जमीन का विवाद था, इसी वजह से हत्या करवाई गई है। उन्होंने बताया कि दोनों पक्षों में दो दिन पहले भी मारपीट की घटना हुई थी।. घटना पर पहुंचे एसडीपीओ टाउन टू विनीता सिन्हा ने बताया कि अज्ञात अपराधियों ने कबाड़ी कारोबारी की गोली मार का हत्या कर दी है। घटनास्थल से खोखा बरामद हुआ है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी को खंगाल रही है।

साइबर ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश छह आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

सीवान (एजेंसियां)। सीवान जिले की पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है। सीवान पुलिस ने गेमिंग ऐप के माध्यम से साइबर ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इस गिरोह के छह सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस उपाधीक्षक, साइबर थाना सीवान के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया था। गुप्त सूचना के आधार पर टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सभी आरोपियों को गिरफ्तार किया। ये सभी आरोपी सीवान जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों के रहने वाले हैं।

इस संबंध में पुलिस अधीक्षक मनोज तिवारी ने प्रेसवार्ता कर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि साइबर थाना की टीम को सूचना मिली थी कि कुछ लोग ऑनलाइन गेमिंग एप के जरिए लोगों को ठग रहे हैं। इसी सूचना के आधार पर विशेष टीम ने कार्रवाई करते हुए छह आरोपियों को गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान सभी आरोपियों ने यह स्वीकार किया कि वे गेमिंग एप के जरिए लोगों से साइबर ठगी करते थे।

पुलिस ने इनके पास से दो लैपटॉप, एक टैबलेट, कुल 74,100 रुपये नगद, 20 एटीएम कार्ड, 26 मोबाइल फोन, 31 चेकबुक, चार पासबुक, 19 वाई-फाई मशीनें, दो वाई-फाई राउटर, तीन चार्जर, एक इलेक्ट्रिक बोर्ड, दो मोटरसाइकिल, दो नोटबुक, 17 यूपीआई सागर, दो आधार कार्ड, एक पासपोर्ट, एक पैन कार्ड, एक स्मार्ट कार्ड और एक बायोमेट्रिक मशीन बरामद की है।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान पचरुखी थाना क्षेत्र के जसौली निवासी सुनील सिंह के पुत्र सुमित कुमार, विद्यार्थी सिंह के पुत्र अनिकेत कुमार, बरियारपुर निवासी राज कुमार, जितेन्द्र सिंह के पुत्र आदित्य कुमार, संता सिंह के पुत्र बंटी कुमार सिंह और हुसैनगंज थाना क्षेत्र के रसूलपुर छपिया निवासी बलीलाल सिंह के पुत्र भान्नी कुमार के रूप में हुई है।

पुलिस का कहना है कि यह गिरोह गेमिंग एप के जरिए लोगों को लालच देकर उनकी बैंकिंग डिटेल और ओटीपी हासिल करता था और फिर उनके खातों से पैसे निकाल लेता था। फिलहाल सभी आरोपियों से पूछताछ जारी है और पुलिस इस मामले में और लोगों की संलिप्तता की जांच कर रही है।

हत्या के मामले में 8 वर्षों से फरार दो कुख्यात नक्सली गिरफ्तार

गयाजी पुलिस और एसटीएफ की संयुक्त कार्रवाई

गयाजी (एजेंसियां)। नक्सल प्रभावित डुमरिया प्रखंड अंतर्गत छकरबंधा थाना क्षेत्र से पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। हत्या के एक मामले में आठ वर्षों से फरार चल रहे दो कुख्यात नक्सलियों को पुलिस और स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) की संयुक्त टीम ने गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान संजय सिंह भोक्ता और मुकेश पासवान के रूप में हुई है। दोनों के खिलाफ डुमरिया थाना में वर्ष 2018 में कांड संख्या 55/18 के तहत गंभीर धाराओं में मामला दर्ज है।

इस संयुक्त कार्रवाई का नेतृत्व इमामगंज एसडीपीओ कमलेश कुमार ने किया। गया एसएसपी आनंद कुमार के निर्देश पर डुमरिया थानाध्यक्ष दिनेश कुमार और छकरबंधा थाना अध्यक्ष अजय बहादुर सिंह के सहयोग से यह कार्रवाई की गई।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में एसडीपीओ कमलेश कुमार ने बताया कि बुधवार को पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि फरार नक्सली संजय सिंह भोक्ता अपने गांव छकरबंधा आया हुआ है। सूचना मिलते ही पुलिस और एसटीएफ की संयुक्त टीम ने तत्काल

कार्रवाई करते हुए छकरबंधा गांव में संजय सिंह भोक्ता के घर पर छापेमारी की। पुलिस को देख वह भागने की कोशिश करने लगा, लेकिन सशस्त्र बलों की सतर्कता से उसे मौके पर ही पकड़ लिया गया।

पूछताछ के दौरान संजय ने अपनी पहचान संजय सिंह भोक्ता, पिता स्व. शिवलोचन सिंह भोक्ता, निवासी छकरबंधा, के रूप में की। संजय की निशानदेही पर टीम ने लुटुआ थाना क्षेत्र के कोठीलवा गांव में एक और छापेमारी कर दूसरे आरोपी मुकेश पासवान को गिरफ्तार किया।

गिरफ्तार दोनों नक्सलियों पर वर्ष 2018 में एक व्यक्ति का अपहरण कर उसकी गोली मारकर हत्या करने और शव को जंगल में फेंक देने का आरोप है। इस मामले में उनके खिलाफ हत्या, अपहरण, आर्म्स एक्ट और विधि विरुद्ध क्रियाकलाप अधिनियम यानी सीएलए एक्ट की धाराओं में मामला दर्ज है।

एसडीपीओ ने बताया कि दोनों नक्सलियों ने पूछताछ में अपने अपराध में संलिप्तता स्वीकार कर ली है। पुलिस द्वारा पूछताछ के बाद दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है और आगे की कानूनी प्रक्रिया जारी है। एसडीपीओ ने कहा कि जिले में नक्सलियों और अपराधियों के विरुद्ध लगातार अभियान चलाया जा रहा है और इस तरह की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

बिहार विधानसभा घेराव में प्रशांत किशोर समेत कई लोगों पर एफआईआर

लाठीचार्ज में कार्यकर्ता घायल

पटना (एजेंसियां)। जन सुराज पार्टी द्वारा बिहार विधानसभा के घेराव को लेकर पार्टी संस्थापक प्रशांत किशोर, मनीष कश्यप, प्रवक्ता विवेक, प्रदेश अध्यक्ष मनोज भारती समेत 2,000 अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस ने यह कार्रवाई विधानसभा के बाहर प्रदर्शन के दौरान हुई झड़प और निषेधाज्ञा उल्लंघन के मामलों को लेकर की है। पुलिस के साथ हाथापाई और निषेधाज्ञा के उल्लंघन के मामलों में धारा 191(2), 190, 132, 223 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

23 जुलाई को हुए प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने लाठीचार्ज किया, जिसमें एक युवा कार्यकर्ता के सिर में गंभीर चोट आई। इस घटना के बाद प्रशांत किशोर ने सरकार को चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर जवाब नहीं मिला, तो पूरे बिहार में सरकार का कामकाज बाधित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अगर सुराज के एक निहत्थे कार्यकर्ता को आपने लाठी मारी है, तो मैं यहां बैठा हूं, आकर मुझे मारिए। ये प्रतिबंधित क्षेत्र है, तो हमें रोक कर दिखाइए। हम यहां से तभी हटेंगे जब मुख्य सचिव हमारी मांगों का लिखित जवाब देंगे। यह टकराव तब हुआ जब जन सुराज समूह ने बिहार विधानसभा की ओर मार्च करने की कोशिश की। पुलिस बैरिकेड्स लगाकर उन्हें रोक दिया गया, जिसके कारण थोड़ी देर के लिए हाथापाई हुई और प्रदर्शन स्थल पर तनाव बढ़ गया।

इससे पहले किशोर ने मज़दूरी कर रहे लाखों बच्चों की दुर्दशा पर भी चर्चा की। कहा कि बिहार में गर्मी और कठिन हालात में 50 लाख से अधिक बच्चे बाल श्रमिक के रूप में काम कर रहे हैं, लेकिन सरकार उनकी चिंता नहीं कर रही। अगर हमें सरकार को जगाना है, तो सड़कों पर उतरना ही पड़ेगा। पुलिस जो चाहे करे, हम तो आगे बढ़ेंगे।

कांवड़ियों से भरा पिकअप पलटा 30 घायल, पांच की हालत गंभीर

सीवान (एजेंसियां)। सीवान के तरवारा थाना क्षेत्र में कांवड़ियों से भरी पिकअप गाड़ी पलट गई। हादसे में 30 से 35 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। इनमें सात लोगों की हालत काफी नाजुक बनी हुई है। श्रद्धालु बाबाधाम देवघर में जल चढ़ा कर यूपी लौट रहे थे। इसी दौरान तरवारा थाना क्षेत्र के पास हादसा हो गया। कांवड़ियों से भरी गाड़ी पलट गई। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार सावन के पवित्र माह के चलते श्रद्धालु बाबा धाम से जल चढ़कर घर वापस आ रहे थे।

सभी लोग यूपी के देवरिया जिले के अलग-अलग गांव के रहने वाले हैं। सभी बाबा धाम जल चढ़ाने गए थे। वापस आते समय सीवान जिले के तवारा थाना क्षेत्र के गंडक पुल के पास पहुंचे तभी गाड़ी का स्टेरिंग फेल हो गया, जिसकी वजह से गाड़ी पलट गई। हादसे में पिकअप पर सवार लगभग 30 से 35 सभी

लोग घायल हो गए। किसी का हाथ टूटा किसी का सिर फटा। घायलों में सात लोगों की हालत काफी नाजुक बनी हुई है।

आसपास के लोगों की मदद से सभी घायलों को इलाज के लिए सीवान के सदर अस्पताल भर्ती कराया गया है।

यहां कुछ लोगों की नाजुक हालत को देखते हुए पटना पीएमसीएच रेफर करने की तैयारी डॉक्टरों के द्वारा चल रही है। वहीं, एक अन्य व्यक्ति भी गम्भीर रूप से घायल है, जो बड़हरिया का रहने वाला है। लोगों ने बताया कि वह पिकअप में दब गया था। उसकी भी हालत काफी नाजुक बताई जा रही है।

घटना की जानकारी देते हुए जीबी नगर तरवारा थाना प्रभारी रितेश मंडल ने बताया कि जिस पिकअप का एक्सीडेंट हुआ है उसमें कांवड़िएं सवार थे। प्रथम जानकारी में सूचना मिल रही है कि ड्राइवर को नींद आने से यह घटना घटी है। अभी स्पष्ट कुछ भी नहीं है।

मौके पर एक व्यक्ति चाय पी रहा था, वह भी घायल है। एक बाइक सवार को भी कुचल दिया है, वह भी घायल है। बाकी पांच कांवड़िए ऐसे हैं, जिनको गंभीर चोट लगी है। बाकी लोगों को मामूली चोट लगी है। पूरे मामले की जांच की जा रही है। गाड़ी को जब्त कर थाने लाया गया है।

पति-पत्नी के झगड़े में पत्नी ने काट दी पति की जीभ

गयाजी (एजेंसियां)। गया जिले के खिजरसराय थाना क्षेत्र अंतर्गत मंडई गांव में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां आपसी विवाद के दौरान पत्नी ने पति की जीभ काट दी। गंभीर रूप से घायल युवक को इलाज के लिए अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मंडई गांव निवासी छोटे दास और उनकी पत्नी के बीच सोमवार देर रात किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया। झगड़े के दौरान पत्नी ने गुस्से में आकर धारदार चाकू से पति की जीभ काट डाली। खून बहने के बाद घायल छोटे दास को तत्काल खिजरसराय स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से उन्हें बेहतर इलाज के लिए मगध मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com